

COLLECTION OF BENGALI PETITIONS, &c.,

MADE UNDLY THE ORDERS OF THE

GOVERNMENT OF INDIA,

FOR

HER MAJESTY'S CIVIL SERVICE COMMISSIONERS.



प्राप्ता प्रवेशिय स्ट्रिंग्र

CALCUTTA: OFFICE OF SUPERINTENDENT OF GOVERNMENT PRINTING. 1869.

न्?>

মহামহিম শ্রীযুক্ত জেলা ২৪ পং মারিটোট সাহেব ব্রাবরেঙ

দ্রখান্ত বিষ্টুপুর রোভের কৃট্রাক छात् डि।इतिनाथ छाखिर निसम्न अहे যে উও বোজের পাকা মেরামতের ১৮-৩০ ১৬ সালের কর্মের মালমসলা আ भा २० जूलाई जाविदेशव मासा वाखा अख उ कदिया जिल्ला आदिश उना निक মেয়াদ অভ্য প্রতিদিবস ৫ টাকাব হিসা त जित्रामा इउगात आतन्य रुक्त र्टेटड भन् उरामा अएट र्ट्याइ। समा বভাব অপ্রকাশ নতে বিষ্টু পুরের বা ভাব নিমিও যেসকল ইট প্রভত হই शाहिल जामनद्य वशाद नग्य इसिं इउगाय ये द्राकित जला है है भाता या अया गृ आ उत्तरिन जान २ कान २ देव

इंगे श्रविष करिया कर्ण्य आश्राम मिरा ए। अदा मृत् भाना इरेरा है हे जाना षिठीय भुजूत इहेट होका পাইতে বিলয় হওয়ায় কর্মের সৈমি লঃ হইতেছে কিন্ত ১৮-৫৫। ৬৬ সালের करमान हाल भजना २० जुलाई जाने মেব্ মধ্যে বেলকুল ক্ষা প্রস্তুত্ক रिया एउलर जाएम ना मिल क ব্রিনা হও্যার খ্রুম হও্যা অনা य। देरे माना या अयान कुटन त्रक्ल এডবসন্ম পাইব তাহাবি মাল মসলা প্রস্তুত করিয়া দিব। ইতগকার ফুল এক্স ক্ঠিন হ্কুম্ হওয়া সম্মের বৈন্তন্যতাভিন্ন নহে। এবিধার দর্ম থাৰ কবিষা প্ৰাম্না যে মহুৰ ক মের আঞ্জাম মত এডবগন্স গৈ কা দিতে ওঐ টাকার মেকদার মা

ল মমালা আঞ্জাম করিলে এমারক ন্ট্রাকটের নিজত টাকা আমাকে দে ওনপঞ্চে এবং ইট মারা ঘাওয়ার দং মেয়াদ রঙ্গি অর্মাত লেপটেম্বর মা হাতক দিতে আজ্ঞা হ্য। প্রায়ত মা লেক লিবেদন ইতি সন ১৮৬৫। ৮ জ্লাই প্রুম

अभा भा भक्षूत्। भावकः कुम यठ छ्याल कर्म करत्। सम २৮-७० माल २० ज्लाहे

ধর্মাবতার এবলপ্রতাপেষ্ট্র আজানুব বা মোং লক্ষী প্রলের গুজ্র থাটের ইজারদার শ্রীরামচন্দ্র থোক্ষে নিরাদন এই যে তাধিন উজ থাট শত ২০ দীসমূব ভারিনে ১৩ ৫০টাকায় ডা কিহাছিল জাহাতে ঐ থাটের যাজ

নেব বাস্তা মেবামত হওযায় পাডি ও বলদ ইত্যাদি যাতা আজ্ঞর বসাহাত इश्याय नदः त्याः कमात्रायात एशु ही क्षिक्रोंरी उक कान क्रेट व न श्रात शांिड इवशात - १वर् यमु मा निमेत् जल नकल मन्या मा भाषा य लाक जन द्यान पिया द्या हैया भा ব হইয়া যায় পাহাতে মাল গজবিব পক্ষে অনেক ব্যাহাত হওয়া ওকি ঞ্চিৎ কমি বন্দোবস্ত নাহইলে অধীন कान मरु डेङ ५००० होका मन्त ताइ कविष्ठ भारत्मा देखभामे विव रत रकुत् नकाय नकाय आर्कीन षाता निविषिष इरेल गण ३३ क्वरब न जारित्य अशीलन् नात्य अहे आ দেশে পর্ওয়ানা প্রচার হয় যে অধিন হজুরে হাজীর হইলে মুনাদৈর্ফ হকুম

হইবেক। অধীন উজ গটেব ডিপ জিটেব ৩৩৭))৷ টাকার মধেঠ ৩০০-টাকা আমানত করিয়াছে বাকী পা টাকা এক হস্তার মধ্য দাখিল কবি त्क अवः अधीन अम् १८।२० मिनम পমান্ত হজুবে হাজিব আছে ভাহান অধীনের উঞ্জ থাটের বন্দোৰন্তের কোন প্রুম হ্যুনাই। এমতে প্রার্থ व्य ने शास्त्व किशिश क्यी वत्सावक करिया मिल आका र्य। आत् -शास्त्रे हें जानूसादि ना अपने अयो ক্মবেস ১৫০ টাকা লোকসান হই য়াছে ধর্মাবভাব আমি গবিব মনুথ लाकमालव नाय माना याहै। र्कुत সুলোচর কার্ন নিবেদন কবিলাম প্রীয়ুত মালিক নিবেদ্ন। ইতি সন ১৮ अ माल >> प्रार्ध

160

प्रश्नारिय जिला निष्यात जीयुङ त्यक्र वेत्र भाद्य वत्रावल्थु

দৰ্মান্ত গ্ৰীসবৰ্ষতন্ত্ৰ গ্লদাৰ ও শ্ৰী कमराज्य ५३ शांका लामान् दोलवात्स् ইজাব্দার নিরেদন এই যে উঞ্জ টোল্বা त्वर राष्ट्रा जांडाहेया गांडि हेंडगिर भा ইতেক্। এমতে গ্রামনা এক কেতা প लाशना अवन इय रक भाष्ट्री देउभि जे कोल जाजाहेतः शहर ना भाष जारा रहेल भाजना जामाय कविल शावि मटण्ड जक कालीय आक्रमा इडे दक ना भिद्यम्य है जि अस ३२ १२ जाल ३ के खन

> প্রাকেশবচন্দ্র দঙ্গ খাঁজা গোদার টোলবারের ইঞ্জাবদাব

মহামহিম প্রীযুক্ত মাজিড্রেট সাহেব জেলা যশোর বর্ণবরেঞ্জ

प्रथा श्रीनकड़ी प्राक्षा मार्किन छत्रनिया, श्री नसिन

नित्रम्य अडे अन्त्रमा प्रक्रुख्त् छड গতা তর্ফ হাদেলার মোভালকে মুক ल हक मारा ७ जनक हक माराव ल তি জনা মহেশচন্দ্র বদুও পিতাম্বর মে न नीलाम भविषा भाषिकमा छेउ कमा त डेच्हा उलाएक ऋद्यान उ प्राचन য় আছেন। পীতাম্ব লেনের অংশ এ क्रव्यं स्थायं नात्र क्या-क्रियां लरे য়া উভয়ে দুখলীকার আছি। ঐ জমা র মোতালকের রোবা জনিতে আম रा निक उ काञ्मात्वर भारा दाता ধান প্রশুত কবিয়া ঐ ধান স্পক্ষ इहेशाई। उाहाळ जामामिलाव जा

नि प्रभारतका प्रवृत्ता प्राकित्व रकान कंध्रंव जाली अनकां जाली अ नमा र जाली ७ कामानमी ७ जार्कान है सा उ मर्द्यकामी उ जाकाकामी काकि म कप्तर्मी अङ्डि जानाज २०।२० ज न এक জाট वर्भ इहेशा जल महिक उ लाठी मिर्ड र्फ्स्निक्ड किर्डिड गत्क भारेत्न मान श्री हे अभून जभम कवित्वक अ जामामिलात् ने देशाति र्कमल जन्तात किया नरेदक। जा হাতে আমবা কি আমাদিগের জো उमानान के उधारि कंत्रल कारीट আশক্তায় যাইতে পারিনা।তাহাতে আ মাদিগের সমূহ হানি হওয়ার সম্ভব হ ই্য়াছে একাবন প্রাথিত পুলিস আছ লাব নামে এক কেতা পরোয়ানা প্রচা

র হয়, য়ে জমায়ত বন্তী লাতিয়াল এ

গুরু করিয়া ওজুরে চালান করেন

এবং আমার নিকট প্রমান এহরে

আসামীগনের র্ফেয়াল জামীন ও

মুচলাকা লওয়ার পঞ্চে বিহিত

আদেশ প্রকাশ হয়। ইতি সন

১২ ৭৬ সাল ৪ বৈশাখ

নং ৫

ফেসন গাদ থালী অদ্য তারিথ ১ র্ফেব্রুয়ারি সন ১৮ ৬৬। মোং ২৮ মাঘ সম ১২ ৭২ সাল

মহিছার্নবেছ

'মিলেদন সাত্রীরা মিরাসী বারু প্রা ন নাম রায় টোধুরীর তর্ফ প্রীরা মকাটী দিগর প্রামেব নায়েব রয়ু

समि मूट्याभाष्ण्य रापित अज्ञा বি তম্স বাসা বাটা দোসুতিনাব याम्य प्रत्य राष्ट्री २ र्फ प्रशावि तात काकां इहेगा डेहात निक র ও ঘাদবের বহুত্র মালামাল लों या ७ या त्या का का का का का का कूल ३ ओयुउ देनत्भक् छेत् भाक् रक अखना क्रमेख्र व्यम इरे श माल् क्रेंगील अप्छिल त्युपि बक्कुर उमा जूठे याख्या ४२५% आ मा जिंका बालिव अलिका माश्रिल क्र्नाल याम्य प्रत्न य अल হার লওয়া দেল তাহাতে ৯ র্চ্চেক্র য়াবি জাবিথে বাতি মা প্রহর্বসম य इरेगर ७०। ८० जमा अस्थारी जा কাইত লোক উহাব বাটীব প্র প िया डेशिं एक आया मनापि करि

मा श्रमक् कंटर्नर् लिथिड उमा निर्क र ७०% এक जाना छाका मूर्लांर मालामाज नुठे कित्रां लड्या ६ अक धामक विभाग हला कितान गाउँक ও অব্যূর, বামগতি দে ও মানিক ও নকিম ও আনন্দ ও উমেশ ও दिकुरेक कमा जिन्न अक्टे विनित्त मा भारा ७ अवर्ष कमा आमामीमतन श्रिक जादा उ जाश्यम् भागा उना मीव आर्थना ७ आव्र मालव मना न शाहेरल माविम्नु हहेरव, हेर्डाम প্রকাশ হওনান্তে লুঠের আনামত দৃষ্ট ও ঘটারাম প্রভৃতির মোকার लाय उप जूरं श्ला ७ अकृत श्वात् नक्षा क्वं वामीष्वयव भा নিত অকুব্ জাত থাকাব্ সাক্ষী সম্ভুচক্র চঞ্চর্জী ও কানাই সেমা

लियामा '३ प्तरी खाश '३ शकीता म दि दिशव नावा अक्र मठाला जगन्या रचुम्नि मुस्था श्रम्पार्यत् लि भिया प्रथम ज्ञालको अ याप বেব এজাহার ও মালতালিকার र्कम ७ जामाद्र मुन्ड शन ७ ও অকুর নক্সা ও জমীর চৌকী माख्व अद्धराव मर लाहदार्थ मे বেদিলাম। তাাব নাম প্রকাসিত আসামীগরেৰ বীতিমত খানা ত सामी कित्रिं अवृत रुख्या शिल পশ্চাৎ যেমভ প্রকাশ পাও্যা যায় निर्विषिव। निर्विष्म देखि जम ३৮७७ ১০ কেব্ৰুয়াবা মোভাৱেক সন ১২৭২ ২৯ মাশ। शुः अरे त्याकम्याय त्यां ठ >>> hd ठाकात् माल नुवेशियादक्।

নংগ্ৰ

क्यालामा

বাদী গোপাল মন্তলের নালিসী আ

মার নামীয় রাস্তা বন্দ করা বাবত

আক্রমা প্রকাইতের নাম সম্বলিত

দ্ব প্রাস্ত

মহায়হিম মহস্মা বসীষ্হাটের আয়ুত বারু ভেপুটী মাজিড্রেটি— বায় বাহাদুর বরাবরেঙ্

प्त्थाङ खोजालीयायुम् यङ ल गार् भूग वाङाशूव् भाग कलिश्रा निव्यम्न निक माकीत्मव् भागाल

मलका रामी जामात् नात्म माधात् নেৰ ব্ৰন্তা বন্দ কৰা বাৰত যে মি মাস মোকদ্মা খুজুরে দাএর ক विशास्त्र जाराव जामल वृशास अहे ল আমি ওনবাড়া পুরের নেবা বেওয়ার নামেরাজ জমির মধেস वि अया भजकु त्वं उ प्ववावं का হিকবেৰ বাটাৰ পশ্চিম আন্দাজ ॥४,५० काछा क्यी द्वश्य मज़कू द्व निकरे जापं 018 वर भन् इ इंड आड़े। क्रिया क्रिया ने वाषीत भूवर्व फें उत् पिया नाश्वात्वात् लग মনুধ্ গমনাগমনের রাস্তা হব বা টী প্রস্তুত করত রাজম্ব আদায় ক বত বনবাস কবিয়া আমিজেছি তাহাতে কেহ কমন কোন আ পর করে নাই। তবে আমাব মু

निव दर उद्या जजन द्वत महिल वामी মজন্বেৰ মনিব চাঁদ মভলেৰ স হিত জন্ম জনি লইম্য ননাজৰ হ ওয়ায় তদালোলে আমি বেওয়া ম जऋद्वर श्रका विधाय नामी जज अद जाभाक कानक्रा छे छ টা হইতে নৈবাশ ক্রম মানণো नाना विध ज्ञानुभाग्न स्नाकम् भा उनिष्ठ करियाक। आधि वाँ ব কমিত রাভা বন্দ ক্রিমাই। আ তএব ছানি নাম সম্বলিত বিদ্য বের প্রামনায় দ্রখাভ দামিল ক বিলাম, ধর্মাবতার মালিক নিবেদ न इंडि २५७७) २० कुलाई

পঞ্চাইতের নাম
ভ্রীকে না প্লোন্দকাব

मार् मूलाअम शून गारुक मछल गार् होअमाडि हिंक मछल राष्ट्रभन मछल २ मार् धमनाष्ट्रभून लुक्भ

মাতে বিতরি গ্রামে কেং ভদ্রনাক আছে তাহা এ পঞ্চ ভারণত নহে ন মতে থকুম কলিপার দাবোগ জ নেখা যায় যে ল বিতার ও গোবিদ পূর গ্রামে ভদ্র এবং ধার্মিক অপ শ্ব গাতি লোক কে আছে তাহা দিগের ৩।৪ জনার নাম নিথিয়া পাঠায় ইতি তাং সন ১৮ ৬৩ সাল ২০ জুলাই।

আসাহী হামীর্ফ সেথ

श्रोक स्था नार् माज्यां उद्धि निष्मश्र्य मार् मे के मे मे गार् मे के मे मे गार् मे के में गार् माण्या जानूक स्था कालमिन स्था नार् यालया गाँ स्था ज्यामाय

मार् बाज्वाचे । व निक्स्थ्व

७ जना

नार्की

নেক দানেশত লেক মনি বউদীনত কালু সেথাত সাং মাজবাট ওঃ সেথা মগলত সিদেশ্বর ও জুনা

থক্ম

তালাৰ গ্ৰহাজীব। গ্ৰুম। দি বেখায় থাকে। ইতি সন ১৮৬৫ সাল তাৰিথা ৫ জুলাই

नर् १

মহামহিম শ্রীযুক জেলা ২৪ পর্গনার মাজিফেট সাহের ব্রাবরেড

দ্বপ্রাস্থ

भागा आही शृद्धत् अलाका वा लिया श्रद्धाना निकिन्ती श्रूद्ध आ कित्नत् जी मात्रावर्ण श्राप्त् का नित्नप्त अव य नाख्या भवंभनाव वामश्रूद्ध माकित्वव जीदेवकुके नाभ माज्य नाद्धा वेषि श्रुद्धार्य जिला मांग्रा

ব আমাব বসত মৌকসী वलिया आजगाइ इंडमि कारी তে উদাত হওয়ায় আমি তিছি ষয়ের পুজুরে নালিস করায় उरामिलांव किकियां उलव হওযায় সেই আঞ্চেজে আসা भी दिक्ने पाला एकुका शठ ३৮ आश्राष्ट (वला जानमाज श 8 श्लाब मद्या नीट्य निश्लिष আসামিয়ান তপসীলেব লিখি उ प्रालापाल नुठे उका करि যা লইয়া গিয়াছে, অভএব প্রা र्थना य निस्तृ लिथिङ जामाप्री সাক্ষী তলব কবিয়া বিচাব ক वित्र आक्षा इयं नित्रम्म। इठि সন ১২ ৭২ সাল তাবিপা ২২ आश्राष

আসামী प्राकृते प्रभः अः देवदुः के ना था मामा जी जनमू दे जा जा तथ्य गिरा द्यानाच पात्र । वाभवपात्र पात्र व्यानाथ्य ने श्राद्यक्तमाथ पान । वनमानीप्रसुर अ मार्त्राम श्रुव की माख्या अमहाम म्लुके ३ के दिल्लाम पान अक्रमण्डल अन्मनुस् व डिक्रन श्रीहा अंग्रीनाम मस्त के के জার বিবাদী সম্প্রামাই স্থানী ই माः निर्म्भाशास्त्र शः वालिया তপদীল জিনিস তপদীল नीउत्तव बँधेर्धे कामान् लनाम रंगे कॅाजान भाग शाभन रहे। नाज्यात् कवमा जे । भागत् नाषी रो কাসার বাটি তটা কোদাল ২খানা র্কাসার মুটী ২টা নাবল ১টা ১০দ্রুমানত তালীব গর হাজীর। প্রুম। সিরেপ্তায় भारक मन २५ ७०। ए जुलाई

न् क

মহামহিম শ্রীয়ুত জেলা ২৪ পী: মাজিট্রেট সাহেব বর্গবরেঞ্চ

प्रभाख भाना आही पूर्व् এলাকা মান্তবা পী: মাজবাট ওঃ মিপেশ্র নাকিনের জ্রীপ্রএদ সেক आयात् मिल्रम्न अहे हा शङ জৈগঠ মাহার এক রোজ বাকি মা केरड जामधी हाँ प्राचा ७ छ। এক সেক আমাব নিকট ইইভে जन आिटतक विलिया तभा किली লইয়া এ প্রয়ন্ত বিভ্রমতে আটিয়া দেয় নাই ভাহাতে আমি দর্ফাএত ाम काकाटा लाक मिमि विलया ৈ ও টালীৰ দাবা না দেওয়ায় অ প্রতে আসামীয়ানের বাটীতে

याउँया अपः जन पिटा इरेट्स्क र लाग्र पुट्टे अक कथात्र वन्ना कविया ভাগামীয়ান রাগান্তিত পূর্বক আ সামা হাদির্ফ সেথের হকুমে নিমের নিথিত আসামীয়ান আমাকে পাথ ं करिया कील, इंड, लागी जारि बादा भाव शिष्टे कविशास्त्र अवर आमाबी हाँ प्राचा आबाद भा ছায় একটা বাঁশেব লাঠীব দাবা মারিয়া দাগ জ্বাম কবিয়াছে। অত এব প্রার্থমা যে আসামী ও সাইন তলব কবিয়া বিচার আজা হ্য় इंडि प्रम २५ ७९ माल जाविश ८ जुलाई

नश्र

মহামহিন্ন শ্রীমুক্ত জেলা ২৪
পর্গনার মাজিস্টেট সাহেব দি
বরাবরেড় দি

म्बशाख

छोत्राकु ४७ मार भिमित् भूत्र भम পুকুর আমার নিবেদ্ন এই যে আমি দাকিন মজকুরের জ্ঞানী ন চক্ৰ মুথ্যোপাষ্য্য দিগবেব নাম नाव श्रीपे श्वशापि वाबुष नक ও আমাৰ উপশ্রী গ্লা বেও য়াকে মার্পীট পূব্বক প্রথমত কয়েদ, পরে ভাহাকে ওম ক্রা वातूमी षिठीय अक मालीम क्वा ग उँ अयं साकम्मा भूनिम उप्र कार्न भाना भिष्ति भुख्त मूभ বেন্টান্ড সাহেবের নিকট ক্মর

भ ३४-१३२ दिन शद् शद्भायाना याउँयाय जिन रातुन्य जमामाल व श्वला क्वाय अठक देनियेलर करिया जमानाव जाश्व किछूमान তদন্ত করেন নাই। অতএব দর্থা ও করিয়া প্রামিত মে হুজুর হইতে এক কেতা তাকিদ পরোয়ানা যায় य नुभवित्रेगे नाट्व स्र्र जाम व जे स्माक्षमा मक्तर्व उपष क রিয়া হজুরে প্রামনা করেন স্ত্রীয়ুত मालिक निद्यम्न इंडि मन ३৮७०-সাল তারিখা ২৩ নবেম্ব

গ্র হাজির হকুম নেরেন্ডায় প্লাকে – সন ১৮-৩৫ দাল তাদ্থি ২ নবেশ্বর

विशास मृत्या मश्मिर्मि साध्कुमा মেহের পুরেব প্রীয়ুপ बोरेकलाभठ<u>क</u> भाष्ट्र भाष्ट धित्रक्षण माजित्क्रि সাহেব ব্রাব্রেণ্ড रामी श्रीकनामठक विश्वाम माकित माठमा भाग उर्हे প্রতিবাদী ইশানচক্র চট্টোপাধ্যয बार् भनाभी भाषा लाकुल भारड त्याः शाह पाडा थाना छड्डे

মোকদ্মা জোবের সহিত সিমু কের চারি ও তহরিল ও কাগজত কাড়িয়া লওয়া ইত্যাদি

विवयने अंदे या भाष्माण भाषा बन्गिकिनी मामग्रद छङ्गाद्द्रव কর্ম কবিয়া ত্যাসিতে থাকায় তদিধ্য নিকাশ লইবাব জা अिवामी जेमानहक हाँडोशा ধ্যায়কে নিয়ুজ করিলে তাহা व प्राकाविलाय निकामी काम ज ७ नगम उर्श्वल द्रक किर তে থাকা সময় গত ১৪ ভাদ তাবিথে বাত্রি 🤊 ছ্য দজের সময ঈশান আসামী তেজাবত काववाद्यव ननम उ भानभित् काशक अ प्रलिला अ नेशप २२०

अ पुट्टे माउ किंद्रेस प्राक्ता मा ড়ে ভিন আনা যাহা মান্ত্ৰত ছি ল তাহা চাহিবায় প্রদিবস মু निदंव जाकाविलाय प्रथम्ब अञ्चल छेल्य जानाबी छ निम् কেব চাবি ও তহবিল ও কাগড়াত काछिया बरेया लालावाहीव जिल्ल কে বামিয়া উজ গোকুল পাড়ে আসামীব হতে চাবি বৃত্মিল। ঐ राज अिवामी दय अकत्याम र र्श आमारक वक्षना कविया जा भार के नगम उर्विल ७ मिलला ও কাগজাত স্থানত্ব কব্ত প্রতা বনা ভাবা মুনিবের বিষয় প্রমা स क्रमे जन> शर्मियम खला > প্রহর্ সময় চুরি যাওয়া প্রকাস কৰিয়াছে, এমতে নালিস কৰিয়া প্রার্থনা আমার নিকট প্রমানাদি লইয়া আসামীগনকে উচিত সা ভি দিয়া নগদ তহবিল ও কাগজত ও দলিলাত দেলাইতে আজা হয় নিবেদন সন ১২৭৩ সাল ২৫ ডাচ

नाक्री

काक्षाली श्राज्या भार विजय नगर मानीम भार भार भार भार माण भार भार मण

মহামহিম জেলা নদীয়ার প্রীমৃঞ্জ মাজিস্টেট সাহেব ব্রাবরেঞ্চ

বাদী
প্রতাপচন্দ্র রায়
প্রতাপচন্দ্র রায়
প্রতাপচন্দ্র রায়
প্রান্ধ কার্ত্র কালিদাস জোম
প্রতিবাদী কালিদাস জোম
প্রতিবাদী ক্ষণাল করিবারী
প্রতীভ্রবনমোহন রায়
ক্ষণাল করিবারী
ক্ষাণ্ডার বিহারী
ক্ষাণ্ডার কালিদাস জোম
ক্ষাণ্ডার কালিদাস জোম
ক্ষাণ্ডার কালিদাস কোম
ক্ষাণ্ডার ক্ষাণ্ডার ক্ষাণ্ডার ক্রাণ্ডার ক্র

হরিশ বেহারা সাং মোণ গোয়াড়ি

বিব্বন এই যে মোং গোয়াড়ী আমা ৰ বসত্তবাটীৰ ও রাজ্যৰ দক্ষিন ও ভিনক্টা বেওয়াব বাটীব পশ্চিম কা नोठाक्य वाणीय भूयं नियाकानीय वाँगीव छेउव नाला अंडे क्राइमीब म ধে ১৮ কাঠা জুমী সমেত সবাস্থা গ্ৰ ব সম ১২ ৬৭ সালেব ১৭ আম্বিন তা বিশে মানিক বেওয়ার নিকট ভাহার জমাই স্বস্থ ৪০ টাকামূলে বেজেই রি ভুক্ত করায় আমি তাসেদ ক विया मातिक जमीमादाद मत्काल আঁমাৰ নামে জাবি কবিয়া বাজ শ্ব আদায় পূব্বক উপশ্বপ্ন গো গ পূর্বক দুখলীকার আঁছি আমি

অএ মোকামে না মাকায় প্রতি वामि भने आभाव अखादक ब्ल अकाम शृववक गड २৮ मार्फ তাবিলে বহুত্ব বাজ মুজুব জ है कविया आजात ने श्रीतिमा जमारे वाँगेव मिक्रनाः ला जा माज अर्भ काला जभी मत्मङ আমার হ্স রোপিত কাঁটাল গাছ ও কলা গাছ সমেত উঞ निक्र कालीच वाषीच मामिल श का आहीर दाना शिविया लंदेछ সর্হ কর্মম অগমি সংবাদ মত তাদ বাসায় প্রছিয়া প্রতিবা मी प्रांक नाना अकात् वलाग् जारावा ना मुनिया ब्लाउवम रहे या विवाप कविंद्ध उप्रेंच इहेगा क्। आत्रात् भक्ष इट्रेंड बाजाव

म इंदेल माखिडल्प्स् मध्यम मधा वना। भारत प्रथा करिया भा ঠিত যে হজুব সারে জমিনে ম यः द्रिके श्रवर्वक आत्राव निकंछ श्रामादि शहत जामाप्रीणनक উচিত সাম্ভি দিতে এবং আমা ব মথ দখলি উক্ত জমীব উপর अिवामी श्रेम अम्भयकुष व्य था हीव गांजियाह जादा डेमेडिया দিয়া আমার দুখল কায়েম বা থিতে উচিত খেসবাত দেলাইত जाका द्यं इंडि भन २৮ ९९ मा ल अविश्व ७३ मार्फ

• मण् >२

आवृकी क्लिकपार्वी दलका यला

বাদী উমেশচন্দ্র সর্নকার পর্যাবাম টোকাদাবঃ माः प्रवावक कांग्रे मुहिनाम् आतातः श्री अञ्चाम श्रुव প্রতিবাদী মহেশ চঞ্জ

भीठल देवताली । प्रमु भवमान नीवन विवाशी भर्वे त्यार ठाठणा मर्कि माः मक्त् भून পি: এমাদ পুর

मार्की বিধুঃরাম নাই জানুর দেশ -वाखाव कुर्ती

চাদ সর্দার

১। গত ·৮ · <u>অ</u>श्चरायने तूथवात् वाखि

আনাজ ৭ ঘনাৰ সময় ৫ টাকা म्रास्टर् १० माह जाना लाना ७ ५ ब्रह्मात् > जित कुला ७ नगम २ पुरे ही हाका जालन भावन अक পাটার মুড়ায় বানিয়া অত্র কসবা মোকাম হইতে বাটী যাইতে সক্লামী ব পুষ্কবিনীব পশ্চিম পালুডির প্র पिया य राखा कालाँगें रामाछ्य वाणीव पंक्रिन शूर्व कान पिया शि याद्ध उभाग अर्थिहाल भीडनाव বাগী প্রতিবাদী আসিয়া আমার গা ত্রে চাদ্র যথায় উত্ত সোনা ক্রপা ও নগদ টাকা বান্দা ছিল ভাহাধ विशा होना होनि करिया उँ अप्र শ দিগকে ডাক দেও্যায় উহারা আসিয়া মহেশ মজকুর আমার গলায় ধৰিয়া এক ধাককা মাৰিয়া

ডাইন পাছায় এক লাঠীব বাড়ী ও বাঁ কানসিবায় এক চড মারি লে আমি জমীনে পড়িলে দিতীয় लाठी आचार माथाय मावित्व वा भर्च दिया लेकारेवाय अ र्ख লাগিয়া জথম হইয়া সোৰ সাৰ কবায় সাজীগন মোজাহেম হওয়ায় डेक माल क छाका काशकार मूछा का छिया लहेया हिलया नियाह । এकार ন পুজুবে পর্ছছিমা দ্বুপান্ত করিয়া প্রার্মিত যেমং বিচারে উচিত সাপ্তি অভে উজ টাকা ও মাল দেও याद्या मिल जाउन इया धर्मा वञाव कर्ञा नित्यम्न। इंछि मन ১২৭২ সাল তাবিশ্ব ১ অপ্রহায়ন

बर् ३७

মহামহিম জেলা নদীয়ার প্রায়ুক্ত
মাজিক্টেট মাহের বরাররেও
বাদী
প্রতিবাদী
প্রতিবাদী
বিশ্বাস
মাণপ্রতাপ পুর
মান কৃষ্ণগঙ্গে
আনন্দে সরকার
মাণ কামারপাড়া
মাক্দমা
মালু গোধ ভাগীদার

আন্ধিকার প্ররেশ পূর্বক সাংগোবিদপূর ধান্ঠভাঙ্গিয়া মানা কৃষ্ণগঞ্জ নীল বুনানি কর। মোণ্ডটী মাস বাহালিয়া

সাক্ষী সাক্ষী মাধব মন্তল > কার্ত্তিক মন্তল > হাজু সোম > সাংমকদিয়া > वियार्क्को देविकोपात् । न्स्नां अधि देविकोपात् । लाभाल नाइक । जाश्मिश खन् शूनं । नवीन मस्यान । भाना क्षश्रास्त

विव्यम अंदे य भीन्नीवाम निवामी चोष्ठ दाव इमावनहन्द्र मत्काव क्षेत्र्वी मिलव तक्त रेडिला कामभागीव भाल वार्यालयात कान माम्बर कुछी अ ज्ञीपादी প্রভৃতি খবিদ কবিফা কুটীব नीलावाम निमिष्ठ वीजिम् माम न उ राष्ट्रावस ना कवियां आ মার আবাদী ধামঃ বুনান ক্রা निश्वव निश्चिष्ठ ७॥ दिश ज्ञी ह भड़ं कला आड़ अडिचामी 'भम २०।२० ज्ञ नावियान मम ভিৰপহাৰে বল প্ৰব্ৰক নীল ৰি

চূন রুনাম করিয়াছে আমার নি কট প্রমান গ্রহনে আমামীয়ানক উচ্চিত সাপ্তি দিকে আজো হয় ইতি সন ১২ ৭৪ সাল ১০ বৈমাথ

विश्वामी ज्ञीत क्रिक्नी आत्मत् मक्षीते शूर्वत माल जाज कामी त मिक्कन इल धन भजलान ज्ञी त शूर्वत भारतन अभिम्म उड़त नकवरम धार्य तुर्गान ज्ञी जा विश्वा

न९ ३ ८

भश्यश्य रक्ता नियान श्रीयुष माजित्यु मा पि. ए. एव वनावत्य ७ है।

河

প্রার্থনা এই যে জাসামীয়ান জর রদন্তী পূর্বক যাভায়ান্তের রাজা বন্দ করিয়াছে হজুবের নোয়ারি ভভাগমন তামবা ইনন্পেকটির র মারা দৃষ্ট পূর্বক রাজা খো লাসা করিয়া দিতে আজা হয় তামার যা তায়াতের ঐ রাজ ভিন্ন তার্ম কোন রাজা নাই নি বেদ্ন ইতি

বাদী ক্ষেত্রনাথবায় সাংক্ষণসর এফে সনকোওয়ালী প্রাতবাদী বামীকামারনী কেদার্ভ ভাতনী

ভাশ্বন্থ হোষ জয়গোসালভাচার্য সাং ভথা মোকদমা জবরদন্তীদারা যাতায়াতের রাস্তার উপর গ্রু করিয়া रम करा आमि छ्रिक्कर्यकार ३ भाकी श्राम श्रिक्छि ३ मिर्विमाम देवाणी ३ मिन्सा श्रेकाछि ३ मिन्डां ३

विवेदन याँ दे वा दीननाभ जिंदि ভাতয়বেব উওর অংশে আমার মাসী চিনম্থীর যাতায়াতের ৪হ ও পবিমানেক যে কাস্তা ছিল মেই বাস্তা অদা সাত আট ৰা ज रहेल जामाजीभन ३० वल्ला থবেব দেওয়াল জবব দন্তীব ল বা পাওন কৰিয়াছে আমি নিমে দ ক্ৰায় শ্নিল না আৰু ওমা विभीषे अ भूमे कवित्व उपप्रवश्य আসামীগম জববদশু লোক কো न भेल चत् जामिल भार्तिना

ধর্মাবভার আমাদিতার যাভায়া তেৰ ঐ বাজা ভিন্ন রাজা নাই তাহা ৰন্দ হইলে এক কালীন मारा পिं जात्रजामामीयान লোকেব নিকটে আমাব মামী क जद कंवित विलया भाग ইয়া থাকে কথন ও খুন জ্থ म कविवाव जाएक नाई मानी मज्ञक्दवं वांधी इहेट वाहित इहेवात जन क्लान मिक वा का नाइ आव २ हज़ मित्क ने সব আসামীয়ানেব ও অন>২এ जाशतव वाषी पृथे इहेला वा क इहेरव प जने प्रभाउ वा वा श्राभिंठ व्य विवामी भान অতি নিকট গুজুবেব সোম্বা ভভাগমন কব্ত প্রমানগ্রন

বাস্তা পরিষ্কার করিয়া দিতে আজা হয় আর প্রকাশ গা কুক যে এই রাস্তার বিষয়ে হজুরে দ্রুপান্ত দেওয়ায় জা লক্ষ লিখিত না হওয়ায় কা ন হকুম হয় নাই উচিত আ দেম করত রাস্তা পরিষ্কার ক বিয়া দিতে আজা হয় মন ১২৭১ সাল ভারিথা ১৮ সৌষ

एक्स रहेल ये ज्ञायुक नः याजियो माद्द्व एक्स सामक ह्य मन २५ ७८ मा ल जाविश्व २२

নং ১৫ মহিমাররেঙ্

অত্র পর্ও্যানা অদ্য ডাক যোগে গত ২৯ মার্চ তারিমে স্বাৰ কোলাই হইয়া আৰ इय नाहे ७ ७३ भार्क जारि থে এখানকাৰ কৰ্মকাৰক ম নাজাব প্রায়ুও বাকমান দার व क्लिकाञा त्माकात्म याउ য়া ইতগদি বিববন আব্জী ব দাবা বিজ্ঞাবিত কলে অধি न एकुत्व नित्निष्ठ इड्गाइ ধর্মাবতার কলের জোগে স বাব মোলাই হইমা পাইবে দাবা বম টপেব মৌজুদ স বাবেব সহিত মিশ্রিত হয় অধিন প্রতিদিবসের মেলাই

मराव श्रमक राभाव जन् वावधाव निर्धिध कवार्छ । সাহেব মৌচুর্ফ তাহা আম ल ना ज्यानिया नाना अकाव যে আপত> করেন তাহাতে পত ২৭ মার্চ তারিখের আ বজীৰ দাবা খুজুৰে নিবেদিত इरेग्राइ अभाव देखा न माद বেৰ প্ৰতি কোন চসম নমাই না হইমা আধনেব যে অপ্ৰ थ अकाम देश अर दिखन। छिष नद्र। अक्र ते अंगी जील মোহৰ হওযায় অখিন গন মৌ ক্রদ সব্যব ও প্রেশক জায়দা দেব প্রতি মোভায়েন আছে ধর্মাবতার অধীন এক শুক্র চাকর আগত কামের পক্ষে

সতর্ক থাকিয়া প্রার্থনা যে অ ধীনের অপরাধ মার্কনা করিছে আজা হইবেক ধর্মাবভার ক গ্রা নিবেদন ইতি সন ১৮-১১ দাল তারিখা ২ মে

ঘকুম হুইল থে দাৰোগার সাবেক বিপটের সহিত পেম হ্য ইাত তাং সন ১৮ ৩৬ সাল তারিশ ৪ মে

থকুম হইল যে প্রীমুক্ত কালেকটর সাহে বের থজুবে পেশ হয় ইতি সন ১৮ ৬৬ সাল তারি-ম ৪ মে

र कि अधिष्य ग्रस्ट प्राष्ट्र आक्त्व प्रमा २०० ना न) एकं कुया वि - PE 6 008 8 म १ नः मशप्रशिष्ठ औयुष (जला निष यात् प्राक्तित्यू माञ्च বর্গরবেঞ্ रामी अध्यक्षप्रभागति । कामानीव मार् जामल लाखा उर्थ प्रतेकार वावरे शर्वाव थाना हामडा

राअभाव देखिला टिअस्व क्षीयक

সাহেৰ তৰৰ্ফ अंडिवामी त्याकाम ऋषी

মেং ছোট সহেৰ তাহার নাম অ 151513 बीइविक्ष कर म् अव खोयाम्बरुख ह्य ক্সী छालाभास धार লাটিয়াল প্রীমদ্ম বিশ্বাস नारियाल त्माः कृषीत्रेश्व भाग मश्रा माको শ্রীমন সাদ বিশ্বাহ্য জ্ঞী আবদুন মন্তন मा॰ जान्तरभाजा

भाग काशक শ্ৰাভাক্ষয় ক্ৰ বংসী সাংভাতভারা MAY EVANGY মেকদমা মোকদ্দমা জবব प्रशे कावा नि स्तव माम्न भ তান ও মাৰ্পীট কৰা ও কযেদ वाभा इंडामि বাৰত

विवदम और या भार ३३ लिथि जानित्य उक्न नाष्टीयान जामा भीयान आभात एकतान कु ही छ इंड कविया संदेशा प्रथम ন ও সাহেব আসামীব নিকট দিলে দেওয়ান ও সাহেব আসা মী মৌছক আমাকে নি**লেব** দাদন লইতে বলায় আমি অ স্থীকার হইলে আমাকে ক্যেদ কবিয়া ব্যশ্মিয়া ও মাৰ্পীট ক विवाद एकुम पश्याम लागियातं আসামীয়ান আমাদিগকে মাব পীট ও শুদামে কযেদ কবিয়া नाः जनमा भग्रा वाशियाछिन পুন্রায় সাহেব ও দেওয়ান আ সামীয়ান আমাকে ডাকাইয়া মাৰপীট দাবা জবৰ দন্তী দাবা नीटलय मामन मुद्दे छाका ७ इ। उठिए। गडाइया छाडिया प्तन जामि नामन इहेगा था নেব ভয়ে টাকা ও হাভটিটা इन्ड करिया ज्यामिया हिलाम अञ्चल छेउ छाका काशक म সলিত হুজুবে দ্ব-মাও করি য়া প্রার্থিত আসামী সার্থ্ধী দারোগা মাং তলব করিয়া-'উজ ভাতগচাবের উচিত সা छि पिछ जाखा रुग् नित् प्त देखि प्रन २२१५ प्रांत छा विश्व ३७ (भाष

न् २१

বায়াচৰন ভাঁতি দাকিন বাসেগড় নি: সাহাউক্রিয়ান থালা বাধার পাড়া অপদামী মুর্থিষ্টির জাতি । মুচিরাম জাতি ক্ষৰ্য়ন ভাতি 3 কাণ্ডিকভাতি দুর্ঘোষ্ক ভাতি 3 রাধাকতভাঁ দুর্গাচরন ভাতি ১ বানী ভাঁতি प्रवंत प्रांकिन वाल प्रवंत प्रांकिन गढ भाना वाशा वं भारत नग्राबाघ भाल ३ भार्माजियाती

वाही

মানা বারার পাড়া দেবনাম ভাঁতি भाः वाला भड़ उ मार्को उर्वीय उन्नालिकिए रात भड भागा বাহাব পাড়া , Q

आभार नानिज्ञर विवदम **अंडे** य जामाभीशम इंडि প্লবের আবন মানে আমার যবে তাত পাতায় ও আমা क भावशीर कवाय आमि एज त नालीम कविता म हे जेंड डेगेरेया नरेया व নেক ভদ্ৰ লোকেৰ বাৰাস্তা মাকে উপাদনা কৰায় আ মি সেই মোকদমায় তদির नाक्राय नम्बर भाविक इह যাছিল পুনবাম আসামীগন वक जारे इंदेश आमात लिए। इरेड डेगेरेया मिवा त जना गंड ७२ केंद्र उप বিথে আমাব বাটীতে ম এক খ্যানা আজগা থব

छिल आमाभीशन जवद म ল্ডে সেই ঘরে প্রবেশ করিয়া গর্ও কাটিয়া ভাত পাতিয়া কাপড় বুনান কবিতে ছে। -আমি মোজাহেম হইয়া পা शर्वे पिल जांदो अश्रेमान कविया जामाक भानि भा लाक मिया भाव श्री किव তে আইনে এবং আসামিগ ন সব্বদা আমার বাটার भव ये यदा काखनाव्यी জমিযত হইয়া তাতে। তা হাবা আমাব প্রানের আ থাত কিমা আমার প্রমত भारात किया लुगे उत्राज कवाय कियोग जाक। ध श्रावज्यव जाशि उंशिंदिशंव

আসত্বায় ঘবের বাহির হইজ পাবিনা। বিচাবপতি আমাৰ গ্ৰে উহাদিশের কোন অধিকার ना भाकाल ও जनत्मल -जाभाव भृत्व अत्यम कविशा ভাঁত পাতিয়াছে।একারন দ ৰূমান্ত কবিয়া প্ৰামিত ঘে মানা বাখাব পাডার দারা भाव भाव कंटड जे जामगृड আসামীণনকে পাকডা ক विया अभाग लहेया माखि দিতে ও আমার ঘর হইতে ठांठ डेमेरेया मित्र जाजा इय देखि जन ३२ १७ माल जारिय ह तिमाथ-

নং১৮ অক্র তারিখ ৯ কেব্যারি

मून्ड शल ७ शंके काउ जा लामक कामी त्रमुमीन मुल्भा পাৰস্য নায়েব সাকন শে नर्शंषी त्याः द्यात्रांडेना अपि याप्राञ्च प् नाकेन प्राञ् जिना। त्माक समा उपकारे कि असाधा आननाथ राय कियुवीम् ११ क्। जांचना भाष स्थिशतन् श्रीक्षेत्र पुदे ध्याम जन २४ ७७ जाल २० एक्क्यावि র্না; ১২ ৭২ সাল তার্থ ২৯ と方 अप्रे आपि प्रव देन त्भक्षेत् मत्मञ यपूनाय मुत्यानाश्राष

कलाक्षेत्रक ७ भधुन्। १ किंडू भा । विव निः क काली वस भ भगत कामुजिना आक्ष भूष ছিয়া ষ্ফীরাম থোষ ও ঘ हीबाम ध्याय मिशव भूकावि लाय वामीत वाणी मुठे रुख्या य आभामक मुखे इहेल का হাতে রয়ুমনি বাদীব বাশা याम् (वर्व वाष्ट्रीव वाहित्व का ছাবি থবেব মধে ক্যেক্টা वालिश ७ श्रीष्य अक्टा वा লিশ ছেডা ও সতর্ঞি জা यगा वत् कायभाय इछान उ হাত বাক্স ভাপা কয়েক हुक्दा काक इंड्रामि ७ जा मबं वामीत शत्त्र मत्जान मधुल्य अकरा मिलत् लिएंश ভাস্প ও হবের মধ্যে নেপ काला भाप्त रेगांड, रेकामि চ্ডান ও উওবের ঘরের পী ডায় পুরাতন হাতবাক্স প্ল वर्व इट्रेंड कलडामा २ छे। उ গবেব মধ্যের দ্বোজার ক भांचे अं नकिंग भिल त्थाला उ ठावि विशेष भिमुक्त्व जाला त्थाला भालि मिसुक गत्वव भाज्यायः भाना कड़ ল কাপড় বিছানা ছড়ানা श्रालक । ७ श्रुदित चटते उड लात्मत डेशल नकेंग लिश ও ধান গবের মধ্যে হইতে डेगाल लालान निहाय इ ভান ও পীডাঘ বান্দা হঁকা नामामाना जानाय निराय

ধান) চ্ডান ও পুরাতন আ ना आछान छना हो। तेग लात् ममुत्भ अियाहा । अ ष्टिन डिन थाना ला हीत नगय कारे २ वाम अ বাটীৰ পশ্চিম উত্তৰ ৰাশ তলায় হাত বাক্স ভাঞা वक भाग हुकदा का छे उ वाक्त्रव दिएम का भड ১ এক টুক্বা ও কতক্ত लि काशंक आख इउंग्राभि आह्न। देखि

নং ১৯ মহামহিম জেলানদীয়ার প্রীযুক্ত মাজিফুট সাহের

ব্ৰাব্ৰেণ্ড

র্ফার্যাদী	- সার্স্কী
क्षेत्रं भूम्म कर्ष	
ভেতিয়া ইকেসন কোত্যালী	প্রীসন্ত গ্রোম প্রীসীতানাম
অাসামী	থোষ- খ্রীসঞ্ব মন্তন
ত্রীজয়হবি গ্রোম	প্রীত্যালয় নেশ
শ্রীষদু নায়েক শ্রীদারিক মোধ গোঁড়া	প্রামানিক সেখ সাং তিতিয়া
শ্রীহ্রিকন্দ্র গোপ শ্রীসামু গ্রোম	ইফেসন কো ত্যালী
শ্রীসীতানাথ যোষ	0.41011
প্রীর্তন যোগ	
मार्डिशाई(केमा कार्डशानी	
	•

'মোক্দ্মা

আসামারা আমার কার্টীক্ত প্রবেশ করিয়া আমাকে মার পিট কর্ম প্রবিক আমার ব্যবসার দোকান ঘর হইক লোহার হাতুরি আদি লুঠ তরাজ করিয়া আনা বাব ত নালিস

নালিসের বিবর্ন এই যে প্রাম মজকরের দেবি পালের কন্সা রাইমান বেওয়া প্রায় গাদমার লামহইতে কোমায় গিয়াছল একলে লামে আমিয়াছে অহাতে আসামীয়ান আমার ভ্রান্ত উষ্ণ রাইমনি বেওয়াকে কোথায় নাইয়া গিয়াছল। আসমি কহিলাম থ এ ভোমাদিগের অনসায় কথা

कं काभाग नहेशांश्रिमाहित আমাৰ জাভা কখন বাটী ভা का इय भारे अधकाव অাসামীরা আমার প্র তি রাগাতো ছিল এক্সনে গ उ २० दिमाभ जावित्य म শান্ পৰ উজ জয়হাৰ আ সামীর প্রুম মতে আসামীয়া ন আমার বাটীর উপর চড়াড় रहेल जामि एकुत्वर पार्टे मिश শোর করাতে আমাকে চাপড কি ल जामि भार शीए करिया আসার ঘর হইতে ১ টাকা भूरतात्र इन्ड्रिति ७ हा । जा ना मुल्लात् नाङ्गामी २ गाइ मूजन देख्यावि विन्ता काणी २8 हो कादाद भूम २१ है। देशका यह

নং ২০

स्थिम ठाकमद्द्र वितंश के निक लिशी

তার্থ ২৫ নেপ্টম্বর ১৮ ৬৪ মোণ্ ১• তাান্নিন ১২৭১ সাল

विवर्ग

বাদী ঐপ্রি মতি মহার্শী

মোকদ্মা खिक्ले आया घित्क जामक्ठ ला देवश्वेव হওগ কবা ৩০২ धाराय निर्भये ज **अवाश**

আসামী ত্রী হবি গোয়া मार कीत भारे त्थिमन जाश नाराम

इंखक २७ नार २० (मर्लो यत अहे विश्वयुव दिनिक मकल एकुरवं भागिन गियाक ता जायना १७५ नः किंगिक मर्भ व कन छिवन अखभभछ এই মোকদ্মাৰ আলে জবৰ বা ইস ও রক্ত যুক্ত কাপড় ডা क्षत्र माद्यवं मारिकिक ह महिंछ माभिल कविया जामा ७ शिवकात्व मद्राद

র্ফেরত আসিবেক বাজ করে এই वानायाटीत की कमाती जापानछर् । क्ला भवा याना अनुअसादनत् कार्यः अक न जगभाना उ जाज याज मीख भाठात्व जाप्म ७ एकुर्व ३ क्वा भरताया ना जाकी शन जिसक काटा কি জনঃ গিয়াছিল ও বৈ कुले आश्रामीव मिर्ड मी र्शि काक ज़ब विवाद कि रहमा इर्गिष्ठिल कि ना इंडिशिम विश्य उपछ जानि शा लिभमाद्या आभाउ र र्शक। ता मल मार्कोगक व कावा अनुमकात अकाभ य रत राभ भारती आश्रम

भारतात दक्षण इंहेस्ट माँए भ ক তাড়াইয়া লইয়া সাধুচৰ न मामित वाष्टीत निकरे भ इंहित बाहित जामामीक वार्टेम रुष्ट्र करिया यारेछ प्राचित्रम मुक्त जाभन वाषी इहेस्ड डाइग्र मनिव मिशास्त्र र छा भाषशख्र वा ही छ भाश्वा मिछ याउन कालीन शुक्रावेनी एक का अफ कार्रिक एशियाहिल। देवक ने अ ओहित काठ मुनिया राजि ५५५ श्रद्ध नगर किविशा जािमया मयन क विशाहिल। भयन कविवाद अध रिकुरे के ठाकव क किश्मिष्ठिल य उुदे तमक

হার্ণম মকল জানিযাছি জ त्क प्राक्ष सर्गाम्या मज प्रशादेव अदेक्श माभाइश छिल डेश नायुष्टवन मार्को হারা প্রকাশ পাওয়া যায় रेशक शर्वाक् उच्या न कक्षा विवाद इउयात অনুধ্ব হয় এতদ্যতীত জা ত সুনিতে যাওয়া আসাব नगर कि उथाय कान क भाउंत रहेशाहिल कि ना जारा काराव बावा धकाम পাওয়া যায় না আর বৈকু के श्रुविभाव वाक भून इय के बाक मिरामन नगर का जन्म अ श्रिकात हिल अ उथव विमि जां स्थि निर्दिष

उ इरेल। जार गठ कना था क जारल अनुकं नाइम ७-जानामीव भावत त्र भाभा हाम्त् ब्रायुक काक्त्र माद्य द्धर भरोक्षांत्य काला इहेछ প্রসন সিং কনষ্টেবল মাণ্ भएँ छित्न भूमि त्याकम्या म् अकं जावर जाम भाग भनक अक्वाख्व क्रा उ जालकर्य राहेम उ र क भाभा छाम्य ८८८ नः विकासिक कमक्षेत्रल भार्म का ৮ घंचाव ममय वाना शर्पे व की ज़र्मात्रेड ख वन कवा इहेयाइ जम् मिवा > शकाव ममय तम তাএন ৬০১ নংমহেত তেও

शांवे कन ध्येवन रक्ता ए भनीत अधीन स्थित्रन हंसी जलाव असाभा भग्रम्भव পুর আঞ্তা প্রায় হইতে হ ভগ হত বৈকুণ্ট লোম্বামীর জ্রতা অধ্ব চন্দ্র গোসগামী ও তৎ সঞ্জে সনাত্রন হটো পাধগয়কে হাজিব আনিয়া তথাকার সব ইন পেকটারের > কেতা পত্ৰ সম্বালভ হেড कन धिवलन किकां य पा খিল কবিলেক জাহাতে প্ৰ काम य उभ्दर भामसा वा भधन। उक्तर्शते। श्राप्ता नम्लाल। धनमग्रभा भनिता হন। গোস্বামী প্রভৃতি ভারণ च्छ ३ श्रक्तांशम इजार्ड्या

বৈকুষ্ঠ গোশ্বামীর সিদী দ্যাময়ি ঠাকুরান্ত্র महिन नग कुन विकाद ब्रीश्वे लागानात यमिक भाका ७ गठ २२ यादन ईरुछ प्र वास याउया उत्स्रत्य वाषी द्रेट वारि ৰ হইয়া আমা ও বৈকুন্ত ঐ প্রসঞ্জি। व विशेष जानिस्ट भावास्त्र ने निर वि তাহাকে হতগ ক্ৰাৰ ৰ यान कवियाद्ध उगादाम है জ অধ্ব চক্র গোসামী ও উজ প্রতি বাসী সনাতন চট্টোপাধ্য ख्व जवान वकी क्षावा अव भंड इरेमाम य डेराव भि দী দ্যাম্মী ব্ৰাক্ষনীৰ সহিত जामाभी आइति हाक त्व थ मिक भाका यथाय। ठाइ। छ এ१ ठाकत् मध्य अका निशा सवा अवाल भारत आव ७

দুর্নাম হই বেক ত্তুনা বৈকু প্রকৈ শিষ্ঠ কারে যাহা প্রাপ্ত ररेदक ठारांव जदर्भकं मि वार कथा इरेगा भठ धारन मात्म मकला अक्ट वाछी इ रेख आरेल अरे ज्या मिया जे अमिछित विश्व म भिया उद्यापिशक वाकः वा वा नामन कवाल जिला ल जाति लालवाम इरेकि वित्वहनाथ प्यामशी अ आह वि उंज्य मद्या क्रिया श्री श्रीव रवकुश्वाक इच्छा कृति शास्त्र अके मत्मर करत অধ্বচক্ত তদিষ্ট্ৰেব্ দাবী উভয়ের প্রতি রাপ্মে অত এव অनुमत्कालव कार्य ममा

इङ्ग्य उंख व्यक्त मिन तु क कवानवनी मिवाव क नः वानावार्धेन क्लेजमानी जामालस्ट ध्यवन कविषा ज ज दिनिक ७ मत्व कमीव नक्षा ७ किमन हसीउसाव পুলিস আমলাৰ তদাৰকেৰ कशक एकुर्व छव्न कविला भ इंडि स्केंजन काकम्य र्रेट भाम भाउव आप्र मकीन ३ व्यास द्ध कायाणित वाना वा हे इडेटड ६ ध्याम वश्व थान

4652

মহামতিম জেলা নদীয়ার দ্রীযুক্ত মাজিট্রেট সাত্র বরাবরেঙ্গ

বাদী আহুদীমোচ্লমানী নাম্পানিন বাজায় থানা কোওয়ানী

প্রতিবাদী চুমীর্সেথ দগুরী ব্রক্ষমোহ্ন মানী সাণজামীনকাণ্ডার

मार्की

বোমজান শাত আলীবকস নে্থ জুলুম সেথাত মনি বেওয়াত সমূহত বেওয়াত পীতম সাহাত্র সাং আমীনবাগার

মোকদ্মা

ताजिकाल जमिकात वाही तं ग्राथा श्रादिकार भाव श्री वे कना

विववन अंदे वा भंड कलंड वानि जामाज ৮ श्रेग्व সময়ে প্রতিবাদীগন আমা ব বাঢ়ীব মধেগ অন্ধিকাব প্রবোশয়া লাতী ও কীল ও খড়মের দাবা মাব পীট-कवियाद्य विवादम्य कावन আসামীর ভ্রাত্বপ্রত্রক আ मामी भानी प्रश्राय पार्ट ক্মা কেন উহাব ভ্রাতাকে वित्याम्याङ्ग वित्या जा भारक भार शिवे करव जा माभी मार्की मधानंद काता

उत्तर क्रिया विष्णात श्रू के क आमामी दशक उष्टिंद माखि पिछ आक्रा इस है छि मन ১२ 98 माल उपित भ २১ दिमाश

म १२२

श्रद्धा व्याप्त क्षेत्र क्षेत

বাদী প্রাক্ত সান চক্র চড়ো পাধ্যায় কার প্রদাজ জানবে শ্রীম छ बन्ति नी मात्रश मार भाष्ट माड़

श्राष्ट्रेसि ब्रात्क लाम हक्त বিখাষ সাকিন भार दाड

वाक भूषा ठाक्द इंड्या ৰিশ্বাধ কাতক্তা তাক্ষয় গোষ श्चर्यक नगम उइविस ७ म । भवर्व भाकिम निन ३७१५

लहेया त्रंबाब 5/321

नाको গোষন পাঁড বানেশ্ব ঘোষ কৃষ্ণ মোষ-মানক থেশ अंगह माफ

विववन अहे य अछिवानि मज्जम् आभाव भुनिव मश भगाव शाम्पाद्य लाला वाणीव नगम । धानभाम् इ वि. अक जनभाव कान्यात

प्रम ১२ अ**४ मास इंद्रे**ड आ प्राक्तिति भक्त नियुक्त इर्दे या कर्त्र कविया आमित्व शा কায় তাহার কার্যের প্রতি অবিশ্বাষ হেতু কার্বারি ममस कागक हे भारक भ त्व मिष्या नगम् ७ शाला ৰ মত ইতগদী দলিলাত। लोजुम उठ्यदिला मिकाम बुक किविशा मिल्ड वसाय निकामी न मकल कामफ शालाबाहीत्ड जाशन ज र्भाष कांभेषा अञ्च कवि বেচিল তাহাতে অধিক টা कार पायक रहेत्वक जानि ষা গত ১৪ ভাত্ৰ তথৰিমে त्राव श्रक इंडशिं मिलमा

ত ও মোজুদ তহ্বিল সমও मह र्क दावं इंड्याइ अमल প্রার্থনা যে আসামীকে তল্লব करिया आपात शाम अभा मापि अइन कविया जामामीत उंच्छि प्र पिया आभाव मुनिद्यव नगम उठ्विल उ मिलना काशक एसाईछ আজা হয় নিবেদন ইতি मन २२ १० माल जाविश २७ स्थ

न १३७

মহামহিম প্রায়ুক্ত জেলা নদিয়ার মাজি কুট মা হেব ব্যাবরেণ্ড

र्क विश्वामीय नाम গ্রীমহেশ্বরী मामा जानत প্রীকাদ্দিনী प्रवा मार বেড় হবিমা भ शब्ह । भाना কোত্যালী আসামীবনাম প্রাকরিনা কা ন্ত বসু প্রাম্ विक भाषिज প্রামন্ত তাতি नी आभरा তাতিনী সর্ব মোকাঘ বেড

शिंख नाभ ग क जाना रका ত্যানী সাক্ষীৰ নাম প্রীবাম কুমার মিত্ৰ কোট इन क्लिक छात्, बाइवि काइ न वटन्त्र श्राध्त य आलाभी নোহন থেষ গ্রাচপ্তার্থম ব व्मा भाषाय ত্ৰাকালীচৰন मजुममात औ বাজক্ঞ মিত্র

अल्डिशम वि चिटिवक्छे ना त्रिः श्री इत् में उशांषि दर्ड

यात्र क्रीवात्र भ वार्य क्रीवा हाँ प्र वक्षी भ वाग्री आ श्रीवाद्यश्रव नित् वागरी त्याश की कान प्रवंद त्याः ला नि मामा आ इति नाभ गञ्ज ইশ্বর দাস | থানা কোত্যালী

১ नम्रद्व अन्डिवामी जाभाग व मनिव द्वं इविभाश्रा स्त्र कामियो प्रवास म হিত প্রসক্তি কবিবাব চে छोय भागाविध नानाक्रा श्रु यक कवित्व भारक। পত ৯ চৈত্র বাত্র আন্তাজ मुद्दे अश्रुव्य मभ्य अन।

क्षा अंडि वामीवा अन्ध जिसमीत वाजाय हतिया न वः उरभव भभराष्ट्रे वस क ता ७ ७ घ अपर्जेत भनिव भी हका क वला हका व करात उत्योभी थाका श्रकाम क वा उ९९८व २४ हिंड वाज जानाज ৮ शनाव मभय है **उ** के का जानासाय का मि या नाना कं हु कारें वा भानि भासाज ७ क्रुंग माविव व लिया भावित्वे उपाव इव যায় অথবা প্রতিবাদীগর ৰ ঐ ৰূপ অওগচাবে জীত ररेया प्रभाख कविया आ र्भिट या अक्रायं उपख इ इया अमानामी अइल विष व शृववक जामाभी भन क डे চিত সাত্তি দিওে আক্রম হ য আৰ প্ৰকাস মাকে য भड २० किंड उपवित्य म ৰূপান্ত দাখিল কবিতে আ সায় আদার দ্রুপাও সু नानि इड्रेया याउदात् के मिवन माभिल इय गाँदे। भ व कराक मिवन काछ।वी ৰন্দ থাকায় দ্ৰথাশু দাখি ल कविल्ड भावि नाई छ দঃ কাছণৰী হওযায় দ্ৰুখা ए माथिल कविलाम रकुर भारतक निर्दमन द्राज प्रन ১২ ৭৪ সাল তাবিম ও বৈ अर्थ

প্রাথনা জাতার কোটাদি মা কায় আমাৰ এক মানি গ্ৰ ও এক ভন্ন দোললা মাকা য় উভয়েব নামিয় টেকস আমাৰ নামে ধার্য্য থাকায আমি ও জ্রাতা তাহা তাগা ষ কবিয়া আমিভেচি ভ্রচা व के कारोपि विकास किर् या काञ्जिया बदेया गिया इ जाहाट के ममुभाय টেক্স আমাৰ আদায় कवि एवं इंदेख अक कालि न भावा शहे अकार्न

भार्त्रना या जि ममछ र एक र्रेगा आभात नाम या भार्या कित्या आमा य रखन शक्क अनुम छ अमान र्य।

মহামহিম জেলা নদীয়া র প্রায়ুক্ত মাজিফুেট সা হেব ব্রাবরেঞ্

দ্রপাস্থ প্রীতানর সে

ম দ্র্জী সাং কৃষ্ণ নগর
নিবেদ্ন এই যে আমার
জ্বান্তা পানর সেখের এক
টী কোটা ও প্রাচির আ
দি ছিল ও আমার নিজ
র এক পানি গর একথা

नि उप्र मामना भाकाल উভযেৰ জায়দাদেৰ টেকুস আমাৰ নামে থাকায় আ মি জাতা পানের দেখ তা राहे जामाय कवि छिना म अत्व छिजीमाव देप्ति ভाजाव नाम जिनी जाति कविशा ने काछापी विश य छाला निरक अविन कवि যা কোটাদী ভগ্ন কবিয়া लह्यां शियाक अवः काजा उ उथाय नाहै। इहास्व সমুদ্য টেক্স আমায় আ मार्य कविंछ हाई का आप्रि এककालिन भारा यारे अका বন দ্বপাশু কবিয়া প্রার্থ ত যে ৰিভিমত তদ্ভ হইয়া आभार नामा हो क्रम आ पार्य अनुमाछ अपाम इ य। धर्मात्ठात आमि त श्रायं भित्र नित्रमम है छ मन २२ १७ मास डाति भ २७ जान

म १२० त्यालामा अहे व्य शूज नारकतं (अशामा भा शन इहेशा उन्न भाजा आमाव छो क नार्शेव आ থাতে প্রান নইকর্ণয় হ कुत रहेरा ज्याकात विश दं भागल भाका अगुरु পুত্র মজস্র জামীনাং ঝা लांग इहेवाव जारमण इ

इत्स एकुत् २३ ६० जाभा ব জামীন ও মাতবৰ্বী उपावकार्ड उपलाद्वर रेक क्षियं ठलव इख्यायं जा হাতে ডাক্তর, পুত্র মজঙ্গ ব্কখন ভাল ও কখন यम भाकाव कि कियं हि ल भित्उभय भाकाव प् कुम इरेशा हि। विहाद श তি এক্সনে পুত্র মজস্র-उउम आवाम भारेगाछ। অতএৰ দৰ্পাও কৰিয়া প্রার্থিত যে এক্ষনে ডাস্ত বেব কৈঞিয়ত তলব ও পুত্রকে দৃষ্টি পূর্বক আ भाव काभी गाउ भक्षत श्र वर्षक भूज क जा भारे कमा य भानाभ मिट जाका श्य देखें भश्मि दिला हैं भश्मिश्य दिला हैं श्र श्र श्र श्र श्र भा दिल हैं भा दिल हैं पे भा दिल हैं स्वाद देखें

কাব্রায় থানাব দারোপা থেপ্তার প্রবর্ক চালান আমিয়া मानर्भ इख्याय छोयू দায়ের সাহেব বাহাদু त्व विषात् उ बोयुक ल जामालज माह्दव् र्कत्वाया जनुमाद জনর পাগল মাকা অব্ তাজ্ঞানে অপপন ন ক্রায় প্রমান ও প্রকা ल उँ जशशास इरेट मुखि भादेश जाराम भागला भारतम् भा কনের আদেশ হয় এবং मज्ञ्रद् क जामीनास्ट उशामवात कर्ने छे भन

जापालरंड िनी विश्विकाय তথাহইতে পুত্রকে জামা नात्व छाडियांनियात छा प्तम इउगाग श्कुत इ इस्ट माद्यामा कार्य का মীনি ও মাতব্ববি ত দাৰ্কেৰ গ্ৰুম হওয়ায় भागाव मुहाँव पत्त कभी নে পইছিয়া আমাৰ জা মান ও মাতব্ববী তদাব কাতে বিপোট ক্ৰাম পা भना भाराप्त उपकज्त कि चिंच उत्तर इया अ হাতে পুত্র মজন্ব কখন जास ७ के भन मन भाका ব কৈফিয়ত আসিলে জা त कार्य एकुम ना इहेश

भारतस्थाय वाषात्व वकुम श्र्याष्ट्रिल । उरश्रद आ মি এক কেতা দ্ৰগান্ত ক বায় ভাতাত্তেও কোন হকু ম হয় নাই। বিচারপতি পুত্র মজকুর অভি উওম जाराम इंद्रेगास्ट नद॰ अ श्र २ वर्षी नारासक श्रुव সাহে। আমি এই রুদ্ধ স मर्य जाशामिशक य मुन्थ নেত্নতের দাবা প্রতি পা লন কবি এমন ক্ষমতা না ই। অতএব দ্ৰপ্তান্ত ক विया आर्थेंड ता अकत डे अ द्वर रिकियां उलद अ থ্জুর ষয়ং পুত্র মজকরক पृथि क्रिया आसाम पिया নপরিবার তদারা প্রতিপা লন করিতে তাজে হয়। ইতি নন ১২ ৬৩ সাল তা রিখা ২৫ কালন্তন গুরুম হইল যে

ভাজেশ্র সহের ও মহার্কে জ কৈর্ফিয়াত দেয় ইতি স ন ১৮ ৫৭ সাল তারিপ্স ২৫ জেব্রুয়ারি মোণ ১২৩৩ সাল ১৫ কাণ্ডন

भर्वावकारत्ष

হতুরের হকুম প্রমান অন্ দ্র-প্রাশু লিখিত মোকদ্মার নিথি তদ্পে জানাগেল যে সে সম তাদালতের চিটা অনু

मार्व जन २००० मास्त्र ३० दिस्यावि जावित्य जामाभीत অভীয় জায়দাদ তদাবক पार्वाभा नावा जामल जा নিয়া চিঠীৰ জৰাৰ লিখিত হইলে ভাএন আপন পুত नाकीं अधामात भासामीत श्वार्थनाम् एकुत् मन २४-८४ मालव ३० अक्टोवन अर् ल्भ प्रभाख क्राय जीर নেব নিকট কৈটিয়ত তল ব ধ্রুম হয়। তদ্নত্র অধিনের কৈষিয়ত দুক্ত প্রীয়ুক্ত ডাক্তর সাহেরকে চি ঠা নিপ্সিত হয়। পরে ডাও্র मारइव डेंक विशेष कवारव नाजीत (अशामा भार्ष) २ छो

ताम '३ मर्थऽ२ भागल ७ ३ या প্রকাস পাওয়ায় অন্য কো न एकूम ना इहेगा मात्र য় রাখনের ধ্রুম হহ্যাছে আরু মোকদামা সংশ্রম্ভ इंश्वाकी विशे मकल क्वा नी भानायं जारह जात् हा वन वर प्रथा करिल অধীন ও ডাজব সাহেরে ৰ কৈ ফিয়াত তলৰ হইয়া ছে। অতএব অএ কৈৰ্ঘিয়ত নমালত নমীৰ কাগজাত হ जुत् (अभ कवित्नि नित्तम न इंडि मन ३৮०१ माल ज्यति भ 8 भारा

> প্রাদুর্গাচরন দও প্রোহার্ফেজ

एकुम ठ्रेस व

धोयुङ ७।ङक् मार्ट्स्ट्र के किंग्ड जाई का उन्त मा भील (अम इय हेकि मन भ ८१ माल 8 मार्च

নং ২ ৩

নন ১৮ ৬৪ সাল ১৪ নবন্ধর মন ১২ ৭১ সাল ৩০ কার্ডিকা সোমবার

মহকুমা সাত খারার ফৌ জদারা আদালতের রোর কারী খায়ুত বারু কালী চরন থোধ রায় বাহাদুর

ट्यूपी बाजित्यू ए जैशक्ति

প্রকাশ হওক যে অক্রাধান देखिन्न कालीश ८४३ द्या ञालक शामिश्वरत्व विभू काउदानीव भाने त्याकप्रम যাতাতে আসামা কার্ণন কাওয়া ও দেয়াব পাও-अश्व भाषीत भूनी वा कलमा यादाङ कानाई मर्मात् जामाभी खाक ने लाकप्रभा श्रवविक्ट औरु क जिश्लुकी जाकित्यक मा द्वा कर्ट्टक त्ममन विष्ठाद्व चारभंड डे उथा इइंडि म क ५ मध्यस्य विभावन निन अंवधाविक इवयाग्

মেমন আদালতের কথের অপঞ্জাম জনঃ মাধ্বচন্দ্ৰ ঘোষ আমলাকে মোডাএ न क्रा इय। आभसाव रु ७ ३० मतम्बर जाबिला প্রেবিত প্রতী দুষ্টে জানাগেৰ वा ने क्याक प्रभा प्रवाद न भी उ उर मर्भरक कारन তাৰ এ পয়ত সেমন আ पालंख अई ए मारे। प्रव छा उपछ नाजित्व विश मुखि अकाम य गोकीव ग ত ১৯ অক্টবৰ ভাৰিখে ने निय ७ काल्ससन् आस পোলিস ডাকে সেম্ন আ लस्ड ध्यान निमित्र डाक পুনসা তানুপস্তি থাকা

एड पुष्ट नशी अक श्रुक्तिकाग है एक मन भी दात दिख कनकावन इत्रिक्ट काश्व मिगा ठाइ। व प्र विमिम् श्रा थ इइंग्राट्ड जिज्ञामाय द उ कम्छावल ये श्रुलिका প্রাপ্তে ডাক মুনসী के मिया हिल ज यथा नियम এख ला मियाछ अकाम कविस व्यद्यु जात्क्व लानवा ছে এ विश्वात उपछ उज नुप्रकान रुउया जावमाक অতএব থ কুম

তাত বোৰকাৰীৰ নকল জ

ला २६ পর্গনার মহিমাব্র श्रीयुष भाजित्छे । भार्ट्यत् श्कुर्व পाठान याय। भागम যে ই নথা সাত্মীবার ডাক মুনসী প্রাপ্তানন্তর কি অব হায় কোথায় পাঠাইয়াছে ७ शविद्यास नामी वर किइ इस उदिश्यात् उपछ अन भीत जानुमकान इउन भ एक विद्धि अनुका अम त राधिं कर्तन । आत्-मुलाह्यार्थ मिडीय नकल द्रला २८ भव्भन्य भाग भाग छायुङ जामन জङ मा मार्ट्स्त्रं एड्रास्त् भागेन इर् के नि । एक म मः अगख का शक मा भिन इस देखि अन् ५८। २२ नत्यस्

न् २१

गम ३৮ ७८ भास २० मतंत्रत गम ३२ १२ भास २ ठाश्रहायुन

মহকুমা সাত শীরার কৌ
জদারী আদালতের রোব
কারা থ্রীয়ুক্ত বারু কালীচ
রন ঘোষ রায়বাহাদুর ডে
প্রুটী মাজিফেট
উপস্থিত

ठाजामालाखन प्रोता आश पि २ ही नशी गाइगन प्रो नात विघादन मिन २ नल खन जनभाविङ हिल के न श्री २२ नत्यचन्डक ना ली हाग ग्यामशन मस्टान नशी

भावेपनारम्या ८जना २४ शत् গনাৰ মহিমাবৰ প্রামুক্ত মা জিঞ্চেট সাহেবের অতীত ১১ নবেম্ব তাবিশে নকল द्यावकादी अमः उन्त्रिं इ वेस। जञ्चकाम मा भारक य अञ्चामालखर मानामे-विकु काउवाभी ७ भम म इन भानीव भुनि भाकज्य याश्व क्रीवात विघाद्वत मिन ৮ नत्यम्य अवशाविष्ठ छिल ये आक्षमा प्रयावन वी जािम ज्ञा अ विश्व দৌৰাৰ কাৰ্ছাৰ আঞ্জাম দে उनार्य जामनीय जामनात পত্ৰ তাৰুসাৰে জ্বাত হইয়া उपछ माजभोत्रत दर्फक्र

धिवल इतिकास आध के नयी जारित कुछ श्रुलिका रित्रम पिषा शहन कवा अ द्रिड कनम्छात्रलव अमुभा ৎ নেওতাহা ডাক মূনসীক द्म-अया अरूपम भाउयाय श्वासिष कांक्यून भी भरतत् श वा ने विश्वात उपछ ३३ न आर्थनाय भठकता दर्भी य श्रीयुष भाषि स्पेट ज्या প্রীয়ুত্ত মেসন জজ সাহে दिव चूजूदि द्रावकादी-(अत्मे इर्गाइ। अम् ने বিষয় তদ্ভ ও প্রাঞ্চানন্ত্র त्कान मिम्मेन क्षान्छ इंदेश ए कि ना कि मर ध्यत्न निमिष्ठ विमिष्ठ एएट्ट का द्

उ कमकी वस अ इस के मा उशीदा नामाण २८ भव्यमा भार्य अद उनक मूनमी अद्याद नात्म भद्रायाना श्रहाद क द्रा अस त्य रुट्ट न दिन्य मूलाइंक कदा आवश्रक

হক্ষ

মুগাচরণর্ম তাত রোবকারি র নকল মহিমাবর দ্রী যুক্ত মাজিনেট্ট সাহেরে র হাজুরে পাঠান জায়-ইতি

जिथकाम नाभाक्क धा

গোলয়োগ হইয়া কথার অধিক বিশ্ব হইতেতে ইহার কারন কি তাহার অনুস্থান হওয়া আব শাক। এমতে

श्कुभ

म हिंदी में महिंदी के प्रमान के मिल्न मिल्न के मिल्न मिल

इंडि प्रम २४ ७४ प्राप्त जाति भ २२ न ८वसर
16 5 P
মহিমার্বঙ্
भाग कालीशात्वे पान भा धाशानिकं भान आन्ड नित्नप्त এই य
ফরিয়াদী আসামী
দেশু মহামদ ঠবিয়াদী ব সোমাদা জ্যেষ্ট প্ত নাজি
भाकिनभित्रभूत व (अश्राप्ता अप किन मिर्राष्ट्र

মোকদমা আসামী মজ
সর পাগলহালে আপম

মাতা রজন্ন বিবিকে লা

ঠী আবাতে খুন কর্ন

अधीन इति एव शूर्व् श মৰ্তন ৰায়েৰ বাটীৰ ডাকা इंछि त्याकप्रायः प्राप्त प्र जुवातित् अनुमकान कात्न স্থানান্তর থাকায় উজ মো कम्मा २० जून जाविल्भ भागात भाइत्त्र निक्ट उ পশ্তিত হওয়ায় মোহবের भक्त्व शालकात् लाम ४ অপসামীকে মায় আৰে জ रव लाठी एजुद्र भाषाइ-या उपादक जामता जाना

ध अवियापीत अजाशत ४ আসামীৰ একবাৰ ও আসা মীৰ জী আৰুমান বিবি ও প্রত্রত জত্রনদী ছোকরা ও प्राक्री उपीत (भ्यामा ७ म न्नी जान ७ त्रुक्त ही विवि ७ কাতিক পেয়াদা ও ভোমৰ लियामा ७ प्रिंग लियामा ७ वाभकानाई जाकाद्व अध মোছার ও প্রজা স্ওর্প यामा उनाहित (भ्यामा अ जाविषं लाशामा मि गं त्वन নিখিয়া দেওয়া তদাবক नामा मुख्य श्रकाम इरेस যে আসামী মজকর আন্দা জ ৩।৪ মাস হইতে বাতি ক প্রক্তে পাগল হও যায় আ

माभी भीजा कवियानी भ जक्त डेक नाम कानाई-ডাজগরের মাবা আসামী त् शाए विलक्षाता वमार् मा या कराइयानाना वि वि हिकिश्मा क्राडि अभी फ़ा जात्रमं इय गई। उ क भारत्व माश जामाभी व बाल पुष्ठ जायभाष अ কাস আছে ও আসামী ঐ ব্যতিকপ্রস্ত হালে ক্থ न २ वाषी इंदेख इपनाछ व याइँड डाइगड अकता ব টালীগঞ্জে মাৰ খাই য়া অবৃধি আৰু কোথা य ना याद्या घत् था কিত ও উহাব জী বাটী

इरेट कानाख्य याद्या जाममेन इइ त्न जाइ। त्क नात्पिया वागठ इहै। वर्ष भान भारतत् २० जून ৮ অभाष जावित्य वी ला जामाज ११४ शमीत সময আসামীৰ প্ৰতিগ वाधीव उर्काउ भारि ला ক বাহ্নিতে ও আসামীর की आवमानी विवि वा ही इरेड किছ उर्काड शुक्कितिनित्व जन जानि छ याउयाय जामाभी भज्ञत उपराक ना प খিয়া অপপন মাতা একা की वाही छ भाका य डे श्रु जी त्का थांग शिशा

ছে বলিয়া জিজ্ঞাসা কৰা य कारतका स्म जात जा মিৰেক না ও তাহাকে জ अहेश निशाहि रकारव आ माभी भज्ञत रागठ इड য়া আপন ঘৰেৰ বাঁশে व १५कां लाठी लहुया श নেফাকে উহাব বাটীব গো যাল ঘবের সমুখে তিন अवि वा लागे मोवाय अक शा पक्षीन कर्तन उभव যে তাহার কালমিরা দাগ ये कत्नेव डेभव माभा भ র্য্যন্ত প্রকাস আছে ও দো मता था ने भार्ख मन्ड क्त् डेभर लाभाग नश जिन जंभूली ७ व्यक्त ७

भर्वा अक अक बुक्स क भम इरेशा मछ दक्त ली अधिया या अयाग ल ই স্থানে পডিয়া তৎক্ষনাৎ मृथु इख्याय आमामी भ जञ्र जाता जयर नाठी इस्क त्मरे कात किर्वित থাকাম আসামীৰ জী বা ही जात्रिया उपद्य प्रि या जात लास कताय প্রতিবাসিনী মল্লিজান ও मूम्बी विवि ७ उभिव ल यांमा ७ काजिव (भयामा ও ভোমব পেয়াদা ৰুটি डि उथायं शर्षेहित लाम उथाय अिया भाकिता ও আসামীকে আলে জ

वव बाठी शस्त्र किवित्वं থাকায় ও আসামী উজ-উমির পেয়াদাকে নাঠা মা বিতে উদ্যত হওয়ায় কা जित (अयामा माइमी इह য়া পিছন তবর্ফ দিয়া আ সামীকে ধ্বাতে ভোমব ও उभीव उक जामाभीव इ द्भव नारि काछिया नर्गा उद्देशका जिन जता जामा ब्रीत्क प्रापिया शीह त्या जा कविया जानामीव वत र पाउराव भूगीत काक्रिय ৰাখনাত্তে জাসামীৰ পিতা এবং মতি পেয়াদা প্রভৃতি ज्ञातक जािमया ज्ञालकात् লাস ও আসামীকে বন্ধন

अवश्य दिश्याहिल। ७-আসামী মজসুর আপন এ कवात्व डेङ जात्म जवव लाठीव वाडी झांवेश जाल न भाजा शासकारक भारि गा भुनकता श्रीकात जाह यर्ड्ड उपादत्कत क्षाता ३ অসমামীৰ একবাৰে আসা মী মজধ্ব বাতিক এন্ত পাসল হানে উক্ত আনে जवब नाठी यादात्व त्रा र छिट्ट इस्टे इड्रेयाक जा থাত ক্রিয়া আপন মাজ रक अन क्वा अछ अभा म । ठाँउ वर जामाभी भा য় আলেজবৰ লাঠী অংশ हासान इकाय कवियामि अ

नाक्रीनिक जानाम अन्यापा তদ্ভী ও কাগজাত সম্মানত एकुर्व भागे हेगा भव्मा नंगी হেতুতে আসামীৰ ৰনিজ जात्मानि ७ প্রতিবাসিনী म विकाम ७ मुम्दी दिवि एक ई वियामी शक्ति ना कराय डाङ्गामिशक आक्षेत्रहेड ना পाविया जुलाएकार्य नित्व मिलाम एकुंव कर्छ नित्व पन देखि जन ३৮ ९२ पाल जावियां ३२ ज़ुलाई মোতাবক সন ১২ ৫৯ মল তাবিশ্ব ১৩ আন্ধা ब्रोक्शनिष्ठं भा नार्या পানা কালী ঘাট

श्रमात्व माक्री

नर् २ २

সন ১৮৫৮ সাল তারিখ ৩ জুন মোং সন ১২৩৫ সাল তারিখ ২২ জেপ্ট

প্রীমোহিনী আদালতে উপ मिठ रहेगा छो उर्देशकी মোহবেৰ হাৰা সন ১৮৪০ मादलक ए जाकरंग्र विश নমতে গম্ভীব কপে সভঃ कर्न अञ्चल भूत्रक क হিল যে আমাৰ নাম মো हिनी जिन्दा वायानाय य शी वयम जामाद २२। २७ বংসব সাং বেলতলা পে भा पुःभ भाइन्ड

अउयाल

র্যুবর দাস বৈরাগীর না লিসী চুরি মোকদমার কি জান ইতি

জবাব

भारता कार्या का

रे अरु द्वं नग्य कविया पूर्व अव्याप प्रकृति प्रम्म ज वल कालाग् वन करा अ करें। जिनुक होते कविशा অগান্যা দাবাম যে ভাত भाष्ट्र आहर, अश्रत् छि व वाशिया डेशव प्राधी हाला मिया वाश्वियाहिला অগমি তাহা দেখিয়া পাজ বু লোককে বলিয়া দিব ব नाय जाई जाय वादा के मि সুক তথাহইতে ত্ৰলিয়া বা हीत नमाला य दीन जझ ल जाक् जाश्रव छिउत् क लिया जात्रियाछिल। जे त्रि मुक य पुरेषा जाला रम हिल जार्ग भूलित्व भारत्

নাই ভাহাতেই ভাহার ছ उव विकि जिनिमश्य हिन अ रु जामि प्रिमाइ। के जिम्मक मि अयाय वाष्टीता আব কোন মাল আনে नाइ। भविष्वेष आउ-আমাৰ স্বামী ৰেলা ১ টাব সময কর্মে গেলে-মানাৰ লোক আমাৰ বা টাতে আগিয়া আমাকে-जिल्लामा क्वाय जामि अ है मकल कथा बलाउ-भागात लाक के मिनक भिरुक्त वम भाका जेव म्भ्य ये जम्रात् छिउद হইতে বাহির করিয়া আ মাকে খানায় ধবিয়া ল

र्या नियाहिल। उादात् भ ৰ আমি আৰ বাটা যা देख भावि नादे, तादे क था मुनिया जामात् मामी का भाग भाना है या भिया ছে। जामि अंडे जानि व সিন্দুক হজুকে চালান আ भियोछ । शेख भोजाम भि मूक प्रिया उम्हें मामी अ मिमूक हूरि कविश्राजा ना रालिया (अनाक करि ल। देखि त्माइनी

अमः कविश्वामी वृश्वव्रमा म देववाशीव अजञ्च अ जिल्ली माकीव जवानवनी প্রীবনান্তর

প্ৰুম হইল যে

श्कित त्यादिनी मार्की उस वयक श्कित इत्यन मवछ त्याचलाका विद्या भाय अ द्याचलाका नात्य भत्याख्या ना इय त्य ज्यामात्रीत वांची क मर्वदाना पृक्षि त्याचा वांचीक ज्यामात्रीत वांची कामात्रीत व्यामात्रीत वांची कामात्रिक ज्यामात्रीत वांची कामात्रिक ज्यामात्रीत वांची कामात्रिक ज्यामात्रीत वांची वांचीका वांचीका वांचीका वांचीका वांचीका वांचीका वांचीका वांचीका

जम् श्रम इहेग

যেহেতুক ৩ জুন তারিশে আসামীর অনুসঞ্চান করি যা প্রেন্ডার করিবার নি মিও দারোগার নামে প রোয়ানা হইয়াছে কিন্তু অদ্রাপি আসামীকে প্রে তাদর্গপি আসামীকে প্রে তাত এব প্রুম হইল যে

मार्वाभाष नात्म ठानीम् शर्वायाना इय य र्फल र्फ उत्र मार्वक शर्वाया नात्र श्कूम ठामील कर्व इंडि मन २৮ ८ ৮ माल जाविशे १० जून

नर् ७०

সন ১৮ ৬৪ সালে তারিখ ৭ মার্চচ মোতাবেক সন ১২ ৭০ সাল তারিখ ২৫ র্চাস্তন।

মহকুমা সত্থীরার কৌ জদারি আদালতের রোব কারি প্রীযুক্ত বারু কালী চর্ন গ্লেষ রায় বাহাদুর ডেপুটী মাজিফুট উপক্তি

ভাগ্রনান তর ফছাদী দৈবছক্র বন্দো হরিনাম বিশ্বাস পাশ্বসম দীপর হেমছক্র বন্দেগপ্রা

মোণ জাল সমোজাৰ নামা তদন্ত বিষয়

हावना भन् जाशील मृत्य उ মেখিত মোকদমাৰ মুল ন भी महा प्रानः शहरकार প্রেরন জন্ তথাকার খ্রী যুস্ত আপসিফান্ট বেজেফার वातूत् २५७७ मारतत् १ कु लाई जाविध्यं नकल त्रा वकर्गवंत जादमभानुभाद ८ङ्का २४ टर्गरेवसे शर्भना র মহিমাবর ত্রীরেও সেমন कक मञ्चित्र २० जलाई जाविष्मव नकस द्वावका विव के जिलाव भागभान बीयुष्ठ भाजित्धृरे नारइत बद २७ कुंबाई उविस्थर ध्कुम यूद्धः शामानादम्दम অগপত হওয়ায় ২৯ জুলা इ नकल द्यावकार्ति प्रश् अ मूल नभी अञ्चलित औ युक भाकित्ये माद्दत्व एकुट्व भागान मियाद्वा अठके ये नभी त्कंत्र अर्घ ए नाई। ज्याय ये मम क्र हुफान आदम कि इहे याट्य जाराखा कान मन्या म जाभव इय नाई

প্রকাস না থাকে যে পুর্ব স্থিত হাকিমান এ সম্বন্ধে ক্যেকজন আসামী হাজির আনিয়া মহামান হাইকো

लेव हुड़ाउ आदम जला काय भेंड ७० जामर्थे जा विल्थ के शिक्त वात्राधी য়ানকে মাসকাবাক হইত খারিজ দিয়া মোকদ্মা मूलउरी दाशियादइन कंस के हुए। छ जासमें आछ इ ওয়া ভিন্ন ঐ মূলতবী মো कप्रमा निकाश शक्क का न एकुम प्रथम गाइस्ड भार्तमा। अञ्चव

প্ৰুম

তাএ বোৰকাবীর নকল জ লা ২৪ চোবিবদ প্রপদার মহিমাবর শ্রীযুক্ত মাজিথেট मार्ट्रद्र एकुर्द भागान याय, मानम या ये मद्यान महामानः। हाई काएँ हरेल हुए जा जारमें थमान हरें या थाकिल महुत ये आ माल छ ध्यनने भक्ष उठिछ जनूमणि थमारन वास्ति कर्दन। हेंछि

च्कुम

कान अश्वाम आित्रशाह कि ना श्राभाष: प्रश्नाक क जाश्व किर्फाण प्रश रेजि मन ३৮ ४८ माल जा विभा २० मार्फ

म९ ७३

त्रम ३५ ७४। ७३ ८म

रामी भाषत कार्कित शिक्ष त रहेशा १४ ४०। ८ आकृष्टे भटा श्री श्री कार्कित आभाक डाकां व रहेशा, २०। १२ द्वा अपत् विश्व ववकमा अपात कार्किश मकाशून आभा कार्की वात्र अ मेस्र शास्त्र मिक्षे -लहेशा श्राय

আসামির মোজারের সও

क यथन नर्कत् ७ किनु व जिमाय पूर्वला तिह বীব বাটীতে বাথে তখ न ननी टिकिं। मात्र जिनु किकीमात ७ तुधुरे किकी দার বাতে ব্রার্র আমা त निकंछ आश्वा पिड। य द्रांक अथम मुर्वना व वाँठी दन याद, ज्यान का ठाकीन कोकोपान जाभाक नाटंड कविया सर्था याय । देख

পরে বাদী আপন হই। প্রকাশ করিল যে স্থর বারু আমাকে ছাড়িয়া দ ওলের গ্রুম দেন। নর্চ্ন मत्रमृत् कट्ट् य आभाव क भा कित्रियामित्स आभि छ। काछित मूट्याम कित्या मि व। अङ्गेट्ड नेस्रव्यात् व त्मन यमि डाकाडीव मूट्या भ रुग्न जत्व आभाक भः तभम मित्रा तिसमा सर्वत्व द्वामा प्राप्त । तन प्राव्भीरे उ उपरा डाक्षाव भरव। रेडि

মাধৰ কাৰীকৰ X

न् ७२

সন ১৮৯৪ সাল তাবিখ ও মার্চচ

মাষৰ কাবিকর হুজুরে হাজিব

इंदेशा ३৮ ४० मालाव ८ आ क्रंगे चल श्रीच्छा कविया कहिल, नाम मास्य कारी कव, शिला नर्कत कार्विकत व्यम ७० वरमव (अमा का अड़ बूना। मार तोकमावि भाना छइंगे

म ७ गाल

তোমার কি এজাহার জ বাব তারিখা আমি বলি তে পারিনা এক মাস গত হইয়াছে, আমাকে ডাকা ইতি মোকদমায় ঈষব রা য় ইনিম্পেকটর গ্রেপ্তার কবিয়া মারিয়া দুই দিন

बारम जाकाइंड धविया दम नद्ध्य कर्त विद्या ন্নুষ ও চড় ও মাভাঘ বা छ भारव। भरव उक्रिव भीरवद जिमाय जामाल ছুড়িয়া দেয়। উদ্ধিব আ भारक करइ उनकाइंडिव भारत् मकान जाक पिछ इंदेरक। भरत् ४ द्याक वाषीत्व भाकित्व लाभास व्वक्षाक जा भारक धविषा करीम श्र त्व देखत् वावुक निकछ ल देया भारत देनिस्मक्डेंव ও সৰ ইনিস্কেট্র কা लिकानम् मुल्याभाष्यभ्यः २ अदन आभारक मांहड न

र्या ब्लोकमावि धारम जा সিয়া আমাৰ থানা ভা लाजी कविया हुए ३ भा ना ७ वाँछी ३ है। वार्डि व कवित्स जामि माविव ভয়ে ডাকাতি মাল বলি যাছিলাম। পরে ঈশ্বর य जामारक लायमा न र्क्य मर्पात किन काटभत् जिम्रा कविया मिला जा হারা আমাকে সাত দি न नम्न शुद्व पूर्वका । भट्ट नर्फ्ट मर्भाव आ मारक मर्ज कविया त्मल র পূরে অগনে। অগমি उभाव किह्य जुलियाह

आभाव भागाजनात्री कवि यां आभारक के सन्वाय-मार्ड कविया मक्षा शुक् भारम लंड्या शिया अके लाकानीव मला जामाव का ७ वाकिय। एक मिनम्ब देउन मिया छिन। वाभिय हिल किनु जात् शास्त्र श उ किं के खर दाय दिश जाभाव हक्क छन दम्य। श्री के नारी पिया त्यापाक म्य जामि पिश्व भाइ ना। ठाइगढ़ जाभाव हुई शुंख्य क्रकात् भिन हू के मक्षांशुत् इहें तक नमन शूर्व लड्यंभियों माज

मिन पूर्वता देवखें बीव वा हो इ रास्थ । भद् आ भारक नर्कत मर्भात मध कविया ८५ शुष्टी माजि छेट माइदिव निकंप माइव श्रुद्व भाग्य। भद्व देवम नाभ वातुव विश्लाप मड আমাকে নন্দন পুরে বা मार्वाणी खभादन देवम्रमा थ ছिलान उथाय लहे या याय। उभा इङ्ख पुरवनात वाषीक वाशि या याय द्वाक आदा न र्फ्य मर्पात 'दशाद्यन्ता अ मानिक द्याध उ किन उ জীব মীব আব বুধই क्लिकिमांत् ७ देवमां भाषा

বাবুর একজন চাকর ক্রাক্স न आभारक दिलाई आप नाजित मज्की अयानात् वा ही दे सर्मा याम । उथा य जाति नर्कत् नर्भात् ला व्यक्तात् वम प्रत्य नाजित् সদাব আমাৰ সহিত জ काछि कवियादह वलाय जा श्रांक ध्यक्षात् कतिया पुरे अर्व दिलाव नग्र नन्न भूतं आनिया के त्राक देवप्रभाभ वार् जामारक त्मरहर् शुर्व हालान प्रम्। তামাকে প্রথম গ্রেপ্তারীর ১২ ৰোজ পৰে ঈশ্বৰ বায় मलान (प्रया आप्रि मक ल कथा आयुक रह भूषी

माजित्रु । माइत्वत एक त् जाना है। भत् आ मारक भानाम पन

মাধৰ কাৰিকৰ

श्कुम श्रेल व

वामी क पृष्ठ ७ ठम्छन्

प्रकः भरत आभान भाग जिम श्रिमीत्व प्राञ्चभरत्व निकरे भागम याय देखि प्रमान २৮ ७४ माल ज्याने भा ७ मार्ग

ন্ত্ ৩৩

১৮ ৬৫। ২৬ আপ্ৰিল

वापी आहेग मह अछि जा करिया कहिल जा मान नाम मधु कानिक्त भेजान नाम हामू कानि क्रां। जाडि काला न्य म २६ वरमन काला अछा नुनानकना लाआ अछा जानिना निनाम माछना भी भाना कालिश्यु

भा ३ शहरत्व भाग्य शोके ता अध्यक्तत्व भाग्य शोके ता जामाणी निवादणाक

লৌবে ও বক্স পাহারা ও আলা ও অনুপদ্ধিত আ भीव পाश्रावाष्यांना अ हा प भारावाउग्रासा उ मा नाई भारावाउगाला जाभार राषील शन न दः जमामात् भिनात्नाक किछाना कवित्वन इति र्फ कार्विकरवव अहे वारी कि ना। जाङ्गक इतिस त्कंत घर जानाई ज्या इयादिल । ये इविकं आ লাৰ চাচাত জ্ৰাতা হয়-এবং বাচীব মরা বাস किन् भूथभन्न इरेख हा उपनख्य क्रमापाव श्वि ৰ্ফকে ধবিয়া আনিতে

एक्स प्रथाय इतिकं जार्शन घट्वंच प्रताज्य তেজाইया मिला आभीत उरक्म भाश्वाख्याला च द्व भाषा अवम कवि या जाइनक वाहित्व आ <u> अञ्चलय आविया दक्त</u> त्वड कावा श्रुट्डे उभा भ्राय उज्यासन जामामी किल हुए भावित्व नाशिल । जाभि वादिन इंदेश पा श्रे भाख्य एउग्र क माम्। व्रुम म् अयाय व कृम जामाने हुल शनिया त्वेउ माविल जेवः छांवभि के जिन कन भाश्रावाश्रा ला जामारक किंल ठफ

माविल । अम् मम्बा भ वान क्लिकिमाव के भान जारेल जर्द जजीवार क्वाव कावन जिज्जामा কর্ময় বুলিল যে গত্র जिल्डं माल आलायु आ लप्ताल करंग्य अकुल अ তগচাব কবিয়াছে। পর जामना थानाय जारे य वः मादाशाव डेअपम मड जभात गालिभ क বী। চাদ কাবিকব ও মা निक विश्वाम ७ डेमुई का विक्त ७ जाभीत कादी कर पिथिया ए। इति आत्रामी त्रिवालाक की বেব গভয়াল মতে কহি

स जामादिलात डेरेटल छ स्डलाय दांडा हेया मात् श्री के तिर्द्ध श्कूम द्वा या याय । हैडि

न् ७ ८

১৮৬৪।১৭ ডিমেম্বর ১২ ৭১। ৪ পৌষ

भर्कुमा माजिभिनात को कर्मात जामालख्द त्वाव कार्ति छोग्नुङ वात् कालि हर्न त्वाश ताथवाराप्त्त रुष्टि भाकित्यु उपिन्ड

इंडेमाम माठभीवाव की

किमावी छात्रज मभुनीय उर्मीलम् अग्रनाथ भा लिंड जाभन कर्म द्रेड অবসর হইয়া কৃত ডিশ জিট ৫২ টাকা পাওয়া প্রাথিত হইয়াছে। সদ্র वक्जीव ३३ फिरमेश्वरवत् বিপেটে প্রকাশ যে তত্ भिनमाव ३५ ५७ आत्नत ২৬ মে জাবিশে ঐ কমে त जािश्नीत अविवर्ष ०१ टाका जिलाकि कवाय व य त्नत् > ज्ञून अवित्थ क লা ২৪ পং প্রীয়ুক্ত কালে करंद आद्द्वनं एजुत् माभिन इरेशाइ जरे उ इमील माद्वव ये क्यांभाषा

ন্দীয় হিসাব কিতাব নিজা ওি ইইয়াছে। কোন বাব তে তাহার প্রতি কোন দে না অন্দে নাই। যে হউন তহসীলদার যে কর্মের নি মাঁও টাকা ডিপাজিট রা থিয়াছিল, তাহা হইতে অ বসর হওয়ার হলে টাকা ওয়াপেচ দেওয়া কওবা তত্ত এব

एकु म

अञ दावकातीत नकला रकता २१ शत्रामात भिर्द भावत धोयुक भाकित्युं है मारखन एकुर्व शाराम যায় যে ঐ ৫০ টাকা ও

যাপেয় দেওন নিমিও এ

আদালতে প্রেবন পরেচ
উচিত গ্রুম প্রদানে ঝ

ধিত করেন ইতি

न ९ ७ ६

त्रुवं राह्म उर्गिक का उ लाम वावं प्र माण प फिरिया मृष्ट्र रुख्या। मृज अकाम क्रिकिमाव की आलामी द्वरावा भाकि म अपनि अलाभा मुभम य भूत्याशायाय किमल व भक्तिम उख्य काल व शक्तिम उख्य काल २ माहेल वर्ष्यान २৮७० माल उपविश्व २० जुन मन २२ १२ माल उपविश्व १ आखल

अप्। पिता ७ वनेगत-সম্য জ্পুরুত্ম পূরেব জ भीव कोकी भाव खिनन श किया पिछ जारेमन का लिन फ्राजिव डेशव भा ঠেব বাজার নিকট অখ র্ম গাছের তলে তথাকা व अक्रांत्र क्लिक्स्व भ लाय ५७ (मय विवद्भ বাচনিক প্রকার ক্রনান্তর অধিন সমেত চন্দ্রকান্ত মি ज ११७ कन छितल ७ व लाक कन खेवल ७ उक

क्रमीत ७ जातीज क्रिक व ७ जमनाय शुर्वत है শ্বচন্দ্র মন্তল ও খাতেৰ किकिमात् उ उभडीत् भा চাই কাহার প্রভৃতি উক্ত भाइन्डलाग् अइहिंगा ने भा एक्त श्वर्विम्लिव भ्याना जाल मुख्य भनाष ला ক বাকা ভেতাবিয়া > গা हा नुउन पिं एप उसा हू ३॥ इंग्ड उँ इंह उ भलात म ि ये जाल इहेट राम्श उ नीत मुखि कविया भे मकल वर्राक्षेत्रत्व दावा बाँगेर नामाद्या डेशवा ও. ব'জিগনের ও মৃত্তর

म्रग्त काम विकास व भाम उ कॅत्रित उ जाम्य उ मझ ল বেহারণ ও ভগতির জা नाम भाँ ७ लाल भाँ ७ जा त्कान ७ जात्मान भा ७ ञाम विमी अवमान ७ अक्रा न मन्मान ७ भारती ७ **পোসাল** গাজি ও রুফ ক र्यकाव उ यक् भ आभानिक उ अनुस्य भवाभानिक अञ् जित्र त्याका विनाग जर्गक क कांत्र्या प्रभा भान ख মূত্তের বয়স আন্দাজ ৪৬। ४१ राज्य । महाभन्ने भश म अविव एक भूमि जिङ्गा गार्व रहेगार्छ। भला त्म धा २ जाअति छ उड़ा मछित

দাগ চামতা কাটিয়া বসিয়া গিয়াছে। স্বীবে কোন দা গ জন্ম নাই ও মূতের হ स्वत् मफ्की ७ अक्भाना कांचे नांची जे भाइजनाय भिष्याद्य । उभर्वाक क छिश्रास्त्र निक्रे किखामा नाम कविया छम्छ क्वाय ও অনুসঞ্জান মতে জানা গ ल व्य भृष छाडि भविव भ नुश्र । । १ १ मार्टी भविवाद वरमव प्रमूल । पूरे जिन मित्र अ शेविकाव गदनव ও निष्कृत आशात्त्र कंछ হওয়ায় গতকল বাতে চা ৰ্টী ধান জানিয়া ভাহাত যে চাউল হইয়াছিল ভাগ

বি ভাত পবিবাৰ গৰকে पिया अ निक्त किछ आई वा उन्नः छीत् मास्ड स भका कविया भिष्ठ जिल्ला जाभना इंदेरड भनाय पढि पिया मित्राट्य । इंदा का তিত তস> মবনের প্রতি -ত্যন কোন কাবন বাই। এकार्न भूट्डत् लान प्रभ ল ক্রনার্মে তস্য ও্যারে त्मव त्क्रमाय पिया मृत्य त कीव अकाश्त ७ मा লেক জামিনের পঞ্চের এ एउसा मह निर्विप्तिशम । है छि मन ३४७९। २० जुन

নং ৩৬

मश्मिश्मि श्रीयुक कार्ने माकिट्यु मार्ट्य कला कम्य बर्ग्यत्यक्ष

म्त्थास श्रीयस्त्यमाक्त् स्माकाभ बाङाव काली भ अ भवनत सहायम माहि नित्यम्न अहे थाना काली भक्षत् जावड श्रुलीम जाय ला भने द्धापेतका हुड्या-जायाव वाणीव भव जनिश् काव क्षत्यम श्रुवंक जाया काव क्षत्यम श्रुवंक जाया का भाक्षा कविया भागा स भावतम क्षम् वाश्रीया व छाका जिस्सामा कविया ल उद्या अहुनि त्माक प्रमा लग भन क्वां इंडिंगमी बाक षमा थाना काउ उपासीत দারোগার দারা তদভের श्रार्थनाय जात्री एजुट्व प्त খাও ক্রায় মোকদমার ত मात्क जने नाथव मार्वाभा महामय नाजानाह्या के व्या কদমার তদারক জনঃ ঐ भागान माद्य माद्राभान मि करे अव्उद्याना वाश्विद्यादक्त ধর্মাৰতার উক্ত দাহেব দা ৰূগাৰ ঐ মোকদমাৰ তদা রক পঞ্চে আমা নিভান্ত না वाक डार्ग बावा भाकप भाव उठीठ उपादक इरेल

ক না কাবন আমাৰ আ मामी डेंड भाना कली भ क्षत् नायत पाद्यामा क्रमीनी कास नाम के माद्य मादा গাৰ নিজেৰ পালিত লোক-এবং আমি এইক্স ভাহার नात्म प्रभाख क्राय माञ्ब माखामा नाइव जाश्राक व ই সংবাদ অপ্রেদিয়া সাবধা न करिया प्रजुमाल जामा भी उंछ नायव माद्वामा अ ভূতি আমাৰ মানীত সাজী मातुम गत्नत् जाद्य धतिया भा সন কবিতেছেন এবং আমী वह प्रभाख क्राय डिंड ना এব দাৰোগা আমার পর অ ত্তত বাগত হইয়া আমাকে

प्रस्ति। नाना श्रकात् उरुभाउ कवित्वद्भन जाइग्र उत्भाद्ध र जन्मनाग कान मत्र छ हाय शाकित्व भाविमा अका বন দ্ৰুপাল কৰিয়া প্ৰাথীত य जामाव ७३ याकर्ममाव তদাৰক জনঃ মানা কোতও यानीत प्रवंदेनिम (शक्रोंत् भ राज्यत् नात्म शत्यामा अ हार कित्रक जारका इस इंहि जन २२ १२ १४ तेष्ठ

न ७१

मर्व भाकाम वाक्ट्र शुर्वा
भएक्माव कर्यमीव आश्रीम

মহামহিম শ্রীয়ুত্ত জেলা ২৪ প্রথমার মাজিট্রেট মাহেৰ ব্যার্রেণ্

দ্ৰুপাশু অপৌল রসার জেহে नभाग्व द्याज्या जगवानशुव माकित्नव छोत्राभ्न मस्लव नित्वम्न अहे व्य कंत्रिशामी নব্ৰুমার বন্দোপাধগয়ের না लिमी काशफ़ इतित त्याकर्म मा त्याः वाकरे भूदवव भी युष्ण अत्रिक्षाण चार्षिदक्षे मा क्व जन ३४:३८ मास्त्र भठ তারিপ্সে আমার ও মাহার্ম याम मियाद्धन अ श्रुम आ মার পঞ্জে নিভান্ত অনগ্র হত্যায় তাহার অসমতিতে

नित्रम्य विश्विष्ठ दङ्गुवादम् छा श्रील क्रिट्डि अनिश्रादन বিচাৰ আজা হয় । । वामीत अकरात ७ ७म गुक्तराया मार्क्षागतन् करान वनी अवस्त्रव अलक इथ्या य वादित वादी जावह्य ना इउराष इतन दाराम दम्उरा নিতান্ত অনস্য ৷– ।२। वामीन अ उद्यान नाकी গনের দারা প্রকাশ যে আমী यश्कालीन वक्त हुवी कविया ছিলাম তৎকালান তথায वामी ७ जमः मार्का ७ मादा গা ও অপর্ ২ বছত্র লোক উপাস্থত ছিল বাগুৰিক আ भा कर्षक द्वृति यथार्थ इरुट्स

उरक्रनारं रख मत्मन जनमः इं অপতার কবিত। তাতা নাক রায় এবং ৩ংপ্রতি সাহেব मनुमूकं अनिश्वन ना कविया त्मयाम् प्रथम जामाव नम् त तिश्वना विलिट्ड इन्डे दिक।-101 जंगांमे मक्त्रीवृद्धव भनु ৪১ তাহা বাদার ও আ**মা**র मानिक अञ्चराया माक्रोत म বা বিধিমতে প্রকাশ হওয়ায় च्रा आभारक निरंभर्। १४ মেষ্যাদ্ দেও্য়া ভালঞ্ড -181 कामीत मार्की काला की কিদাবেৰ এজাহাৰ মতে বা मा काउदा ७ जमूनाथकल वम्मार्यम ७ आहिनाय मा द्राभा हालान मिरोय आबि

े बन्दी पिशद्व व जानिक श তে সার্ক্রা দেওসায় ভাহাতে के वामी मिशव भालाम इ हेटल अवः प्राधव नकत् अ काली किकीमाद्वत् नादम टाका काडिया लख्यात मान es নালিস ক্রায় অগামি" के क्रीकीमाख्य विभक्क नाको एएउग्राम् भे नमस् ञाहिलाय पाद्यामा ७ की কিদাবের সহিত আথেজ থাকায় উহারণ বাদিব স হিত যোগাযোগ এই মি भाग घरेना कवा छिन्न नक । ६। जाद्य प्रमुद्धित वि वात्उ क्यकालाय ७ वापि द कामर जाकीत मादा

প্রকাশ যে দার্থাগা আছা क निरक ट्यकान कविशा इस किंकु यथन मार्गाण नाट्य मध्मुटर्फत् इकुद्व राजित रहेगा रलकन अल হার দেন নাই তথ্ন মা कीत् श्रिड निर्ध्य करिया মেয়াদ দেওয়া অনগ্ৰ ও অবিচাৰ বলিতে হটবেক। 101 जामा कर्षक हुना य भार्थ इक्ट्रेटल इतित भास जामि निटक लंडेगा याइ তাম। তাহা না লইয়া আ भार जानाबीय ७ जाटाना छित्र आप्रवानी वामीव अङ হাবি ছোক্রা রাখাল আ भागीत निक्र हुनीत रेड

দেওয়া ভাতি ভাষত্তব। এ গ ভিকে ভর্দা আছে যে হ জুবের বিচাবে আসিফান্ট সাহেব মহসুর্ফের অনগয় বিচার ক্রমর্ন বলবৎ থাকি বেক না -191 यपिष्ठ मार्ख्योगन क्षका म कद्व या थे कान कित्या জলপান ক্রার সময়ে কা পट्डव गार्थि निक्रे वाश्रि शाहिल र्कलंड: मड इडेल ये भरेवि अधिक हृद्वं भा কিবাৰ সম্ভব নহে তাতি নিকট বাখিবাব সম্ভব। এ গতিকে আমা কণ্ঠক চুর্ यथार्थ इंदेखः वादी ७ मा জাগন আমাকে স্বাস্ব

नासस्विया मारवाशारक रसा उ ठारिक पूर्व जात्राटक धा প্তার করের কারন কি। বা ही अ मार्क्काशन स्यर् र हू বিব কালীন ভাবশাই ধ্ত कविछ। खात्र २ विछाविछ भि छिलं कालीन निदरम्न करि ব। অতথ্য আপীল কবিষা প্রাথিত যে জিম তলবান্ত সুবিচার অনগয় প্রুম বহি उ श्रवंक कावाशादवं माग হইতে মুক্ত কবিতে আজে হ্য । इंडि मम ३२१ माल २२ की खन जन ३५७४। • मार्घ एक्ष :

आश्रीटलन विश्व नम्ब मि या निर्म उत्तर कना यास्रीत्र ७४ मान ४ मार्क अम् आमी ल मिश्र लिम इत्या ताथान ह्याकता कर्यमीत त्यम निश् ट्याकता कर्यमीत त्यम निश् ट्याकता कर्यमीत अका आ ना याय ना उपना जामा आ तमारक ध्रम्य एक्सा त्या न क्रियमीत त्यम क्य अश् निश्चित्र कर्मा क्रिलाद्व ना तम अद्यायाना जाति ह्य म न अम्बर्ध माल अम् मार्क



न १७५

মহামহিম প্রায়ত দি দি জেলা ২৪ পর্গনার দি দি কালেকটর সাহেব দি দি ব্রাবরেড় দি দি

वामी बोक्कनाथ राग्न बोनिवनम् ननी সাংআহিবিটোলা श्राएकेलेडिकी সহর কলিকাতা ডিহা পঞ্চারপাম

श्रिकामी

मती है मन ३२१० मादलद आ भिन ना॰ लाय उत्तदित् वाकि काका भाजना माय मुम् काश 8> টাকা नालिएन् विवत्न अ रे व्य डिश् भक्तम आत्मर्

प्रक्षा उंगी हु कि बाद्य आ-मात् श्रविमा अकत् सूपि य आष्ट् - उन्म (४८ % विधा जि पि रेखक जन, ১२०० जा-লের মাহ, ফাক্রণ লাংসন ३२१७ मालिय पार् पाघ 8 हाति भन प्रशाप श्री वापी मङ्कूत मात्रिक त्नार् ३०, धेका रिभाव आनियाना ३३% तेका छाड़ा थ्।जन अवशादित्उ प्रन ३२७० मा-লের ১০ তাত্তণ তারিখে आमा वदावद भिदि रमक क्रबलिं लिथिया पिया दा-জম আদায় পূর্বক দখলিকার आर्ष् जादाल दे मन ३२१० मा-ब्लं आश्विन लाः लोग ह हावि

पात्र जलावत वाकी जाजायाज्या (कार्8॰, धाका अ किडी (थला नि मूप > १क रोका धकु स 83 টাকা আমার ওয়াজিবী পাওনা তলব তাগাদায় আদায় করেনা খতএব সন ১৮৫৯ সালের ১০ আইনের ২৩ ধারার ৪ প্রক-त्र घटा अधिवापीत प्रिक क বুল তি মায় হিসাব সম্বলিত नानित्र कतियां आर्थिनिय त्य किउ भंग अधिवामी पक्त कृत क र्जुद তলব করিয়া আমার নিকট প্রমানাদি প্রহণে মায় मृদ मा-वित्र रोका अ आपाम उक मूफ थर्डा भरमज अ आर्न मज जा मिज़र म र देवला रेट आखा

হয় নিবেদন ইতি সন ১২
৭০ সাল তাং ২৮ মাঘ
আমি প্রীক্রজনাথ বায় প্রু
রে জানাইতেছি যে অত্র আ
বজির লিখিত বিবরন আমা
র জ্ঞান ও বিশ্বাস মাত্র সত্র ইতি প্রীক্রজনাথ বায়

ত্কুম হইল ডিঃ কালেকটার আবদুল লগী ফের হজুরে সোপদ করা যায় ১৮৬৪।১৫ ফেব্রুয়ারি হকুম

আগত ১৭ মার্চ দিন ধার্যাত্তা মতে সমন জারি হয় সন ১৮৬৪। ৮ মার্চ

बर् ७३

মহামহিম জেলা ২৪ পর গনার প্রীয়ুজ কালেকটর সাহের ব্রাবরেণ্ড ২৪নং বহিশ ১৮৬৬।৬৭

দ্রুপাশু তালুকে নাম জারি র প্রাথিনা ভ্রীভগবতি টোধুরানী জও জে ও গৌরাস্চন্দ্র রায় টো ধ্রী সাকিল আজিজপুর, সরগরে সাইহাটা। নিবেদ ন এই যে সামী মহাশয়ে র সৈতৃক তালুক অত জ্লো

त छोजित निभिन्न भागन-भाग-न कीः भवगरम भारे श्रीत भा-जर आजिक शृत प्रिगद्धारोजा-श्त जाश डेक नेपद बुज, त्रघू, क्राम, क्षा, ताज ताज जुक नाय काम्भानि ७ >> ٧ ৮ तिका जमा लिया जाय ये अलू-क आभी बदायखन भीउ। उन क जुक नात्मत प्राथा । क्ष অব্যিক্ষণ দৈবরায় মহাশনে वक्म काना वे क्ष क प्रत्वव ৩ পুত্র জে স্ত গৌরাম চন্দ্র মধ্যেম রামপ্রাণ কনিষ্ঠ পার্কতী চরণরায় **७ विधाम** स्थामी डेक लोतास-एक वाम मश्यास्य निकार्य রক্ম (৭×৪ সাত শোশুণ हाति एंखी रहेटउएए सामी

मश्रम् उंक त्रुध प्रथलि-কার থাকিয়া অপুত্রক সন-১২৩° সালে লোকান্তর গমন कतांत आपि उंचाधिकांती विधा-য় স্বামী মহাশয়ের তেয় উক্ত রক্ষ -তালুকে নিল-তারা ও হর মো-रिनी दिं देश पूर्वा नि उकालि नाथ तार - अ , दिस्य नाधाताम् कि पुति अ कालिकाउ ७ निल कमल-९ षात्रि কা নাথ ও মাধব চন্দ্ৰ রায় চৌধু-রি প্রতৃতি সরিকানের সহি-उ अज्ञ मां ल प्यानिकात आहि अठध्य अरेक्षण के जानुक আমার নাম জ্বারি করা আ বশ্যক একার্ণ মত্র দ্রথান্ত क्रिया आर्थिंग ए डेक तक्य अन्तक था-

भाव नाम जाति कविट आ जा इस । निर्वित्त । हेडि भन २२१० भाव जाविश्व २৮ अ.ड.

তপদীল

দাখিলা

দাখিলা

দাখিলা

দাবী ও ২৬ জানু ভারিখের

থাজানা আদায়ের সহি মা

হরের দাখিলা দুই ২ কেতা

মাত্র

वामी

श्रीनामकक तत्माश्राम्य तार् जानत्व श्री वृत्ताव्न प्र मार्लाक्षी शर्वविष्टारी

श्रीकाषा भार्न मस्त जार् रिकामा अन्दर्भ

वात्मव शूव भः विविष्ण्ठी

দাবী সন ১২৭০ সালের ইং বৈদাখা নাণ্ সন ১২৭২ সা লের আমিন তলাবের বা কী খাজনা আদায় বাদে মায় সুদ কোং ৪৭৮৯ টা কা ও ডামিজ পাওয়ার প্রার্থনা

যেহেতু মনিব মহাশয়েব श्रविभा हरू शः भयमा भी জে বামনগাছী যে আছে उपार्थः > वत्म माली १ विद्या ज्ञीत काठ मालिया ना २० टाका क्रमाय श्रवि वामी मजञ्जू मन २२ ७० मालात् २२ ट्लांस जातिला भनिव भश्भार्यव नाभ ब वाद्व अक क्षा क्रूनि पिया हाम जामि हार्ग জমি জমায় এতক দ্খ नीकार चाट्य, म मल े जमाय मन २२१० माल व दे दिसाभ नाः मन ১২৭२ সালেব আশ্বীন ত लर्दिव जामाय काटम वा

की भाजना आभल ७৮% राका उं किसी ध्यामाशी त्रुष ११४० छाका अकल 894% छाका अिंवभीव न्हादन आभाव अधारिती भाउना म्काउँ उसर जामाम्य जाम्य नाक वाय ३৮०० मालत् >• भटा वाकीव हिमाद ७ मूलम्लील अिव्यमीव मी घड क्रुलिंड अम्बिंड ज वी नालिंग कविया आर्थ ना या अभातत् कारा श ভিবাদিক তলব কৰিয়া श्रमानामि अइतने वाकीव भवलक भक्कव आए। य उक सूम थवंछा उद्योग

क प्रताहेट आका र्य इंडि मन ३४७९ माल ७३ জাক্টব্ৰ অগমি কাদী ইহুণ প্রকাশ কবিতেছি এই আর্জীর লিখিত কথা আমাৰ জা ন বিষ্ণাস মতে সতঃ ই डि শ্রীবামক্রপ্ণ বন্দোপাধ্যায এজলাস স্ত্রায়ুক্ত এ: মেকা की माद्य डि: काः जा ला २८ भन्गना ध्कुभ इरेस य उसदाना माश्रिल कट्द ना

जीन देक: प्रश्न केंद्रि ना

সন ১৮৬৫ সাল তারিখ ৩১ শ্রীসগমাচবন বন্দোপাধগয় মোহবের

থকুম হইল বিচারার্ম ডিঃ কাঃ শ্রীযুপ্ত মৌলুরী দলিল উদ্দীন শ্র্মা বাহাদুর সমিপে অপনিহ্য সন ১৮৬৫। ৭ নবেম্ব শ্রীসগমাচ্বন বন্দোপাধ্যায় মোহবের

अ: अयुष्ट त्मोलवी म्लिल उम्मीन भा वाश्मृत तड श्रीकालकरेत्

প্কুম হ্ইল যে

२० नर्दम् जादिश विभ द्वं दिन भागंज्य श्रिड बादीत नाटम नमन जाति कता याय हेडि मन २५% माल जादिश २० नट्टम्ब

ठाउँ ठा तकी त मिर्ठ मा भिली प्रानित फिर्ति श शहरा तिप्र लिथिया पि लाभ देठि मन २४-५५ मा ल जातिश २ —

खोत्रामकक वत्न्। भाषाया वः दीन नाभ ताय भाष्ट्रद्व

छामः दिना पुरे अहत र होन् नम्य नामी आश्रन माकीत शक्तित माभील क রায় অনানা মোকদ্মার কায়ে লিগু মাকায় ডাদ जनानवनी इरेंद्र ना भा বিষা হকুম হইল আগত २० नत्त्रप्त जातित्य लाम र्य, के मिक्स कामी आ পन সाकी शिक्दन जाम इंडि जन ३५७९।२३ नत्वभन

न १ 8 >

মহামহিম প্রায়ুপ্ত জেলা ২৪ প্রগনার কালেক্টার সাহের ব্রাবরেঞ্জ বাদী জ্রীকাশীনাথ গ্রোধ-দাং জিব্যট পং মণ্ডব্য

श्रुविनानी
श्रुवाले मन्द्रमार्ग भाषात् अद्यानिम मालाभादलत् म्भ लीकात् श्रुव श्री अस्वि भाषा मार् गद्धा प्रतिश्रुत् अर् मु जागाँचा भागा जाहीश्रुत्

দ্বি গজা চন্ত্ৰীপুর প্রামৃত্বি ত প্রবাজি ১০ বিহা জ মার ফি: বিহা ১০ টাকা হারে কর্লতি পাইবার প্রার্থনায় সালিয়ানা জমা ১৯৮০ টাকার তায়দাদ ৩০৬

हाकारहरू अहे य मुख़ामाहा প্ৰগ্নাৰ গজা চ্ট্তীপূর গ্ৰা भित्र अर्थे जिलाव मन्त् आ मिनी जामासक्यामाध्योजन मः आर्तीत कावा आभात मभ ল প্রাপ্ত ভুমির মধ্যে ত পর্সালের টোহদী হিত থে राकी अक लखें ७।० विशा क्रिकिश्विकामी मक्कूव मभनीकात् आका। ये क मिन् भाजना मालियाना ७२) টাকা মহেম্বীদাসী क पिछ। जाशस्य जा भाव के नालीजनाट डेङ मद्भवीत चड तिहुछ इ ওয়ায় ঐ জমি আমি আ भाव डिकी मुद्य दीन ने

हाबाद कावा मन ३२१२ मालित २४ जां जांत्र म्थलक्षास्य इंद्रेश हि। अका श्राचित्रामात् तेकात्व क्रिय क्रभा उरमार्श्ववर्षा क्रिय হাবের কম মাকাম এবং उँ कि अक्षिय निमा পরিশ্রমে উবর্ব ও সসঃ ও মুলা হজি হওয়ায় জি: विद्या प्रालियाना ३०) छ।का হাবে উক্ত ৬। বিদ্যা জ মিব কাত ৬২॥ টাকাজ भार कत्वां मिट उभा का लहेक अठिवादीव लि তাবে: ৰাবন্ধাব বল।য় স ना प्रथम्य ठारम्ब नाम ३४-७७७नः विव्य ७०७न

मालिम कविदन उँउ पम न स्माइन क्लीड क्राय न মোকদ্মায় উক্ত প্রতিবা मिरक जामाभिन व्यमीष्ठक क्वात्राव एवधाउ क्नारे কাল বিলঘ নুত্ৰ ঐ এা কদমা গত ১৬ এপ্ৰেল भाविक इर्गाट्य। उ९भ त्व के अर्देश के किवामि त नाता नुउन नालिम করায় পদাতিকের কেত न माभित्लव देशिमा य भाविक इङ्गाइ। जाड वन वह अंडिनामीन म्भटल उँक क्रिये शाका य उठाव नाटा नालम क्वा जावभाक अकारन

के अ। विद्या क्रिय मानि जाना ७२॥० छाका क्रमाग्र कत्लिंछ भाइवाद कावन उभजीदम्य जायमादम् ३५ ৫৯। ১০ জাইনের ২৩ খা वा २ श्रकत्न मत्व श्रिष्ठ रामीत नाता अहे नालिम कवित्छि । इंछि मन ३৮ ७७ माल जाविश २ तम ত্তপদীল জমি **अट्रेस**ङ ८ वल्म ७१ विशा

इंश्र कोश्मी तमनि म्या त जामीत मिक्रने शास कर्णम् नक्षत्त् ७ जाकन त तमाञ्चात् ७ तमनीम्या त-क्षमीत शूवर्व ममन्याः ড়াঁর ও মানিক কবিরা জের জমির উপ্তার দে বিচর্ন ঘোষের ক্রশ্নতে জমির ও মুচদীন মোগ্রা র জমির পশ্চিম

जलनील भाली ७ तमारे अकट्य वालामण। विद्या कि: विद्या २० रोकान विभाव मालियामा ७२॥ रोका कमानं कन्नाडि ला रेगान वाना अयमामण्ड

भारे नालिया कामी आ भी आकामीनाभ काम हैश पाता कामाई कि य भई आवकी क देश সকল কথা লিখিত জা ছে তাত্। জামার জান ও বিস্থাদমতে সভঃ।—

न १ 8 २

মহামহিম জীয়ুও জেলা ২৪ পর্গনার কালের ট্র মাহের ব্যারভেড্

म्रुभाखन्ति श्रुभनाव वि श्रुभूव निवामी आकासाम म ह्यावडीव निवामन के य जाज रक्षमाव कारलक प्रतीव रठोकी छुड १००० नर्जमान श्रुभार शांठ

याचय स्मारक बाकाय पि भत् याञ्तं अम्व क्रमा १४४ छाका मञ्जानावायन त्राय को धुनी मी शत नात्म तथा यारं थे अनुका आभाव व्कम ४३।२ आ नार काउ कामानी २०10 ७ छाका अप्त जमा जा भार नाम जाति जाटह ঐ তালুকের অপরাপর भविकान भालखंडा वा जा पाश भटक मर्त्रपा भूषी क्रिया भार्कन जाश्रां আমার অংশের সদ্ধন शनी इइवाव मसावना विषय भन ३৮ एवं भा त्सत् ३३ छ। इतन् ३० सा

कार विधान मद्य शिमान अञ्चर करा आवीम क अ कार्न किट्मर २४ छाका ও नाम जातित दगरकारी मम्बिंछ प्रभाख क्रिया প্রার্থিত যে আমার অং ब्लं वक्म ४२।२ जामाव উত্ত হিসাব সভন্তব ক বুনেৰ পক্ষে বিহিত আ দেশ প্রদান কবিতে আ प्छा इय नित्तमन इंछि म ন ১৮৬৬ সাম তারিথা ১ জেশুমূর বক্ষ ১১।২ তাানার কাত महत्र क्रमा २०।४७ हाका बाब द्याजानिकनाथ ह्या वडी विकंदे अद्वास

মহামহিম জেলা ২৪ পর-গণার প্রীযুক্ত কালেক্টর সাহেব বরাবরেষু

দর্থান্ত ত্রী কাছিম মণ্ডল ও প্রীতারা চাঁদ সভ ল ও শীছাদেক মণ্ডল ও শীজা কের মণ্ডল সাং ধাড়া ও শ্রীরাম হরিমণ্ডল 😗 ত্রী अभित गाजी माः छ्छी পুর ও শ্রীপদ্ম মণ্ডল ও शिष्य नाताय न मलन দাং বামে ও গ্রীরামরতন मखल ७ जीत्गा भी नाथ न-कत नाः जाँ निशाम विषय पर्क भः भारे वा श्री में

विष्न धरेख भवग्ना प्रकृष्व डे ক্ত গ্রাম দ্বায়ের ওমৌজে শাটরাও বাড় जूनि ও घाष भूत ७ में म পুর ও থড় গাছি ওলোবি-प शूत अ का निका भूत पि পরের তালুক দার শ্রীরা भा बल्लव ताय े जी प्रिक किना प्रति (पर्वी मिनव आ মাদি লের এবং অন্তহ্প্র जागरणत श्राप भूलयकी দিগরের থরচা সমেত ফি-विधा भरेश छोला आना দসক্তার হিসাবে জমার অক্ষে জোর জুনুম আ-फ्त बाता यामाय काते-য়া লহতেছেন কিবু ও জ গ্রাম দ্বায়ের 'লোনা

ज्ञ आहेका बात जन भा देता मामक य र्वाम ष्टिन जारा प्रता प्रजामि ना कताय कदम निमाह देश ७ छात २ जामिया लामा जल डेरिया डेक দেশ পয়সাল পুৰবিক यतक यतक प्रकारक রার হইয়াছে এবং আ-भा पि लों जो ज आता मी ज মিতে লোনা জলের ছয়লা शीटउ नामा मि ना इखशाय लाक भागी जमा अत्रवतार করিতে প্রাণান্ত হইয়া তি षि उ भारितारे। जानू-কদারান তাহাতে কোন क्य मं ताया ने कदान

ना

नाहे, धर्म अवंशत । प्रन কের মালিক: আমরা দী-न पू:श्री थाजी मिजपाव प्राचाल कर्दशा कर्मा त्य व भारत ध्यं जामीलात প্রতি কুপাব লোকন পুর্মক श्रुल वन्ती जारंदवत प्रति উক্ত প্রাম দ্বয়ের পুলবন্দী क्रिय़ा फिट्ड अथवां जो श्ट ए जुद्र प्रतकी ना श्ट्रेल डेक अनूक पारी-নের প্রতি হুকুম জাত্র র হয় যে উক্ত বাঁদ মো স্তাকিম রূপে বানিয়া দিয়া সনক্ষন মেরামত করিতে থাকেন তবে আম রা ভিষ্কিতে পণরি । ত্রী

युक भन्ने अवजात मा निकं हेश नित्त प्रमें हेि मन इंट ८७ माल जा तिथ २२

न १८८

মহা মহিম জেলা ২৪ প-রগণার শ্রীযুক্ত কালেক টর সাহেব বরাবরেষু

वामी

শ্রী গোপাল চন্দ্র ঘোষ ও
শ্রী বামা সুন্রী দাসী জওজে
ও বৈক্ষনাথ চড় চড়ি
সাং বামুন গাছী ও জয়রা
মপুর পঃ বালি য়া

্প্ৰতিবাদী -क्षीनविन हक्त वाधिक সাং ৰামুন গাছি-পরগণে বালিয়া पारी कप्र त्रभ ७।१ विधा তুমির পুর্ব দ্থল পাই বার প্রার্থনা তায় দাদ ৪০০ টাকা---दिख पटे या वानियां भ রগনার বামুন গাছী আঅ त निम्न लिथिंज छोर्डमीत अखर्गकः ३ वत्म १/१ वि-

র নিম্ন লোশত চোহদার অন্তর্গত ১বন্দে ৭/৪ বি-ঘা জমীর কাত ৩০০ টা কা বার্ষিক জমা ধার্য ভায় সন ১২৬১ সালের

२३ भाषिन जातिद्व ध তি বাুদীর বায়া গঙ্গাধর जिल्ले निकरे क बुल छि पिया भारती अर्दा वन বাস আদীর দারা जन्म आमाय श्वर्वक मा थिला खाल्छ प्येलिकांत আছি।প্রতিবাদী মজকু त मने ३२१२ जात्लत को ल भून माशुर भानिकी श्वव श्रेतिम कतिया भे भू मित्र प्रथा पामा प्रत वो ही आमाजी भ कारी वादम বকী কমবেশ ৬18 বিঘা ष्ट्रिष्ठि आया द्व वाँ भ उकला फित्र वाशान । श्र क्रविनी थाकाय गउ ७ वे

শাশ তারিখে প্রতিবাদী মজকুর জবর দ্বী দ্বারা ঐ বাণানের ফলাদি পা ডিয়া ও বাঁশ ও রক্ষাদী কা টিয়া ডছর পাত করিতে থাকায় আমরা মোজাহে म रहेल अिउ राषी मज कूत यो मानिगरक शंकारे या पिवाय भे अविशे इ टेख विष्यलित कात्र १ रहेश ए । स्मित्र छ नन ३५ ৫२ সালের >॰ पाद्देनत ২৩ ধারার ওপ্রকরণ মতে भूल प्रनिल भाषा ७ पा थिला मश्रनिउ गानिम क রিয়া প্রার্থিত যে প্রতিকা বাদীকে তলব প্রবিক আমা

दम्द निक्रे अभागापि अइ নে দাবীকৃত ভুমিতে পুর म्भल माय भव्भ म्ला वेट आकाव्य आत् अ কাশ থাকে যে তচ্কপা তেব নালিস পশ্চাতে ক विव । नित्वमन इंडि ज न २५७७। जानिय ३२ उन्सील काइमी उउद ১বন্দে ৭/৪ (ভাগাড় বাস্তা शुक्त पश्चिम श्रम्भीभ जागाएं वाखा (कं कीव्याव) जावाधिम (भारम्त क्यो) अभ्युममन **उन्डिम्** মা<u>লেক্</u>ত্ৰুপ্ৰী मन बाँधी

७शशीलम्लील

मन ३२७३ मारल्य २३ जासिन जानित्थ्य भक्तासन जालीत लिथिया एए शाम्ख्य भकी भाष्ठे। २ क्वजा मन ३२०३ माल्य माथिला २ क्वजा रेखक मन ३२०२। नाः मन ३२१२ माल्य प्राथिला ३० क्वजा मन ३२१२ माल्य प्राथिला १ क्वजा

२१२ मध्युरस्का

आिम खीलाभासम्ख द्याय ७ खीरामामुन्ती मामी हेश पाता जानाहेट्डिहि या अव आत्रकीत मिथिड तित्तन आमारम्द खान ७ तिथाम मेट्ड मड! हेडि ब्रीकाभाक्षक व्याध

न् १८

মহামহিম প্রায়ুত জেলা ২৪ পর্গনার কালেক্টর সাহেব ব্রাবরেঞ্চ

वामी

প্রানবিনক্ঞ ধনু নিলাম প্রিদা জমীদার মহল প্রজ্মা সাং শোভারাজার সহর কলিকাতা

প্রতিবাদী প্রাক্ত ব্দাপ মাজন रेजातामात भर्ल भएका जार भरानराणा प्रश्व किल रुपा रामी मन २२ १० जा त्लात् र् स्व काश्वन मन २२ १२ प्राह्म के किसीत् उलस्त् जामल २१००४ -मुम् २०४४ २२

२२१०५००० विवत्न अक् या कलिकाजा भः २२९५ नः आभात् भ तिमा ज्ञाम मश्रली भक्ल भण्या जालुक याका भत् काद्व भाम जाभदल श्र जियामी मङ्कृत मालिया नां कार् ११८॥ होका

জনা ধামস্তায় ২০ বংস্ব मुफ्द जन ३२ ९४ मादल र ७ आमा जारित्य भवकात इरेट - १२ मर्त्म रेकाना सर्मा भनकान रहेटर जामल नामा था छ श्रवंक कतुला लिथि या पियाहित्लन त्य क्व লভিব লিখিত কোন কি हीं अलाभ इइ लाई मा ल जात्भवी जंदशका ना कविया थे जलव मक्ष्र भाषा तिरुष रहेद्वक, अ श्रुष्ठ श्रुष्टिनामी मज्जक्त गन २२ १० मा त्वाद कि छी क्लीव छाका जामादाव विघ्न कंत्राय ने भइल भ

ज्या जासूक श्राज्यापीव নামে জোত বৰপাত্তব नालीभ कविषा जन ३२ १२ मात्सव देवमाश्र भा श्रम भाम म्थल भाइया हिं किछ अछिवामीव व জাবা সময় দুখল আ शादम्य है: मन २२ १० मा त्तव क्षांखेन नाः जन अ १) मात्सन् देख उत्तद्व किन्ठीत जामल २१२ १४ राका ७ किसी त्थला भीत त्रुप्त ना॰ जन २२९७ मारलवं जामाएं २०१५०० हें। करा अकला ३२१० फोउ० है। का विः दिनाव श्राप्तिका व निकर भाउना उलव

जागाम्य जाम्य ना क রায় নালিশের কারন হ ইয়াড়ে ভাতএব দন ১৮ १२ मालात २० आहेतन विधानना वाकीव हिमाव मयलिङ श्राञ्चामीवं ना म नालिंग कविक्छि श्रमानामी शहल रामी भाग भवा जामल मुन ও ৩৬ আইন মতে ডা मिक दम्ला है त्व आखा इय इंडि जन ১৮७७ मा ল ২৬ আগম্ফ जावकीव निभिष्ठ विवक ভাগমার জ্ঞান ও বিদ্যাম মতে সঞ্চ जीनविनक्छ वनु

4580

মহামহিম জেলা ২৪ পর গনার প্রীয়ুক্ত কালেকটর সাহেব বরাবরেঞ্চ

कामी

ख्रीत्किनिष्क वमु भूर्ति कानत्व ख्रीकाकीकाख वाग काभूती ७ ख्रीकाक्षमान वाग किभूति मा॰ रु१० वा उन्ना अ० भाम थुन

अिवामी

শ্রীমপুরা মোহন সরকার নাএব সাং হাং বোড়াল সং মাগুরা বাদী ইং সন ১২৭০ সাল নাত্ ১২৭২ সালের মাত্ মাহা প্যাক্তর নিকাশী কাগজ প্রচলিত আই নের ২৪ ধারানুসারে পাই বার প্রার্থনা তা্যদাদ্ কোণ ৩০০ টাকা

विवत्न अहे व्य नाअव श्राञ्चा प्राञ्च प्रान्त व शत्नव श्राञ्च काम मानी अनः जाल्यक लाम व श्राव श्राप्तावह क्षोका व श्राव श्राप्तावह कामा भागा श्रामी अवः कामा अ हेकानामां अ विकामा व श्राप्ताव श्राप्ताव अ

नात होका भनित शदनत छा॰म त्क्य भे छाना जार्ता जामाग्र एक्सीत्स व कात्र भन ३२७१ भा व्यव ३८ देश के जातित्थ কবুলতি অৰ্পনে বডিসাব मम्ब काछावी 'आकाष्य नात्यवी कंट्य निकुष ३ इया कर्म कायः निववः कविया जामिएकी अक त मन २२ १० मादल है है देवमाथ नाः ३२१३ मा লেৰ মাহ মাঘ তক সে विछान नया किया क मा भवह - अर्थाः मध র আদ্যো টাকার জমা अशंजील वाकी अ शिमा

वी त्याका इंडामी कांश জাত ও তহ্বীলের মজত टाका गाउव अछिवादी मज्जूत अञादना भारतक নিকাস বৰু সমৰ কৰিয় ना पिया अठ २ काश्रन अविश इरेट कर्म भ विडाम कविया नियाह एकुर्व नालिम वाडिक डे क निकामी काशक उउ श्विलाव भक्रुउ छाकाव निकास भाउरा मुक्त अ कार्न एजुट्व अवलिंग अरित्व रेष्ठ धातात प्रका नुमार्व अन नालिम क्रि या आर्थिक या ४ नम्ब विवेद 'मन ३४७९ माल्ल्य

अञ्चल् ३० जारक एवं स्मा कप्ताय श्रिवामीव यीक उ क्रमण अञ मुखे श्रवं क नायव मभुवादमाइन अिवामी क नमन कारि त कारा श्कारत जलव कविशा जाभाव निकर श्रमानामी श्रद्भ विष्य श्ववंतक डेभरवाउ काका उ (प्लाइंड जाका इंग बीयुङ प्रांतिक नित्यमन इंडि नन ३४७७। २० मार्फ

न १८८१

মহামহিম প্রায়্ত জেলা ২৪ প্রগনার কালেকটার সাহেব ব্রাবরেও-

भ्रुश्राख छोद्रभीत्मी लग्नत उज् আকব্ৰ পাজী সাং আ বগাছিয়া প্রগ্রে মাগুরা आभामिलाव निर्वान अह যে কি: পর্গনে মাশুরা उः किः ठाम शुन अभाग वर ३७ न॰ जानुक यार् ्व मप्त क्रमा १७४ / -धाना छाज कालकछाती जिल्छाय लिभा याय उ क जालुक मध्ध निक्र লিখিত কিসমতের বক্ষ ১৯ তানা আমবা পও নি তালুকের পাটা পাই য়া দুখলীকার আছি অ তএব প্রাথিত ফিস ২৫

टाका लंडेया विस्मय दव ष्क्रभेती केतितः आक्रा इय । इंडि प्रम २२५१ पाल जाविश २२ ल्या व-)। भः **मा**श्रुवा २। जालुक अअनिव भाष्ट्रा ७। किः क्षेत्राम शून 8। 8-11२ छ- विशा किम-उँअत न्यूटम्य श्रव श्रीक्रम जारगारिया ७ मार्जर पाछि पिक्रें। कार्ये प्रइल अकलिनग्र श्रुवर्व पर्वी भूत १९ पित्रकारा e। मालीयाना भाकना » छाका देखमुनानि कला भागः इर्गाट्या ५। प्रम २२७१ माब्लर २8

আশ্বীন পওনি জালুকের भाषा इड्डेयाद्य । १। क्रक्रांनि प्रवश ৮। ७ वण्ड्यामधीम् वाय छ धुनी तनमात्र नाथा स्माइन मुद्भाभाभाग ये तामहात ব মৃত্যুর পর ভন্য পুত্র े कालीयन नाम द्राप्ती-পত्रिन मुख ज्योत मीन २। क्रज्ञांन दमना छेउ वाधिकावी अभ अधिका ती इंडेश अका मश्रल कविद्राष्ट्र । भश्राम मुख क्रीवृद्धीन 3 आकत्रा िक এই দর্খান্ডের সহিত म २२७१ मालात २८ आम्बान

তারিখের লিখিত পওনি भाष्ठा अक क्रांचा माणिल कविलाभ छोक्तनार्भन पश त्याच्न म्दका्व त्याक्षम् डेकिल त्याश्रमायाम्भ न १८ । १४ (१) भरामिक छो युक १४. क्हला २८ भव्भनाव कात्तर ক্টর সাত্েব বরাব বেঙ্ वामी कि हैं। एाज जानदर छोमिड व्या भभाषा सभी भार म्मन **५२ भः** आकिमानाम

अठिवामी श्रीसालग्रीम् आफ़ा नार् कम्म म्ह् भर् क्याकिशावाम्

मुम 850) होका

आप्रातः नालित्यतं विवतः ने अहे व्य आफियानाम् भव्यनाव क्यांटक हम्मन प्रश्नाक व्याप्ताका विन्धा श्रीप्रिक व्याप्त्रप्ताया माप्री व क्रीप्रत्यत् अविमा ज्ञी व क्रीप्रत्यत् अविमा ज्ञी व्य जात्ह् ज्यात्या श्री व जात्ह् ज्यात्या श्री व जात्ह् ज्यात्या श्री व व्याप्त्र व्याप्ता श्री 520

महक्रां ि ७। १ विद्या जिन्त काठ जालियाना काम्मानि मिका २० छात्। क्रमा अव খারিতে প্রতিবাদী মজকু तं निञ्जू नाम न्तान्त मन २२१० मा ख्वं २९ दे माभं जावित्य प्रलक्ति का शिक्त दिवा म्स्येशक भा रेम जुम क्वलिंड निश्चि या पिया शाष्ट्रा श्रञ्स क्रि मक्तुत्रय प्रति कंपन आकारों जाभि विम जा मज्जुद्वं जाम्। य যাসীল ক্রাঘ ইস্তক সন >२१० भाल नाभाइक मन >२१२ जात्सन देखा अया माल वाद्य विः विभात

आजल वाकि अन्तिका अ किसी स्थलाशी तुप् क्तुलिंक् प्रकृष्ठ ३०४. छ। का अकृत्व ४३ ६० छ।का अिकापित निक्रे अयाजि वि भाउना, उल्द कामा माय आस्थ्य कत्व नाई। এकार्न ३৮०२ माल्वर > आहेतार २७ भारात् ४ अ क्तन मुक्त भूल म्लिल श जिवामीत मुआं क्रूबाजि अ वाक्ति शिमाद मयलिङ अ य मालिजी आवकी माथि न क्रिया आर्थना य अ जिरामी क ममन जावित मा रा उलव कविषा आमाद निक्षे 'श्रमान्ति अव्दन

मिती भाष अत्हा जामा

त्यतं जातिश्च उक मूम उन

मन २५- ३२ मालात ३ जा

देन मत्ड जामिक मद म

लाहेत्व जास्ता द्य द्कृत

भालिक नित्तम्न देखि मन

२२१२ माला जातिश्व १८६५

आमि खीनविन हाँ ए एउ रेट्रा जानारे छोड़ द्य यरे आविजित निश्चि विवत्न आमात ज्ञान अ विन्नाम भटा मडा रेडि

क्रीनिवन घेम मछ कात् अवाराज अज्ञासक क्रीयुक विवासी

प्रात्व चिश्रुणी कात्मकवत्

श्कुम ठ्रेल य जलव जामा मिश्रिलत मा कित देक: प्रिय रेजि मन ३৮५५ माल जातिभ २० -भार्ष

জ্রীর্গমচন্দ্র চট্টোপাধ্যায় মোহরের

হর্মহ্ইল যে
বিচার্গম ডিঃ কাঃ প্রায়ুগ
কুলার হরেন্দ্রক বাহা
দুরের সমিপে অপন হ্য
ইতি দন ১৮৬৬ সাল ভা
বিশ ও আপ্রেলা

স্থারণমচক্র চটোপাধগায় মোহবেব

अकलाम बीयुक कुमान र्द़िक्क क्थ राश्मूर अपर स्भिम रुर्ग १कुम इरेल त्य फि:काः आंभेड ३७ এळाल विघादव्त प्रिम भा য্পেয় বিভিন্ত সমন হ য় ইভি সন ১৮ ৬৬ তারি क्रियं क्रियं भ 8 अद्यन बर् ८० भर्गार्थिम रक्तला अल्यानक्83 २८ भर्भमात् छ। युक कालकृष्ठ माञ्च ব্বাববেঞ্চ

प्रभाख कलिकाका भर्भमा अभग त्र क्रिम्त् भानीश्टी नि वामी छाधानकृष्ण वाष्ट्रती श्रुष्त् नित्तम् अहे य ष धित्व कात्र किर्नित प्रथाख जांपालंड रायत्-मात्मला त्माक्षमा देखभ দিব তদিবৃত কর্ন জনা मन २२७२ माध्नत् २५ आधि न जारिक मित्रात् का জ্পব প্রাপীতাম্বর ঘটক उ छोरोइर्दाम र्नाभाश य ७ ब्ल्ला बीन्यात श विलि मञ्त अन्त्रमात् का हुए। भाषा माक्तित्व औ युक केंद्र इत्न मूटभाशा

भाग ७ कालकाका भव भनाव भानिकारी माकि नित्र विश्वस्त दाश कोधूरी ७ डेक প्रश्नात मुक्रे माकित्व छोलाविम् छ मुद्भाभाषाय এই शाँह জনার নামে অামি আম নোজার দিয়াছলাম তথা त्था डेक विश्वास्त्र राघ क्रिश्ती क्लेफ करियाक ववः क्याविक इक मुत्था পাশগ্য অতি কচকিতেব লোক ও বিশ্বাস্থাতক জানিয়া ভাহাকে আম कारणवी कर्म इहेट र कउनक कविया रुजुद्व प्रांभाक पिया भार्यक

যে অদ্যকার তারিখ হইতে উক্ত লোবিন্দ চন্দ্ৰ মুখোপাধ্যায় যথপি আমার তরফ কোন আদালতে দ্রথান্ত আদি দ্যথিল কি কোন তদিরতি অথবা সঞাল জ**ওবা**ব করে তাহা হজর আদালতেগ্রা হত যোগ্ড হইবেকনা সুশোচরার্থে प्रथास कविलाम बीयुर मानिक নিবেদন ইতি সন ১২৬৭ সাল তারিশ ১৩ আষাঢ় श्कृम श्रेलया সেরেন্ডায় থাকে ইতি সন১৮৩০সাল

নং ৫০
মহামহিম জেলানদীযার

গ্রীযুত কালেক্টর সাহের

वं द्रोव द्रिष्

বাদী প্রতিবাদী
স্বরূপচন্দ্রপাল স্র চন্দ্র দত্ত ও গয়ারামদত্ত
প্রতিবাদী গয়ারাম দত্তের পক্ষ
বর্ণনাপত্র

১। ছোট হাতিশাল প্রামের ৩৪।৩ विद्या जिल्लीत 3911/30 की कार পৈতৃক এক জমা আছে ও ১২৩৬ শালের ২৫ ফাল্ডণ তারিখে প্রাত্তা প্রতিবাদী হরচ্ছ দ্তর নামে ৪ । ত বিঘা জ-মীর কাত ১৯৫ টাকার এক-ज्या लहेशा अकृत ३०१२). টাকা জনায় আমি ও প্রাতা হর চন্দ্র ও প্রাব্রুপ্র বল রাম-प्य पिशत अज्ञाल प्रथ-লীকার আছি ও আছেন, বাদী জন্মা জন্মী কন্মি বেশী

করিয়া দাবী করিয়াছেন र। वामी ३२७१ माल २७७ আনা অংশে পত্তনি সূত্ৰে দ-থলীকার ছিলেননা। প্রাদের अर्तिक ज्हमीमात विश्तीनान ও মৃত কেশব দন্ত রায়ের অংশ १/२॥= भाना भाषाने ऋत्युऋयुः वान थाकाग डेक मत वापीव প্রাপ্য ২५১৮। টাকা গোমস্তা इं लाविक वजालं निकरे আদায় করিয়া দাখিলাপাই-য়াছি, উক্ত সনের বাবত কিছু-भाग (एना नारे।

अधि ३२७५ माल जे भाषशी वर्षाणा जिञ्चीत श्राश्चारणत भाषा १००१ आनावादी भर्जन

नरेशा प्यलशान नारे। जेक ডিহী প্রাপ্ত সরিকের বিপক্ষ সরিক ঈশান চক্ররায়প্রসৃতি পুর্বমত অংশানু সারে দখলী-কার থাকায় ঐ অংশের থাজানা डेक निर्देशक निकरे आपाय করিয়া আসিতেছি এবং বাদীও शूर्व अः भमत १ १॥= जाना রকমের পতানিদার ছিলেন। ४। १२%৮ माल रामी भउनि কোন অংশে দথলীকার নাই। कात्र डेक विश्ती लाल ७ किनव-চন্দ্র রায়ের অংশ দেন ডিক্রীর নিলামে উপেক্ত নাথরায়ওযদু ना थताय अ वातिकाना अ अदी हार्य थरिएक विशा वामीत भग्रिम फ शिक्र विलिशा वामीकं विष्येल

করিয়া থাসদখল করে উক্ত নিলা ম থরি দারের গোমস্তা গণের নিকট আদায় করিয়া দাখিলা পাইয়াছি

৫। সরিক জনীদার দৃত विनयाती लाल ताय मीगत्र अश्म র জিক্রীদার নব রূষও রায়ের निकर्र १/३७ ।— आना ३३७४ मा-লে বাদী পত্তনি লওয়া কহেন এবং ঐ অংশও উপোরোক্ত लएथली उ प्तानता अः भ ধরিয়া । পঠ। আনা দাবী করিয়া-ছেন আদৌ নব ক্ষারায় আদা-লতের কোন নিদর্শনের দারাগ্রাম দ্यनीकात इस्मिनाई ७ वाही उ আপন পত্তনি পাট্টা কি আমল नामा अंहात करतन नारे। उंक.

অংশ বিরজাম্যীবর্মণ্যা দথলী-কার থাকায় তাহার আপ্তিমত ঐ অংশের থাজনা কোন পক্ষকে দেওয়া হয়না। উক্ত অংশের **प्रिकाश का** अवस्था १२७৮ मालित २०% होका ७ ३२.५७ শालित नाः जाजं निश्री उलव সুরুত ১/৫ টাকা একুনে ৩২/১৫ **जिंका आर्टन म**रू एक्त्रे मिथिन किति छिष्ठि, धे महानू माता वामी শ্বস্তু সাব্যস্ত ব্যতিত অত্র নালীসে অধিকারী নহেন।

७। ३२७१३ ३२७৮ माल शालं प्राप्तिल कान ज्ञी उर्रे वनी क्लांज हिलना वादी य ज्ञिमी उर्रे वनी कतात नालि-अ कतिशोहिन खेळां ज्ञीत প্রথম বন্দে চৌহন্দী অনুসারে কোন জমীনাই দিতীয় বন্দের চৌহলীপুণ্ড ৫॥ বিঘা জমীআছে
হলাপুণ্ড ৫॥ বিঘা জমীআছে
হলাপ্ত সামার সাবেক জমাপ্রথম সামার সাবেক জমাপ্রথম সি বিঘা এ হাল জমাক্ত
হাত বিঘা মায় সন্দর্শি ডাক পাহকের চাকর রাজ্য চন্দ্র মুচির ১
বিঘা যাহা আমি পাইকস্তাজোত
রাথি অভএব ওটবন্দী যেদাবী
করিয়াছেন তাহা মিথ্যা—

৭। বাদী তাদ্র ও পৌষদুই কি-স্ত্রী ধরিয়া যে হিসাব অনুসারে দাবী করিয়াছেন সে দেশা চারের বিপরীত। উক্তপ্রামে কি: তাদ্র । পানা ও কি: পৌ। পানা ও কিঃ চেন্ত্র। আনা এই রূপ কিন্তী পার্বহ- मान প্রচলিত আছে। अতএব দাথিলাও পাট্টা आলাহেদা ফি-রিস্তী মুক্তে দাখিল করিলাম বা-দীর অন্যায় দাবী হইতে মুক্তি দিয়া থরচা মায় সুদ দেলাইতে মাজ্ঞাহয়।ইতিসন ১২৬৯ শাল ৩ আখিন

গ্রীণয়ারাম দত্তপ্রতিবাদী সামি ইহা জানাইতেছি যে অত্র বর্ণনা পত্ত ঘাহা লেখা আছে জা হা সামার জ্ঞান ও বিশ্বাঘ মতে সক্য গ্রীণয়ারাম দত্ত স্প নং ৫১

मश्मिश्रिश्चीयूजरङ्गानिहीयात कालक्षेत्रं जाट्यवंतावल्यू

प्रथा की मूननी निष्मिष्न তালুক বলেশ্বর পুর আমার গারজ এই বলেশ্রও ন্যেমত-পুর দুই প্রামের সদর জমা asrest पंकाद जमा-या-মাদিশের ও কাষ্টদাহার সাকী-নের প্রীকালীনাথ বসুর তালুক निमिनी तकम २००८० छोका জিঘাসর বরাহ আমি ও২৯৯৯৯ জমা সর বরাহ্ বসু তালুকদার এজ মানীতে করিয়া আসি-তে ছি কিব্ৰু বসু-তালুক দার কিন্তীং মালগুজারির আদা-য়ের গাফিলতি করাতেএক नारे श्रेल आपि प्रवल्ग णेका कांजिल पिया लाएं

রফাকরিয়া আসিতেছি: তাউৎ বাট্টা মারার কারণ বসুতালুক-দার প্জুরে দ্র্থাস্ত করেনদা তাহার মাল গুজারীর গাফিলি-তি করার মতলব এই তাহার ठारे जीव जनाथ यम मनकात বাহাদরের -উকীল প্রত্রে হামে-मा राजीत थालन नारे रहेल उँ र जो कि शालय है है। उड़े সন সনাত্ আঘাকে মবলগ रोका - जाहात वाकी आमारक দিয়ে মহাল ৰজায় রাখিতে रहेटउ ए । रत्रु भ रिक जानूक पा-র বাটআরার কারণ দ্রখান্ত पिंव पिष्टि करिया रोलमणेल করিয়া দেমনা একারণ গো-লাম হুজুরে দ্রথাস্তকরিয়া

তিমেদ্বার যে মাহাফিক আহন জোরিফ আমীনমো-করর করিয়ামক: সাল বাট-গারা করিয়া তাউও আলা-হিদা লেখাইয়া লাইতে গ্-কুম হয় ইহা আরজ করি-লাম ইতি সন ১২ ৪৫ শাল তারিখ ১৯ অগ্রহায়ণ

रेनापी

न९७३

मश्मिशिक्तना न पीयात শীযুত কালেক্টর সাহেববরাবরেষু প্রতিবাদী वाकी শীসরুপ চন্দ্রপাল | শ্রীহরুচন্দ্র দত্ত সাংচক হাতীশালা | শ্রীগয়ারামদত্ত थानानाकामीलाड़ा) जा कार्र श्रेडी गाला থানা নাকাশীপাড়া पानी वाव**रठ दे** अन ११ ७१ जाल नाः १२७२ मालव छाप्र उनवी वाकी थोजनो माग्र जुए ३१०॥ **डाका** নালিসের বিবরণ এই যে আমার পত্তনি তালুক পরগণে বাগগুয়া-নের অভ:পাতী ডিহী নাকাশী भांज़ात जामील स्मोदक शर्

राजी भाना आत्म श्राठिवामी গণের প্রাতা মৃত গঙ্গারাম उ প্রতিবাদী গয়ারাম দ্তর ना प्रिक ए०/ विद्या जिल्लीत का-उ जिया ३५५० दे दिन उ अ जमात को ज पाती (৮ गणा किमात १२) ३३ याना अकूत ३०।/३७ छोकात जिया । निरुद्ध को श्लीत लि-থিত ওটবন্দী সুরতে জোত ৩ ৷ বিঘা জমীর থাজনাং৮১৮ छोका अकुत्न जन्मा अअधेवनी-त्ठ १२०/३८ ठीकांत्र घाट्या जामा-র পত্তনি অংশ স্ন ১২-১৭ পাল থ১৩ আনা রকমে থা-जरना राकी ७१० रीका अनन ३२७७ लाल के जन्मी ३३८०

हाका अ भी दहत लिथिक है / বিঘার থাজনা ৩॥% টাকা अकृत २१५२० मेकाल आ মার পত্তনি অংশ । গঠ।— आना तकरम ठाकी २। १४॥== छोको उ जन ११७२ माल अ ज्या ३२।/३७ होकात आर्या-त अउनि के 12) - जाना গ্ৰংশ পরিমাণ লাগাদভাদ্র उलवी वाकी ७५०% । छाका त्यां छ मा अ अ रे वसी त्य जाजल ३४।२/३० = छोका उनारधा डेजून विः हिनाव २५२ ७ र वास्त वाकी ३०॥२॥= টাকা ও হিসাব রোক তদ্যসুদ अ। रिका एकत ३१/०॥-देकिं श्रिठामी गलद निकरे

भाउना मा ना ना किया প্রার্থিত দাবী মায় সুদ থর-চা সনগং ৬২ শালের ছয় আইন মতে থেসারত সমে-उ एमलाहेर आखाह्य। नालिए जून प्लिल जन ३२७०।७७ जालात ज्या-उ याजीन वाकी पुरे नशीजाय আরজী সহ দাখিল করিলাম इंडि-मन १२७२ मान जातिय उप छाड

मश्मिर कला निमात्र है है है। जिल्ली का त्लक देन हैं है। जिल्ली का त्लक देन हैं हैं। गिराप्त वना व तम्

प्तथा बीताम हाँ प्रमाश বিলাতী সরাবের হোল সেল দোকান দার মোং গোয়াড়ী ক্রে-লা নদীয়া আমার নিরেদনএ-ই যে আমার উক্ত দোকানের পাট্রার মেয়াদ আগত ইং১৩ আপরেল মোতারেক ৩০টেত্র प्रम १२ १८ भा त्नत् १ विभाव्य গত হইবেক, এবিধায় -অত্র দর্থান্ত দারা প্রাথিত্যে আ-গত সন ১৮৬৮ শালের ১১

আপরেল মোতাবেক ৩০টো পর্যন্ত এক বংসর মুদ্দতে প্র-নরায় আমাকে পাট্রা দিয়া রীতি মত ১৩ টাকা আমা-র নিকট লইতে আজ্ঞাহয়। লিতি সম ১২ ৭৩ শাল তারি-

नः ८८

प्तथाङ श्रीताश श्रियनाथ को भूति भार गण व ननत भः नकी भूत आ-पात निद्यम्य अहे ए भून्द्र

বন সংক্ষাত্র ১০১৩ নং ভৌজীতুক চক সুমানতলি আঘার ওবামাচ রণ অধিকারী দীগরের নামে সুন্দর বণের কমি সনরিত্ত বন্দোবস্ত रहेशाएड के महात्मत् तक मारेश= সানা আমার নিজাংশ ওরকম १८०। - जाना इस्त्री भूत निवात्री প্রীবামাচরণ অধিকারীর অংশ ঐ বামাচরণ অধিকারী ঐ পঞা-आना आभात निकर वश-राउ वन्पक शिशा है। का कर्ज लहे गाएन। এইফ cn वर्ड शान प्रन 53.93 मालव लाः अध्यश्यंन তলবের বাকী রাজ্যতা-হার নিজ অংশের ৩০০ जिया पाथित्व त पिन गवर्न

भिष्ठ इर्ड अपर अवशावि হইয়াতে এ টাকা আমার রয় বাতের বিষয় নম্ব করণের মত-नद प्रिथिन किंद्रिलकना, अ কারণ প্রার্থিত যে বামাচরণে त १७७।— आनी तकरमत् थाजना ७०/७ होका जाम त निकर लाई या निलाम तका করিতে আজা হয়। আর ঐ রকম মজকুরে জোক সা জ্ঞাল নিযুক্ত দারা আদায় তহসীল করণের পক্ষেবিহি-उ ्रेकुम अमान रश निलम्न ইতি সন ১৮ ৩৫ মাল তারিথ ১২ জানয়ারি एकम इहेल य अतिकान मृथां अ अर्थन होका

দাখিল নাকরিলে, ছাগ্রল টাকা দাখিল করে ইতিসম ১৮৬৫। ১২ জানের

জোনাবেষ্ निस्त्रम्न अय ऐत्रशास्त्र লিখিত ক্তির টাকাপ্তঃ लानुशाबि ३२७२ नः खिलि वीत्उ दम्बनाथ ह्याच त्याका त्त्र रहु नाउ तिविभिषे ए C5 - १० V ७ ऐका जन्मा रहेमाङ य एउला कात्र भिरव प्र रेडि भन ३৮ ७०। ३० आखिल শীদারিকানাথ ঘোষ एकुम रहेल या म्द्रिकार्य ताथा योग । रेंठि जन ১৮-৬৫।১৩ আপরেল

75,00

भ शंभ हिम एक ना न मी शांत খাযুত্ত কালেক্ টর সাহেক্ বরাবরেষ্

才 行 विष्यामाभ कराकेशको हिल्लोलक महकी

लाम्छ+ -

রণয় বিভার-भार ठीम वजन हेर्सामन

কোডয়ানী

अठिवामी "

- अशान्त

अशालात औं अभ्यास । अष्यान एक की अ भारक्छं नगत

ই ফেসন কোত্রমানী

মোকর্মমা দশ আইন ডিফ্রীজারীকরিয়া অাসামীর মাল ফোক করায়' মোপামী বল পুর্ববক জ্রোক বেদখল করিয়া মাল লওয়া.

ৰিবরণ আদি দানিবের পক্ষ হই क প্রতিবাদী গণের নামে > नयात्व जिक्री कावी कवि-या पिन्दाखंद प्रान ट्यांक क-রিয়া পেয়াদার সমতিকাহার গত ১৫ বৈশাখ তারিখে বে-লা ও দ্ণুর সময় আমার ত-রফ মালের পাইকও সাক্ষী গণকে পাঠানতে আত্মার পঞ্চের মালের পাইক আ-সামীর বৈঠক থানার ৫জোড়া क्लाएं उ नीकल ३ वकरी नि नान पिय़ा लिय़ा प्रांत्र जाश्रा का क कतिया के मान डेंगेर्या আনার উদ্যোগ করিলে প্রতি वामीगन उ उ जिल्लाद ন্থার চারি পাঁচ জন লোক

ज्हार वनी इरेश (भग्नापाक जाज़ार्या पिया काकी मान छिनारेग्रा लर्गाट्स, जिकी জারীর পেয়াদা তৎবাবত कालक पेत्री उ अङ श्रंत क तिशार्छ, अभ्य धार्यना আমার সাক্ষতলব করিয়া विठात श्रुक्क अठिवापी भव क उंहिज माछि पित्ज आखार्य। रे जि मन>११४ माल १० देवमा य

সাকী

ত্রীরামনাথ দেনব
ত্রারীপ সেথ
ত্রারীপ সেথ
ত্রারীপ রোধ
ত্রাং চাঁদ নগর

THE SEPTEMBER SAT

মহামহিম জেলা
নদীয়ার শ্রীযুত কালেক টর '
সাহেব বরা বরে মু

प्तथास ही रमः क्रिम्म रिल माएव स्मार क्री निश्चिम भूत

याश्र मात्र भाष्र भाष्रियश्री त्र महरूष्याय हिन मारहख्द नाम भावेब छ सं रहास्त्र मह्म कार **一个公司以上** के जाशक र्रूटीर केंक्र 大学の気は ट्य अस्थित नामकार्थी, उक्त्यम् क्षात्र यात्रा 市5 त्विक्तेती, नाम, नाम, त्विक्तिहि, नमत्. नः, श्वामा प्रश्न श्वापातित्वत् क्या नाम २०१० वालगायाण, वालगायान, त्वनवहन्त्रांम्, विगान्धे

28

विबद्ध अर्थ य बालायान जा कि-নের কেশব চন্দ্র রায়ের ২১৭১ नः उोजीत वला वडीत मश्न उ वालाग्नान मिशत म्त भयनि र्कृक - 3 अन्जन्य राष्ट्रावसी मशल आभात निकर्ध के কেশব চন্দ্ৰ রায় 'ব্য়বল ওফা' রাখিয়া টাকা লইয়া কোবালা निथिया (एयं। नियम काल টাকা -আদায় নাকরায় বয়বাত জারীর দারা ব্যবাত সিদ্ধমতে উপরের নিথিত মহালাত দ্থল পাওন বাব্ত অ্ল জেলার প্রীয়ুত জজ সাহে र्वत ,र्जु त ३९ नः नालिम कतित्व ३५७० मात्वत् १ ভিসেম্বর তারিখের মোকর্দ্দ্মা

দখল পাওনের ডিক্রী হয়। পর উক্ত ডিক্রী জারী করিয়া आभित्उष्टि। अक्राल प्रेरंभ नः जिजीत के वालाग्नान মহালে কেশব্চন্দ্র রায়ের नाम পरित्रि आमात् नाम জারীহওমের বাবত দ্রথান্ত कतिया आर्थिङ ध्रमानाः पि গ্রাণে পূর্বক কেশব চন্দ্র-রাম্থর নাম পরিবর্ত্তে আদার नाम जाती कतिया फिनिप গহণে আমাকে পরওয়ানা क्ति आखार्य। तिनवहस ताराव निथिया फिउसा कावाना पाथिल कतिनाम। रेडि-प्रम 52 95 1 . 53 आश्विम

नर् ८१

पश्मिरिप एक ला निर्मात श्रीपूठ कालक् हेत प्राट्व वता ब द्वयू वादी श्रीठ वादी श्रीञ्चक ल हेन्द्र लाल जिनकड़ी खाद्य भार्षक शिल्माला प्रार्वायूग्रा कहते गाना नाकानीलांड़ा याना नाकानीलाड़ा

> দাবি। বাবতে ইন্তক্ষমন ১১৬৯ সাালের অদ্র তনবী বাকী থাজনা ৪॥১৯৮ ট্রাক্রা

নালিসের বিবরণ এই যে আ-মার পত্তনি তালুক পরগণে রাগ থানের অভঃপাঠী ডিহী

नाकाशी भाषात्र जामिल मी-জে বাঘুয়া তহরি প্রামে প্রতি वामीत लिङा भूड, इिमाम याष्ट्रक नामीय ए% विधा जमीव काङ जन्म ३१ १८ १। टीका उ এ জনার ফৌজদারী ফি টাকায় , भिषा हिमात Vo प्रकूत ११ भे গে । ঢাকা জমায় উক্ত প্রতিবাদী ও তম্ম প্রাত্তা আনন্দ ঘোষ ও वालियंद धाघ এऊ माल प्यनी-কার আছে, তাহাতে সন ১২৬৭ সানের আমার পত্তনি অংশ अभा तक भा नि साना थाजीना वाकी 813 टीका उनाए উক্ত বাণেশ্বর ও জানন্দর দলে त राप्ता १ ४/१। छोका वाप्प अछ-वाषीत निक्ट टपना ३ १० %

টাকা ও সন ১২৩৮ সালের আমার भवीने जाः म । ग्रीन जाना बेकरम के जमात भाजना ताकी ११३ होकात पत्थ के वारमध्य अ आनम्पत् एपना ४ भेगा होका वातम वाकी श्रिष्ठ वापीव त्यमा-रामिक ५७ ३२७ व जारत आयोज लक्षा अश्म के भिका- महि-मार्प वाको १।२ ठीकाव मत्था डे-क भामना अ तार्वाश्वात रम्नो 8 लेग रोका वाटम शहरापीत त्मना राजेभ्य । एकिन प्रत्थ नां गारेप जाम उपासन अभि ३ २० ५० । होका जेकून जानन (3812 टीका जनात्थ जेमूल विः शिमाव ५ आना वार्ष व्यकी शाक्शार्य पीका उ मूज

१०७८५ आना त्यां है। १०० है।-का প্रতিবাদীর নিকট পাওনা मरु गालिम क्रिया প्राचित्र দাবি মায় শ্রুচাও সুদেও সৰ ३५७६ जात्मंत्र ७ आर्न मुहु থেদারত সমেত দেলাইতে-আজা र्ग । नालि भ्रत भूल प्रलिल भन १२७०। ७७ मात्नत अपा उग्रामीन वाकी अंध वामी शिविष्ठ का য়ের মোকর্দমায় দাখিল করি-या हि अभू कि वि होत इस नित्रमन रेठि

ন্থী হর গোবিন্দ বড়াল মোজার এই আরক্তিতে যে দকল ক থা লেখা মাছে তাহা আ-মার জান ও বিশ্বাহ মতেমতা

नः ७४

মহমহিম জেলা নদীয়ার সীমুত কালেক টর সাহেব বরাত রেঘু বাদী প্রতিবাদী সরুপাচদ্রপাল রমানাথদীগর

> অত্র মোকর্জমার প্রতিবাদী সীতানাঝ রায়ের পক্ষের বর্ণনা পত্র

া বাপুয়াডহরি প্রান্মবাদীর আরজীর ২৯॥ টাকার জনায় ১১১/১। বিফা জনীতে আমি ও আমার জ্যেষ্ঠ প্রাহা প্রক্রি রান্ধি রমানাথ রায় ওজনালে

पथलीकात आधि, वामी अजनात ৬০/ বিঘা জ্মী যে লিখিয়াছেন তাহা মিঞা २। यामी १२ ७१ मादन उंछा প্রামের সরিক জমীদার বিহা-রীলাল রায় মৃত কেশব চন্দ্ররায়ের अर्मित विशास आगात भग्रिम चरत् प्रभावितात थाकास उक जत्म के जिल्लान वावन वामीत श्राभा अमृत्य भाजाना अभिक्र **राका रामीत लाध्या श्रहणारिक** বড়ালের নিকট আদায় করিয়া पाथिला भारेगाहै। उंक मतं वामी थे >> आना जर्ल य দাবী করিয়াছেন সে অন্তায় के जन वाही डेबामशी वर्ष ना जिकी शिख रहेल रें।

याना वामी अउनि लहेशा म्थल भारताहे के अः ताद कठकाला ' ঈশান চন্দ্রবায় প্রতৃতি সরিকা-ন এক্ষণতক দ্থলীকার আ-ছেন এবং বাদীর পত্তমি ঐ প্রা= আনা অংশতুক पर्व गर्भ आरष्, वा मी अर्भिक पारोता **२)**३७ जोना अःस দাবী করিয়াছেনা ७। ३२७৮ माल वाषीत পশ্তনি কোন অংশে দ্থলীকার नारे। कात्रन डेक विश्रती लाल उ कि गव ह स्मित् अर्भ प्रम **उक्री** विलाप उला नाव ও যদুমাথ রাম ও দারিকানাথ তটাচার্য্য পরিদ করিয়া বাদীর পত्रनि अञ्चल विलग्ग राप्तीक

বেদ্থল করিয়া উক্ত অংশ থাস দ্থল করায় নিলাদ্ধরি-দারের ণোদস্তাগণের নিকট ঐ অংশের দেনা থাজানা আদায় করিয়া দাথিলা পাইয়ান্থি। ৪০ ১২৬৮ সালে সরিক জমী-

দারের মৃত বনয়ারিলাল রায় দি-গের অংশের ডিক্রীদার নবকুষণ शास्त्र निकरेवामी ग्रेश-আনা অংশ পত্তনি লত্ত্ত্যায়কহেন এবং उদ्শ সমেত ঐ সন হইতে । পঠ।— আনা অংশের দাবী ক্রিয়াছেন। উক্ত নবকুষণ রায় আদালতের কোন নিদর্শনের দারা প্রামে দ্থলী কার হয়েন নাই এবং বাদীও পত্তনি পাঢ়া कि आमल नामा अठात कलनगरे

के अर्ल वित्र हा हो। वर्षेणा मथ-লীকার থাকায় তাহার আপন্তি মতে উক্ত অংশের থাজানাস্থ্য সালে কোন পক্ষকে দেওয়া হয়-नाई राकी आएए अमञाबन्धाः বাকী সত্য সাব্যস্ত ব্যতিত অত্র नालिए जन्धिकांती ৫। বাদী কিন্তী ভাদ ও কিন্তী পৌষ দুই তলব ধরিয়া হিসাব অনু সারে যে দাবী করিয়াছেন তাহাদেসাচা রের বিপারিত। উক্ত গ্রামে কিন্তী ভার 11- আনা কিন্তী পৌষ। আনা ও বিন্দ্রী চৈত্র ন আনা আবহমান কাল প্রচলিত। অতএব প্রমাণাদি প্রহণে অন্যায় पावी इरेट मूक पिया आमात প্রাদ্ধ থরচা মায় সুদ দেলাইতে আজ্ঞা হয় ৷

মহামহিম জেলান্দীয়ার প্রীযুত কালেক্টর সাহেব বরাবরেষু

দর্থাস্ত প্রীতারিণী চরণদাস মোজার নিবেদন এইযে বাঙ্গালা সন-১২৬৩ সাল হইতে মোজারীকর্মেনিয়-ক্ত হইয়াবাঁশ বাড়িয়া নিবাসীগ্রীয়ক রার হরিশ্চন্দ কুণ্ডু ও ক্ষঞ্জনণর নিবাসী গ্রীযুক্ত বাবু বামাচরণ চৌ-ধুরী প্রভৃতি জমীদারের তরফ নানা আদালতে আম মোজারী কার্য্য করিয়া আসিতেছি অধুম্

मश्माना अपत त्वादर्त विशेव বিধান দতে মোকারী শ্রেণাতুক হতনের জন্য আলাহিদা ফারম মতে হজুরে দ্রুথাস্ত করিয়া প্রার্থি उ य आमाक माऊदी अनी-বুক্ত করিয়া সন ১২৬৫ সালে র ২০ আইনের বিধান মতে त्रीठि मठ नार्धि फिरकरे मिरठ আজ্ঞা হয়। প্জুর মালেক निखपन रेंछि जन ११९७ माल তারিম ৩০ বৈশাম

नः ७०

भश्मिश्म जिलानपीयात শ্রীযুত কালেক্ টর সাহেব বরা বরেমু-বাদী अछि वामी **अ**क्ष अ क जिल्ला न छिनू खाय अय पाकर्ममाग्र প्र ठिवामीत পক্ষের বর্ণনা পত্র 3। वामी ३२७१ माल भग्री मूख २) ३५ आना अः (म ५थनी-कांत्र हित्ननंगा। डेक मत्न পৃথ= আনা অংশের প্রদ্রন-দার থাকায় বাদীর আরজীর लिथिত जमाग्र आमात् अः लात् **दिनां** जानिशाना .433 आनेत् मस्य डेक मल रामीत कथिङ

५० आना लामछा इत लाविक ব জালের নিকট আদায় করি-गाहि। अञ्चल जिकी श्रास्थ भविक ज्ञीमात उमामशी বর্মণ্যার অংশের /১৩1---আনা বাদী পত্তনি লাইয়াতা-शास्त्र प्रथल भान ना है, अम्याली উক্ত ডিক্রী প্রাপ্ত সরিকের বিপক্ষ র্গরিক ঈশান চন্দ্ররায় প্রতৃতি পুর্বি অংশানুসারে দখলীকার থাকায় ঐ তাং শের থাজানা উক্ত সরিকা-নের নিকট আদায় করিয়া আ-সিতেছি এবং বাদীও পূর্ব্বি অংশ মত নৈ শানা রকমে পত্রনি সুত্রে দ্থালীকার ছিলেন १। ১२७७ मार्ल वामीत প্লান্তনির কোন অংশে দখলমাই

कातम १२॥ - भागा अर त्मत मा-লিকের দেন ডিডীড় নিলাম সুরেজ-गण राष उ पात्कानाथ उद्धी हाय उ यम्नाथ राश थितिम् क्रिशा वामीत পरानि अजिन्न विनेशा गरीक तन मथल करिया थान प्रथल कराय উক্ত নিলাছ প্রিম্বের গোমস্তা-गलाइ किए हे जान अज्ञाला व थाजाना जाएम कविशा परिवा পাইয়াছি এবং সরিক ঘুতবনোয়া-हीनान हाध पिटाव पश्टात उकी प्रांत नगरूष्क वात्यत मिकंटे ४००-भ्याना आरम विशि लग्रानि लग्राम क द्भ अंबर के विवाधी । छे शासांक खम्थनि-७ पांचात्रा अः म मरमङ ३२७৮ नाम ररेख । ४२।— आना র পত্তবিদার করায়ে দাবি করিয়াহৈ

घन्छः केळ गरकक आंपानछः कार्न निष्कतित बादा प्रशामीकार र्यान नारे अद नामेश अवि পাট্টা কি আছল নামা গেটার ক द्धनारे भे 'अर्ल विवृद्धत प्रशी বর্মণ্যা দ্র্থলীকার থাকায় জা-হার স্গাপত্তি মতে কোন পঞ্চক ये अः त्यं याज्यमा तम्असा इय नारे। जे अरा । त वावज आ মার অংশে ১২৩৮ সালে॥ বাদে টাকা ও সন ১২৩৯ সা লের নাং তাদ নিশী তলব मुत्राह्य 1/ अकुल ५२/ आना ন্যায় দেনা আছি, এমতাব-श्राय वादी ऋत माराख राजीउ अय नालिस अन्धीकाती ক্ষত্রতাব দাখিলা ফিরিছি-

युट्फ माथिन करिनाम । आरमाक मछ अमागामि लहेशा जन्मां मा বী হইতে দুক দিতে আজ্ঞাহয়৷ ইতি সন ১২৬৯ শাল তাৎওড়াঞ্চা প্রী তিনু ঘোষ 'আমি ইহা জানাই-छिष्टि य भर् उसना लाखन कथा সকল জ্ঞান ও বিধাষমতে সত্য

ক্ৰীতিৰ শোৰ

46 33

अंकोर् (अर्ज्जे भश्मिरिम रक्तान नियात है के श्रीयुठ ६५ १५ का लक्रित क्र সাহের বরাবরেষ

দর্থান্ত শ্রী গোলাগ আজগার पिछा नियम्न এই य आधान দর পতনি বসত ডাঙ্গা প্রামৌর

क्त्राति 'ऋगीत बैंकि हत् वज्रख डा-आत जभी घारा भवनि पातळीकू চারু চন্দ্র ঘোষের বিনাম দার শামাচরণ ঘোষের নামে সরকার হইতে সন ১২৭১ সালু তক মেয়া-मी वत्मावल हिल। अ त्यसाम শাত্রীত হওয়ায় পুনরায় সনসং-१३ जाला विशे वत्कावङ इच्चाइ কারণ চর মজকুরার ভুমিজইশ -তদ্**তর** জন্য গ্রীপুর্কিটকু মুলা পার্যায় আখীন মোকরর হইয়া খাগার বে মোকাবেলায় তরীপ তদ্ভ ক্রিয়া সাবেক বন্দোক্ডীর होश्मीत् अञीतिक आन्माज ৩০/ বিঘা আমার দূর পত্তনি जानुक राजा जाजात, कताति आहिति एकाल नामक ७००%

विचा जभी छ ज्ञा अप्पदाहत জনীতে হন্দি করত কাশজ দা-খিল করিয়াছেন। সেইজ্রীপ অনু সারে আমার অজ্ঞাতে পরতাল হুইয়াছে। ধর্ষাব্তার পশ্বনি দার শ্রীফুড চারু চন্দ্র ঘোষ अ रमछ डामा प्र भखनि प-ওয়ায় আমি সন ১২৭১ সাল श्रदेख अ वमन जामा पित्र প্রামে ও ডং, নক্তি বন্দো বস্ত্রী চর বসন্ত ভাপায় দ্থলীকার आछि। अहे कल डेक हत জ্মী আমার সহিতবদোবস্ত হওয়া বিধ। কিন্তু আমার ক न लाक कि आपि ঐजित्रल त राष्ट्र किष्टे जाउनिह। धमहरू आर्थना के कताति क्यी

ज्रिश हत जिमे रहेल वाम पिसा भावक वत्मावखत की रूपी प्रज आपीत्मत ज्रिती ह्या वकी ज्यी आपात महिन विस्ति के किति आखार्या नित्यम्य हेति. भम २२ १६ भाग ज द्यमान्य

प्रश्नादिन एक लो निन के हिए हैं। शाक श्रीयूठ को लो क्लेक हैं हैं हैं। भारक यहां व त्वयू हैं। शिक्ष होंगे

দর্থান্ত ওয়া জরাত্ শ্রীপ্রমথনাথ ঘোষ ও শ্রী আশু তোষ ঘোষ পত্তনি তালুকদার নিবেদন এই

যে মহারাজা শ্রীযুত সতীশক্ত বাহাদুর আমাদিলের নামে ৩ नम्बतः ३५, १०॥ ३० हे। कात्र भारतमा-নে যে ৮ আইন জারি করিয়া ছেন, সে নিহাত অন্যায় হাহা निंद्य निख पिछिष्ट । । মহারাজ্য সদ্রথাজনার **ोका**य, त्रृप वात कतिया नानित्र করিরাছেন, নিতাত্ত সন্পায়, কারণ পত্তনি কবুলতীর স্বস্তুতন্ন করিয়া সন ১২ ৫৭ সালের ২ তাজ তারিখে মোহর দৃস্তপতি य प्रजिल लिथिशा पिसा एइन, তাহাতে স্পর্য সম্ম লিখিত আ ছে, যে সদর খাজনার টাকার त्रूप हिलदिकना। भे प्रलिल भन ১৮.৬২ সালের ২৯ নবেম্বর

(म्अग्रानि भाकर्षभाग गक्याल रहेशाष्ट्र। अकरण अ जिल्लाब अखान नास न्नू ना रेख भारतना

২। বাদীর মুনাফার্ক্থিমান আন্দিন কিন্তীর সদ্য় থাজনা ७७०७ होका हां िमार ४%-तार्ष्न, डेक होकांत्र घरण म-भत्र थारजानात्र ठोका वामा अ মার নিকট পাইজে পারেননা উক্ত টাকা সন ১২ ৫৭ সালের ২তাদ্র-গারিখের এ দলিলের अशान जात आभराकालक वैरोक पिछ वाश आहि। a ऋत्य वे मक् मान प्र निल्ह म्रह्युत् वत्र त्थलाण जप्त्था-कानात डोका वादी आप्रादिका নিকট পাইতে পার্ননা। ७। वामीत भूनाका वर्खमान সনের ই: বৈশাথ নাং আন্থিন ৫৭৬।০/১ টাকাও তাহার স্দ ारी होका अकूल ७१२ छ।-का आप्रामितात निकरे शाहेखन, গ্রহা দিতে স্থীকার আছি। 8। वामी य कर्यक ठाकित नाम ৮ आहेन जाती कतिशाहन, তন্মধ্যে আসাগী কামিনী দাসীর मूक् रहेशारह। मृक्य नारमनानी-স করায় বাদীর এই নালীস চ-लिए शासना । जन > २१२ जाल তারিম ১৮ কার্ত্তিক

भश भिर्म बीयुड रक्तना নদীর কালেক্ ট্র সাহেক্ বরাবরেশ্র দর্থান্ত গ্রীগ্রীহরি চৌধরী আছালতন ও অছিয়তন জানবে ब्री श्राग कृष्क छोधुती नावानग उ গ্রীরাম গোপাল চৌধুরী ওগ্রীক-नक भाग पामा ज्या शका लाविन को धुवी भाष्ट्र ত্রীবিজয় গোবিন্দ চৌধরী ও হরে-रुष किथुरी भावालगान जानुक-मात स्मोर्क ज्यामत भूत मास मज्या लालाल नगर उ मोर् श्पा भाषी दुका आधा दिलाइ नि-द्रवपन अरे अञ रज्ञान अधीन

প: রাজ পুরের অত্ত: পাতি ডিহি-বেল গড়িয়া যাহার সদ্র জ্মা काम्मानिव - 29-२॥३ छोका वालि-शा जाजा निवानी श्रीतामनाथता-य ও आभाषीलात नाम अप्रलिश এজ ঘালাজে কালেক্টরী সেরে-স্তায় তাহত লেখা যায় ঐতিহি-র সামিলাক মৌজে জমসের পুর মায় মৌজাফা গোপালন গর সদর জমা ৩৩৫৮০১টা का उ स्मोद्ध ध्रा भारी दुकार जमत ज्या २७२०२ ठीका अ-কুনে ৬৩৫/৬ টাকার তাত্ত ও মৌজে গড়ড়া ও গোপাল-পুর ও গায় রহ প্রাম হায়ের হ-কীয়তে উক্ত রায় তালুক দার ম প: সল দ্থল কার থাকিয়া খু-

ज मानिछ एजुदा मानछजा-রীর সরবরাহ করিয়া আসিতে-एइन ও আসিতেছি। একণে जा गिष्टां र्कीयळत्-जाष्ठ বাট্যারা করিয়া লওয়ার আবশ্ব अकार्ग आर्थनीय त्य अहिन्छ আইনের মর্মানু সারে হজুর श्रेष्ठं जत्नक आप्रीन नियुक করিয়া ডিহিমজকুরা জরীপজমা-वन्दी अ ब्रीति प्रज वस्क करूउ डे ক্ত মৌজে জম সের প্র মায় মৌ জাফা গোপাল নগর ও মৌজ भाष्ट्री नुकांत्र मान छ कात्री डे-পর উক্ত ৩৩৫/৩ টাকার পূথক তাতুত কিন্তীবনী আ-मापिलां कात लथार्मा ल्हेंगा भान छजा तीत अववतार

লইতে আক্তা হয়, তবে মামারা আপন হকে ব্জায় থাকি, ইহা নিবেদন ইতি সম ১২ ৫৫ সাল তারিখ ২৬ চৈত্র

रेमापी

ভীরাঘট্ড চটোপাখ্যায় মোকার শীসকার চন্দ্র গাঙ্গুলী মোকার শীরাজকুমার সরকার মোকার শীরাজ চন্দ্র সরকার মোকার ३०%

দর্থান্ত শ্রীনবীন চক্ত রায় সাং फदर भूत निरुद्ध अहे (य शामक হইতে মহেশ পুর পমন্দ্র যে রাস্তাহই-তেছে, ঐ রাস্তাব মধ্যে মৌতের একার পুর গ্রামে জ্যামীনের জরীপী চিঠার লিখিত ১৪ দালে আমার ১18 বিঘা বন্দোবন্তী জমী পত্তীত रहेशाएए। अ अभीत मृन्ध उक গ্রামের স্মন্যান্য সকলের সহিত य क्ष मून्य धार्य इदेशाए, उ-দ্রুসারে আমার সহিত মল্যারখা प्राक्त श्वक आभारक मूल पिहा आक्रा रूस । निस्तिमन रेडि १२ १३ भारत २७ केश

नर् ६ ८

प्रत्थास की निया है कलन १ की हारे प्र भित्र १ की अलाम मखन १ की मान-मम मखन मार् आल्यान , आमा-निला मिटाप्स १ ३ ५०० नह मा-थता कर वास्त्र आखी कभी, याश-ए की प्र मतकाद वाश प्रत्य वाणी उताम कि तास अकि वाणी भ नम्राह्म कभी आमहा श्रुकां विशेष

জ্যেত আবাদ করিয়া প্রতিবাদীর निक्टे ज्यारे शत् ॥ आटे जाना ७ ७ वनी शदं ५० वादा जाना पाल अजारी करिशाष्ट्र। भरत जे-क जभी अवकात थान रहेल १ জুরের ওহসীলদার গ্রীউমেশ্চন্দ্র ঘোষ আমার দিলের স্থানে এহার নিরিথ বাহাল রামিয়া সন ১২৫১ प्रात्नत थाज्या प्राप्त उपन হালের নাং আঘাত তলপ সো-प थाजना नहेशा खराक पेकार कवज पिशाष्ट्रिल । এইकला अ তহসীল দার বরথান্ত হইয়া অ-দ্য আট রোজ হইল হ'জুর হ-ইতে দূতন তহসীল দার একজন जाशत नाम जशनिना, मकः जल शिशा के नातक उद्योभ पात्र

करजी डेजूनी ऐका मजुता नाफि या वे टीका प्राकत आमापिलात স্থানে তলব করিতেছেন, এবং হার नितिथ उत्रिम कतिया जियापा নিরিথ সুরত থাজনার তলপক রিতেছেন। আমরা কবজী উসু-ল মজুরা দিয়া খাজনা লইতে वलाय ना रुनिया आभा पिशरक এবং অন্ত২ জোতদারকে পে-য়াদা মোসুল দিয়া কয়েদ ক-রাতে আমরা কোন গতিকে পা-লাইয়া আসিয়া দরথান্ত করিয়া উমেদার যে তহসীলদার মজকু রের নামে এককেতা পরোয়ানা খ্য় যে আমাদিলের কবজী উসু-লের টাকা মজ্রা দিয়া সাবেক হার नितिय प्रज्ञाजना नन ३२०२। ० जाज

মহামহিম জেলা নদীয়ার শ্রীমৃত কালেক্টর সাহেব বরা বরেষু

प्रथास श्रीवामा न्यूनी वर्माना অলি মদার শ্রীক্তফ নাথরায় না-বালক সাং নাকাশীপাড়া নিরেদন এই य आभाषि एत अक पाली त जभी पाती नः २१ जिरित आनका দি গর নীচের লিখিত মহালাজের আমার নাবালগ পুত্রের অংশের সদ্র মালগুজারী নিয়মকাল ম-ए पार्थिन कतिशाहि। अर्मीवंजन প্র সকল মহল আমাদিগেরবণ্ সরিকের থাকা বিধায় কোনসরিক कठ ठीका प्राथिल प्राथिल क्रिया-

ছে তাহার নিরাকরণ করা যায়নাই। একণে তদত জানা হইল নীচের লিখিত মহালাভে বাকী পড়িয়া-ছে। ঐ বাকী দাবীতে নিরাপরাধে আমার নালক পুত্রের সমূহ ক্ষ-তির কারণ হয়। হজুরের ক্রপা ব্যতীত নাবালক পুত্রের বিষয়র-कान उभाग विद्येन। आपि उध কষ্টে নীচের লিখিত মহালাজ-র বাকীর সংস্থান করিয়া প্রাথিত, থ-জুর অনুগ্রহ পূবর্কি বাকীর মবলগ মজকু র আমার নিকট হইতে দাখিল করিয়া লইয়া নাবালগের সত্ত্ব বজায়বাথিতে আজা হয় ইতি সন ১২৩৮ সাল তারিম ১ মাঘ তপসীল ३१ नर् छ जानका ७३० भनेन

১৯নং বৈরম প্র	वनेजा
>•६न [°] कला द्वाउगा त	হাসেন
•	प्त उ०॥
৮৭০নং উদ্য়চন্দ্র প্র	7.6-
৮৯১নং রুদ্রনগর	58 12).
১৭৮ নং থাসপুর ইত্যা	h 30 mm?
म •७१	तम् अस्ट्रीकाष्ट्राह्म इस्ट्रीकाष्ट्राह्म

মহামহি শ্রীমুতকালে- দি টি টি কুটর সাহেব জেলা দি দি দি দি যশোর বরাবরেষু জি জি

प्तथास श्री पिशवत ताय, मिकिन मूर्येक् थ भः नलपी नित्यपन मतका तित गटक आश्री हत छाड़ी जाली छानी वत्पावस जन्य शक्त पकःम

ल शका गम्म कतिया डेक हर्दर कि য়দংশ সূমীর প্রজাওয়ারি বন্দোবন্ত আমার সহিত করার ওকুম দিয়াছেন ধর্মাবতার তাঁহাতে আমার প্রতি অন্থায় হইয়াছে। ওদ্বিস্তারিত নি মেরনিবেদন এবণ আজাহ্য। ১। দফা : মের সাহেব কালেক টরের জরীপী ৫৬০% বিঘা স্থাম আমার দখল থা-কা স্পষ্ট প্ৰকাশ থাকাত্তেও গ্রহ ক্রমে ৩২৯/ বিঘা-ও রাম-কুমার বসুর ও জরি ৫০% বিঘা ভূমি আমার সহিত বন্দেৰিস্ত করার জন্য গত > মার্চ্চ তা-রিথে হজুর হকুম দিয়াছেন, তাহার মধ্যে -ওজরি ৫% বিঘা এইकत्म ७२७/विचात घास्य

ক্রত হওয়া প্রকাশ পাইতেছি। বা-সভ্রত্তো পাধ্যায় বাবুর জরীপের লিখিত ৩২৬/ বিঘাও তদ্তিরি-ক্র রামকুমার বসুর ওজরি ৫০/ বিঘা আমার প্রাপ্য ওক্র হই-য়াছিল একারণ প্রাথনীয় এ ওজরি ৫০/ বিঘাও আমারপ্রাপ্য বিধান আমার সহিত বন্দোবস্ত করিতে আজ্ঞা হয়।

হাদফা আমার প্রাপ্য-সুমি মজ কুরা বন্দ্যোপাধ্যায় ডেপূর্টা কালেক্টর বারু পরগণার
রেও রাজী ২২ ইঞ্জী হাতের ৮০
হাত রশীর দারা জরীপ করিয়া
১৮ ইঞ্জী হাতের ৮০ হাত রশীর
জরীপে ভূমি পাইলে মবলগ
ভূমি কমী হয়, সুতরাং গরীব

বজায় থাকেনা। একারণ প্রার্থি ত ২১ ইঞ্জী হাত্তের ৮০ হাত রশীর মাপ হিসাবে যেজ্মী বেশী হইবেক তাতার সত্ম করি-शो फिल्ड आखा इस । ७। पका भागान श्राभा इ-ওয়া ৮।১।১। দালের ভূমিতে ৫०/ विद्या त्य लिशी ऑएइ, ঐ ভূমি আমরা ১৮ ইঞ্চী হাজ র ৮০ হাত রশীর দারা জরীপ कतिल २१ विशा स्त्री रहेल। বিচার পতি প্র ৩ দাগে কথন ৫०/ विद्या कृषि इहेरवकना, जाहा গুজুর হইতে জনেক আমলার দারা জ্রীপ করিলে প্রকাশ হইবেক। একারণ প্রাথিত ঐ अस्ता अभी श्रुत रहेत ज्ञान क आप्रमात पाता जतील कतिया Co? तिना भूतारेश पिएड आखा र्य। रेठि ४ एका । श्रुकिष्टिंग औरपूज-বাবু মহেশ্চন্দ্র বন্দ্রোপাঞ্চায় ডে-পুটী কালেক্টরের জরীপে রা-म क्यांत वम् फिगरत्वं नाया २०/ विद्या ष्ट्रिय त्लाश्या आरह । এवः তদন্যায়ী এ ১০ / বিঘা সমির ডৌল বসুগলের পক্ষ হইতে ন-থীতে দাখিল, তদনত্তর মে: জে-র সাহেব কালেক্টর বাহাদ্রের जरी लि ३०/० विद्या जुपि निथित তত্রাচ ২৮০ বিঘা ভূমি ঐ বলুর স-হিত বন্দো বন্তের ত্কুম ত্তুর रहेल रहेशाष्ट्र। विष्ठात कर्जी যে স্থলে মোট চরে আমার

পথ, তাহাতে প্রশংসিত মে: সের-সাহেব রুত জরীপে আমার দ্থল ৫৬০ বিঘা ভূমি লিখিত আছে, নে-क्ल जाश्रं नुम कभी शास्त्रत প্রুম হইলে আমার প্রতি অন্যায় হয় কিনা তাহার বিচার হজরেই হইবেক। এতাবৎ কারণেদ্রখান্ত করিয়া প্রার্থিত উপরোক্ত কয়েক দফা আপত্তি প্রবণেও হুন্জুরের শুতাগমন যাহাতে আমার প্রতি অনগয় না হয়, তাহার মত বন্দো वस कतिशा पिट्ठ आडवा दश ধর্মীৰতার কর্তা নিবেদন ইতি अंग १२,७७। ३ किंग

প্रতिवामी বংশীবদ্নাগাষ অঞ্জুর নন্দী ্সাং শোভনা সাং লোভনা পং মলই भ भ प्रलडे মোং তাপ টাকাবাবতে বাকী থাজনা ঐ মোকর্দ্মায় সূতীয় পক্ষ প-त्रगटन प्रलाईत त्गालना निवाजी গিরিধর পদারীর পক্ষ হইতে মো জা হেম হেন্ত ্যা বিরোধীয় করের সুমিতে वापित कान ऋख नारे । भत्रगण মুনুইর তর্ফে শোলনার মধ্য

पीननाथ घिटान निक्रे उभ গাঁতির সত্তর্গত ৫ বন্দে ৫.বিঘা সুমি আমি ও পিতানিত্যানন্দ পসারি ৬ টাকা জমা লইয়া তদনু সারে ২ বন্দের কাত ২1. विघा निक कार्कीछ - ९ वकी ৩ বন্দের কাত ২৮ বিঘাত্রিয় প্রতিবাদীকে বর্গা জেনত দিয়া তাহার ফসলের ভাগ প্রাপ্তে मथिनेकात अयु यान थाकिया ताजम आपाय शूर्विक भिंदर्गनापि প্ৰাপ্ত হুইয়া আসিতেছি, তিব্ল विदासीयं कदात महात्न वामी এক দিনের তরেও কথন দখিল कात्र नरहन । ২। প্রশংসিত মিদ্র গাঁতিদার মহাশয় আমার নিকট বেশীকর

চাহিতায় ভাহা নাদেওয়ায় তদাতো শে জমা জমী হইতে আমাদিশ কে নিরাশ করণের মানলে বাদীর সহিত যোগ ঐক্ততায় ইজারা দেওয়া বাহানা করিয়া বাদীর দারা আমাদিশের প্রাপ্ত ৬ টাকা র জমার অভগত নিজ কার-কীতে ২০ বিঘা ভূমি ৪ বিঘা जे ल्या ७ छोका अधाकतात পিতার নাম সহিত আমারনামে ৭৮৪নং ও আমাদিগের বর্ণাইত প্রতিবাদীর জোতের ২৮ বিঘাজ भीतः 81. विघा विलया ७ छोका ज মা করারে এ অযথা নালিশুকরায় মোজা হেম দাখিল করিয়া প্রা র্থিত বিচার পুর্ব্বক বাদীর অযথা म्वी श्रुम ७ आमा मिला क्रमा दे

মত্ত্ব দ্থল বজায় রাথিয়া আদালত শরচা সুদ সহ দেওয়াই তে আজা হয় । ইতি সন ১২ ৭২শাল জারিথ ২৭ অগ্রহায়ণ আমি গিরিধর গেসারি ইহা জানাইতেছি যে এই মোজাহেমে যাহা লিখিত হইলা, তাহা আমার জ্ঞান-ও বিশ্বাষম-তে সত্ত মুথোপাধ্যায় গত ২৯ এপ্ৰেল তা-রিথে যে ফয়সালা করিয়াছেন তান হার নারাজিতে এই আপীল করি लाम, आशीलत द्रु अहे " > पका । প্রতিবাদী মজ কুর জ্রীপ জমাবন্দী স্থীকার প্রবর্ क्रवन्ती निथिया प्रथम - अ भूतं मान छजाती कता यथा-যোগ্য প্রমান হইয়াছে ওপ্রতি-বাদী তাহা তরদিদে কোন বিশি-ये अभागापि मार्थिन क्रिएं পারেনাই, ইহাতে তেপুটীবারু আমার পক্ষের গুজরায়া সাক্ষী-গণের প্রতি কেয়াছি হেতুতে ৬-বিশ্বাস করিয়া নাহক প্রুম দে-उग्ना पानन प्रवस्ता विभन्नी অন্যায় হুইয়াছে, তাহা প্জুরের

তজবীজে অপ্রকাশ থাকিবেকনা। २ प्रका । अठिवामीत लिथिया (५७ श কবুলতীর ফ্টাম্প অপর ব্যক্তির নামে থরিদ থাকার স্থলে যে অবিশ্বা সের কারণ লিখিয়াছেন, তাহা এন-ছাপের বিপরীত, যে হেতু বংতর अजा अककाल मिलने निश्शि দিবার সময় দলিলের ফ্রাম্পে য়ে২ ব্যক্তি করুলতী দিবেক, তা-হারাই যে থরিদ করিয়ানা আদি-ल मिनलिल य अमान रहेत्क, এমন কোন আইন প্রচলিত নাই, वश् उत श्राका क्वूलजी मित्र रहे ल, नाम १ खेळाला थेतिम इ उग्नी সম্ভব কোন মতেই নহে। তাহা श्रुतः अवििक्व नारे। हेि আর ২ বিস্তারিত উমাকান্তরায়ের

নাদীয় আপীলের মোকর্দনায় লিথিলাম, তাহারি স্বিচারে তেপুটী
বাহাদুর অন্যায় হুকুম রহিত পুকিক আমার হক দাবী দেলাইতে
আজ্ঞা হয়। ইতি সন ১২৬৮ সাল
তারিথ ২৯ বৈশাথ

न् १०

রোবকারী কাভারী কালেক্টরী জেলা যশোর শ্রীয়ত মেংএন্,এম, সুটার সাহেব এসিষ্ট্রণেট কালেক্টর সন

ত্যেজীর ৪২৮৮ নম্বরের মহাল পরগণে সিলমা বাদের অন্তর্গত কিশমতে ঝিকড়ার চিরস্থায়ী রন্দোবন্তের বিষয়

3	.				* , ,			10 °	
ब्रत्मा दङ	، بالتحاظ	華		•	W. A. C. S.	7.	मुख्यानाध्याः	ऽखनाथर भूलानम	म क्घमांद
बत्माय ३५	श्रकार ७	टमब्राप			*25.456.4	¥1,>4,1-4	সালের	ऽदेनाथर्	केल हिन- अमि
<u>अभाग</u>					3	\$			
संक्षा गरे	, अवाक्ष	₹	मुख अस- होस्का छि-	भूख	е,	?			
वाकी	20	भूदकाद	表			3 2 3	यांत्र ३७	क्टम्बर.	
ट्राप्त भिक्सी	मानिकारा	भद्रश्रुगिरी	man, h vajdinnesiji usipelaju 19 (457-lijili)		012.01 20202 0280	3,	0		
थात्र	क्रमा				Q S L.S.				
安	拉多				34. OSM.)		1	
Zijejej?	415.00	150			And the state of the same of t	-		14.00	
SATURATE CHANGE	हैं आहर नाग्रक	1000		•	5(68		6		

১ ধারা বন্দোবজ্য কারণ আরম্ভ এবং তাহাতে সরকার বাহাদ্রের যে সম্ম আছে তাহা

মোকর্দমার বিবরণ এই যে হ্র-ठख को धुद्री पिशद क्रास्क्र नाथ जिश्ह দিণরের নামে ৪০ টাকা পরিমাল জমা বেদ্থলীবাবত দেওয়ানী আ-দালতে নালিস করায় সিংহ গণ এ সূমি শাপন বিশ্বর এ জাহারে জেওয়াল দেওয়ার সকর নিষ্করের বিবাদ মীনাংসা ক্রে উক্ত মোকর্দ-मा भूकि छिउ छीयूर कालक् ऐरमा হেরের হেজুরে আগত হইয়া প্রশং-সিত ত্রীযুত কর্তৃক ডিসমিসের অ-তিপ্রায় যুক্তে কাগজাত দেওয়ানী आम्लिं छात्र । उ कारे अभिल

-র বিচারে উক্ত আদেশ স্থির তর থা-किया विताधीय 808 विवा जुमित वावज ३৮।३२ जात्नत २ आहेन মতে মোকর্দমা দায়ের করিবার আদেশ হওয়ায় তদ্নুসারে মো-কর্দমা উক্ত কানুন মতে সরকার वाश्रम् वामी इत्रुख छोधूरी फि গরের প্রতি বাদীত্বে উপস্থিত ও প্রীযুত খাস ডেপুটীকালেক্-हेत्र मार्ट्स्वत विहास १५८२ मा-লের ২১ সেতম্বর তারিখে সর-কারের পক্ষে ডিক্রী হওনানস্তর প্রস্তাবিত কানুন দোয়েমের মোক-দ্মার আপত্তিকারী রঘুনাথ মো-ষের আপীল মতে থাস কমিসনরী याम्लाउत ३৮ ४० भारतत अ জুন তারিথের ফয়সালার প্রু-

मानु जादा कूना निष्मा आत्मत ३-६५ विद्या ७ ओ आत्मद २३/ विद्यास्त्री ১১ ৭৭ সালের সমন্দে লিখিত থা-কায় ভাহা পূৰ্বস্থিত ডেপুটী কা-লেক্টর মেঃ রাইলী সাহেরের ১৮-৪৫ সালের ১ সেতম্বর তারিশ্যে ও খ্রীযুত কালেক্টর সাহেবেরঐ মানের ৩ ভারি থের ইংরাজীচিগী মতে থালাস বাদে বক্রী বিরোধীয় পুমি জরীপ তদ্তে মোট ২০১॥ ४॥ विंचा स्त्री नायक रहेशा विकड़ांत ৫৩॥৩ বিহা জমীর গর নায়ক ว 40 विद्या वाटम उकी ७३५० कारी जभी जुशमय मुत्थालाधार उ श्रुनिनम घ जामपात उविन वर्णतं ३२२।०। विद्या कृष्णितः ८०५ काछी उन्त्री गड़ नायक वाटम वाकी

>>७५०॥ कांगे जभी पात्रकाराय চৌধুরী দিণর সারটীয়া ক্রফনগরে-त ७८/३। कार्टी जमीट नात्यता-ज पात ग भ अज्ञात मात्रक एउ দিখিলকার থাকা ও তলাব মতে নাথেরাজ দার গণ হাজীর নাহ-ওয়ায় ঝিকড়ার ভুমি দখলীকার ও পূর্ণানন্দ ও সুখময় ও বিলবর্ণের তুমি দ্থলীকার উক্ত দারকানাশ প্রস্তুতি ও সার টীয়া কুফালে-त जुपि भगति स्माप्त रत्न**ा**भा ধ্যার সহিত উহা দি শের ্রার্থ-না মতে প্রথক প্রথক তিল छोल ३३ ७२ जाल इरेड ১২৭২ সাল পর্যন্ত ২০বৎসর মেয়াদে ইজারা বনোৰম্ভ হও नांशृंत विलादर्ग ଓ जादिंगिया क्र-

ষ্ণ নগরের ভূমি অন্য প্রকারে वत्ना वस इस्या श्रकाम थाकात স্থলে জীযুত কালেক্টর সাহে-व शठ दर्खित ३० जुलाई अ রিশের রোবকারীর দারা সন >२१२ माल रहेएउ किक् ज़ात शूनः वटलविष्ठ आमत्ल जा-निशा (अयुगाम (अयुगार्थ न-থীর কাগ জাত ্রপক্ষের স बीएन अर्लन कतिवाय नियमान्-সারে বন্দোবস্ত গ্রহণ করণী-র্থে নাখব্রজদার গণের নামে এ एवला नामा जादी रुउ याद পর সুথময় মুথোপাধায়-उ भूगीनम मजूम मात उ হর নারায়ণ ও মহেন্দ্র নারা-युग भिःश् वत्मा वस्र अश्लत

প্রার্থনায় পূথকং দর থান্ত बाजा शिक्त रहेशाए । हेि

न् १३

আরজী কালেকটরী यामी मालू गाकी थि: । प्रभू लालपात मूर्व भर्माम गार्जी । अ ना भुत्गालमात পেসা চাসবাস | भिः দামুলোলদা-আবাদ সাকিন থাজুরা পরগণো হোসন প্র

• প্রতিবাদী র সাবিদ্য থা-खुता भए एसि-न शूज़ है। र्यो मन न शनवाम श्रुत

মোং থবিঘা জমীতে বেআইন ধেদখল উহার মূল্য অনু দাকৎ

165

টাকা নং ১৪৩ তৌজীর মহাল প্রণ-ণে হোসন পুরের মোগলক থাজুরা প্রামে প্রতিবাদী গণের মধ্যে মধ্-ও সাধু গোলদার প-ि वामीव लिङ्क गाँछ जभा যে আছে, ভাহার মধ্যে ৩ वत्म ७ विघा जभी जधाउ इक मानिशाना ७% जेका ज मा अवधादिष्ठ भन ३२ १२ माल्वर २ केंग्र जारित्य जना कतिया दम्ख्याय आभि जमा जमीउ प्यनीकात হইয়া বসত বাদ পুৰ্ববিক নিজ কারকীতে ধান্য, তামাক रेळापि यञ्चल देउग्रांत कवि या नदेशा कर आपाद्यं प्रथ-

নীকার আছি, তাহাতে উক্ত জমীর মধ্যে হইতে নীচে লি-थिउ को इमीत ३ तन्म जुमित्ड বর্ত্তমান সনের ২৫ ফাশ্রেণ তারিমে প্রতি বাদী গণ লাঙ্গ न पिया ठाम कतिया काँगेन পাড়িয়া লইয়া 'আমাকে বে আইন মতে বৈদ্যাল করায় আমি ১৮৫১ সালের ১০ আ-ইনের ২৩ ধারার ৬ প্রকরণ अनु**जादर प्राधिना** ७ ध्या**ण**त वल क ज्ञीत् भून मथन भारेवात मूल पिलल पाथिला आतं की अंश्र प्रियन क्रिनाम रेंछि १२१७।२ टेन्ड

দর্থান্ত শিতাকুর দাস শোশানী

থ প্রীরাম দাস গোন্ধারী

ড্গীদার পরগণে সাতের ফ নিবেদন এই উক্ত পরগণার মোতালক চর ছ্যাবন্তী ঘাহা এই ক্ষণে প্রজুরের বিচারিত জের বন্দোবন্তে আমাদিশে র দ্থলে আছে, তাহাতে ঐ চর প্রভুর কর্তৃক বন্দোবন্ত সমাধা পর্যন্ত সরকারী থাস

তহপীলের আদেশ হওয়ায় শামাদিশের সমূহ ক্ষতিএ-বং প্রীযুক্তা মহারাণীর লোক-সান হওয়ার দন্তব থাকায় আপাতক সাবেক জমার সন ১২৭৩ শালে মেয়াদী ইজারা প্রাণ্ডির প্রার্থনা। ইতি)। जेक हत आंभापि ला<u>त</u> সহিত খ্য পূর্বে কায়েমী ব-নোক্ত হওয়ায় আমরা বহুত র ব্যয়ের দারা যেসকল প্রজা পত্তন করিয়াছি। এক্ষণে আ-मा पिट्रांत मिर्ड रत्ना रख ना रहेशा थात्र उरतील रहे त्ल वे जकन श्रजागणत श्राण আমাদিশের যেসকল থাজনা ৰাকী আছে, তত বাৰত নলীস করিতে হইলে, প্রজাগণ নৃত্ন ন পত্তনীয় প্রজা বিধান তিন তিয়া যাওযায় এ চরের জ্ঞাল ল সাফাই নাহইলে, ত্রমী সকল পতিত ও আমাদি গের পক্ষে অসীম ক্ষতি হও-যার সম্ভব ৷ ইতি

३। उक हत अश्विक्ष क
उक विश्व क्रियोद्ध क्रियोद क्रि

বিপক্ষণণ ঐ আমীন প্রীউমে-শ্চন্দ্র মিত্রের সহিত যোগে প্রজুরের ক্লত নকশার বিচারি-ज विवादीयं जभीत पृष्टे भार्ष रंफिश्वद्रि मिगव এवः थालानी ও রুই জালীর চর প্রতৃতির সীমানার মধ্যণত বংতর জ-মী বাদ দিয়া নকশা প্রস্তুত उ জ्वान वन्दी लडेद्ड एइन এজন্ত মোকদ্মার ঐতিদ্বর করা মহল থাস তহদীলে কোন মতে ক্রয়ার সম্ভব না-থাকায় এ মোক দ্মা আদা-লত কর্ত্তক জানা অবস্থার বিপরীত বিচার হইলে আগত काल के जकन जिल्ली हत হাইতে বাদ পড়িলে সরকার

বাহাদ্রের ক্ষতি ও আমা দিশের সমূহ লোক সান হওয়ার স-স্তব এজন্য দ্র থাস্ত করিয়া প্রাথিত যে উপরোক্ত বিবরণ প্রাথিত যে উপরোক্ত বিবরণ প্রাণিধানে এ চর সন ১২ ৭৩ সা-লে সাবেক জমায় আমাদিশের সহিত বন্দোবস্ত করিতে সা-জা হয়। ইতি সন ১২৭৩ সাল ভারিথ—২৭ বৈশাখ

मर् १७

৫৬৮ নং ১৮৬৬।২১ **উ সম্ব**র

मरापरिप श्रीयुउ कालक्रेंब भारहव जिला यन्त

দর থান্ত গ্রী গোপিনাথ রায় उ औ त्नभांन हक हक विख माकि न श्रीताम शूत । श्रीइति-শ্চন্দ্ৰ বৰ্ষু সাকিন দেওাড়া भत्रगल रेममभूत निर्वम्न अहे किममजी भवगरण मिमशूरवव् অন্তঃ পাতি মহান ওয়াফফর। চারি আনির মোতালক ১০১নং नारे त्यवना इय्य तिया जाकितन অত্য়া চরণ চট্টো পাধ্বায় দি-লের ৮১৮॥৬ টাকা সদর জ মায় পত্তণী তালুক ঐতালুক व ॥ भे २०। — वक्तात अतिक म'लेलाल हद्दी भाषाय उडेक्रव व्य व्दर्भाषाधाय ७ कालिश-भाष हत्दी शाधाय ७ त्विहर ণ ভট্টো পাখায়ের নিকট হইতে

আমরা সন ১২,৭৩ সালের ১৫ খা माज़ जातित्य ४७०८५ होता जापा ধার্য সায় দরপর্বনি পাট্টা গ্লহণে রাজস্য আদায় পূর্বক দখিলকার সন্তবান আছি তাহতে এপতান গালুকের বর্তমান সন ১২৭৩ পা-লের নাগাএদ আশ্বিন তলবের থাজানা পত্তনিদার গণেরা পরি-সোদ নাকরায় মহাল অক্কর পঞ্চ १९८७ जन १८ ५०१८ आईन मछ जानूक प्रक्रका नारे रंग्री इंडे प्ल उक भग्रमिपांत प्रात्नक गरभत मास्प्र तकम ।।== आना त स्रतिक, ज्रंश प्तव ठाती भाशाश ও হরেন্দ্র নাথ চট্টোপাধায় তা-शिषिकात प्रांती थाजाना नार्पंड-য়ায় মহাল মজকুর নিলামের

ल इब दं आणि शाष्ट्रिल वाङ्यिक নিলাম হইলে আমাদিশের অ-धीन जउ नके इस विधास आलन সত্ত রক্ষা জন্য এ জয় দেব চট্টো भाधाम मिलात अःग डेक रेजा আনায় আমার দেনা মায় সুদ্র্থ-রচা ১৫০৮ টাকা আমরা বত্তমান ১২ ৭০ সালের ১৪ অগ্রহায়ণ তা রিমে দ্র-খাস্তর দ্বারা আমানত कतिशा जिलारभत पास रहेट ज नूक भड़रक्ता तक्छा कतिसाष्टि भर्मावजाः अ जयप्तव हार्पाभा-धप्रय मि भारतत अः म आमात फि-गत एत्र भन्नि एन नाई व्यथ ह मशल निलाम रहे त्ल पाक्रभालि মহাল আমার দরপত্তনির পাট্টা रिट्ठ इस अविधाय-डेक ३ a. V.

विका जारी जरापन हती भाषाय দিণর দেনা তাহা আমরা আমানত করিয়াছি এইকণে ঐ জয় দেব চ-एो भार्थां पिगदात अश्म तकम 🗸 🏴 आना प्रथल करिय़ा छेक আমানত করা টাকার মায় সুদ সো দ লওয়া আবশ্যক এজন্য ১৮১৯ সালের ৮ আইনের ১৩ দফারং প্রকরণ মতে দরখান্ত করিয়াপ্রা-র্থিত যে উক্ত জয়দেব চট্টোপা ধ্যায় দিণরের অংশ রকম ৬।= আনা হিস্তায় আনাদিশের কে রি-ত মত দ্খল দেওয়াইতে আক্তা-र्य नित्रम्न देठि जन २२१७ जाल তারিথ— ২৩ অগ্রহায়ণ-

नः १४

মহামহিন জেলাবর্জমানে- ছি ছিল র কালেক্টর সাহেব ছি দি বরাবরেষু

निथिउः औरइना छोकीपात कम्प त्रिम भव मिष् कार्यन् कार्या याप भर्मभार नेषि लाभान भूख्र পর্তান তালুকদার খ্রীরেণীমাধ্ব ব-त्या भाषाय मार्शि हो कें विश्व ও ডিবি জান কাঁটেওয়া বাদী উক্ত कोकी । उ जिक्जिसत मामिन प्रा গ্রামের মাল মোতালকের প্রজা काश्राली पात्र मप्क आत्रामी तनारम याकि का अनाद निर्तिथ भूतक ११५०/१ प्रोका पावीख्य 3°3 नः नालि मा कतिवाय डेक नघरतत मधन नदेशा ७३ नेमद्भ जिल्ला भाषा स्मोदक মজ কুরের পৌছিবায় আদি প্রাদা সমতিতাহারে থাকিয়া সাসামীকে তল্লাস করায় আসামী জীরতমান থাকিয়া প্রাদে বসবাস করিয়ারপা ম হইল। একারণ ঐ আসামীর বাটীর পশ্চিম, দোয়ারি সদর দরো জায় রীতি মত ১ কেতা সমন লটকা ইয়া দিয়া রসিদ প্রমা লিশিয়া দিল লাম। ইতি সন ১২৭২ সাল তাং ১ ভাদ্ধ

इं प्रापि

श्री त्रिक अस्मित्र प्राचित्र भारभाज्यि भारभाज्यी R 90

মহামহিম মহকুমা কার্যওয়ার প্রীফুড় ডেপুট্টা কালেক্টর ' বরাবভাষু

प्तथास शिकिंग प्राथव वल्ला शास्त्र स जान्त प्रांत लागे लाभान भूत भर अत्र प्रांत प्रांत लागे लाभान भूत भर अत्र प्रांत प्र

न ११७

মহামহিম জেলা পূর্ববর্ধ মানের প্রীযুক্ত কালেক্টর সাহেব ব্রাবরেষ্

लिशि उ विकामाली पाम मपक কস্য মোজার নানা পত্র মিদ্ংকার্য্য নঞ্চালে সন-১৮ ৬৫ সালের ১০১ নম্বরের নিরিখ সুরত বাকী থাজ নার মোকর্জিয়ায় সামার তর্ফ সওয়াল জবোব গদিরত করণ ज्न जहत वर्षभारतत श्रीयुक भ्र-त्रप्ती अनाम् भूरमानायत्रयः उद्योपुक বাবু গোপাল চন্দ্ৰ খোষ ও শ্ৰীযুক্ত সারদা কণ্ঠ রায়কে মেক্টার সদর আমীন আদালতের উকীলশ্রীযুক্ত গোবিন্দ মোহন সরকার ও শ্রীযুক্ত नील माधव ताय ७ जीयुक वः नीयत

ঘোষকে উকীল মোকরর করিলাম উকীলে ও মোক্তার আনার মধ্যে যে যথন হজুরে হাজির হইয়া আমার তরফ সওয়াল জবাব তদি-রাত খাহা করিবেক ও বর্ণনা প্রাদী সহিত্ যাহা দাখিল করিবেক তাহা আমার মঞুর এতদার্থে মোক্তার না-মা প্রালিখিয়া দিলাম ক্তি সন ১২৭২ সাল ১ ভাদ্র

> নং ৭৭ মহামহিম জেলা কর্মানের প্রীযুক্ত কা লেকটর সাহেব ব্যাবরেয়

लिथिउः खी काञ्चानी प्राम्य भन्य कन्य वकतात भग्न प्रिपः कार्यन-क्ष्माण ३०३ न चलत नितित्यत प्रा-

কর্দমায় মহেশচন্ত্র মজুমদার ওহাড় मिलिक देशिमिशक माम्का माना क्रि-বাতে সাক্ষিণণের নামের সমন লই-য়া ৪৩৯ নং ফকীর মল্লিক পদাতিক মপসল আসিবায় আমি পেয়াদা-র সমতিব্যাহারে গিয়া সাক্ষাণণের অনুসন্ধান করায় সাক্ষীগণ রূপস থাকায় নিসান দেহী করিয়া এই ক্র-ণে দেখাইতে পারিলামনা। এতদা-व्य जिक्तात भय निश्तिमा पिलाम। रेठि मन ३२१२ जाल जार्यक्षांक रेगामी

द्नाटोकीमात वाम हत्रण टहेकीमात भार भूना नः १४

মহামহিম শ্রীযুত বর্দ্ধানের কালেক্টর সাহেব্ বরাবরেষু

निश्विः श्रीदिन होकीपात क्रमा तिमि श्रेष्ठ प्रिमः कार्यम्य ला टोकी कार्र अंग्रात जात्रील पु-ঘা প্রামের তালুক দার বেণী মাধব বন্দ্যোপাধ্যায় বাটী উক্ত চৌকীর সামীল দুঘা প্রামের মাল মোতা-लकं अज्ञा कामानी पान प्रप्क श्रिठि वापी इ नाष्य २२ में र दोका प्राविष्ठ नित्रिथ जुत्रक नालीम করিবাতে প্রতিবাদীর মানিত भाकी मदश्याहस मजुममात्रना-মে ১০১নং ইস্তাহার লইয়া ১৪ नः हाँ मामेक शक् िक मश्रम

ল সরে জমী পৌছিবায় আ-मि छक भगाउँ कर निकर शकित श्रेशां श्रिक वामीत जन्य निमान-দিহী মক্ত সাক্ষীর বাটীতে তলা স করায় সাক্ষীর সহিত সাক্ষাৎ নাহওয়ায় সাক্ষী গণের বাটীর স দর দরোজায় এক কেতা নকল ইন্তাহার রীতিমত জারী করিয়া সকল কার দুষ্ট স্থাণে লট্কাইয়া पिरा तिनि श्य निथिय पिना म। इंजि जन>२१२ जाल তারিখ ৪ আঘাঢ সাক্ষী त्रामाई टिकीमात त्राधानाथ टिकी प्राव

नः १३

জেলা জ সোরের কালেক্টরি বাদী প্রতিবাদী রাজারাদাকান্ত হদয়নাপ্র যোষ রায় সাং চাঁচড়া সাং কড়িয়া খালী পং থমাদপুর পং সৈদপুর মোং ৪•২। পঠ টাকা

ইংষ্ঠে সন মনিরাম পুরের মোল তালক ২৫০নং তৌজীর মহল পং সৈদ পুর আমার জমীদারী তদ্তুর্গত তরফ শ্যাম কুড়ের মৌ জে রতন দিয়ার মধ্যে সরহ পর-গণার ও পার্শ বৃত্তি ততল্য জমী-র নিরিম্থের কম নিরিম্থেপ্রতিবাদী-র দ্থল করিতে বক্স মহম্মদ্ কো-ড়াবর্দার ও পোলাম হোসেন সে-থের নামে কমী বেশী সুরত্তে ১৯০৮৯ **134**

कल्ल किया मूत्रहरू थाजना भा ওয়ার অধিকার থাকায়সন ২২ ৭২ লালের ইন্তক সুরুনাগাইদ[্]মাঞ্ त्री जानियांना उलंख अयाजीन वादम् आजन थाजना ७१०।२)१ টাকা ও সুদ ২৩ n2) २ টाकात्मारे 8·२ 1প ৯ টাকা আমার প্রাপ্তনা তাহা পাইবার বাৰত বাকীর হিসাব সম্ব-লিত জমীর বন্দ ওয়ারা চিঠা ও लागित्मत त्य अखनानिम । प्रेक নোটিস ৫নং মোকদ্মায় জারীতে আছে। তলব দিয়া বিচার আজ্ঞা-হয়। ইতি সন ১২৭৩ সাল তা-त्रिया २३ देका ह

न् ५०

মহামহিম প্রীযুক্ত ডেপ্টী কালেক্টার মোং কসবা বরা বরেষু

प्तथान निष्यात रमम को भूती মোং কলবা আমার নিবেদ্ন ৩৫৭১নং किः गानी भंतराण प्रश्यम् नारी णानूक इय़ जात्त हा विवि पे जानू-क विवि मज्दक्रों जीकामान प থলীকার থাকিয়া আন্দাক ২৩ বংসর মৃত হওয়াতে ও উত্তরাধি-काती नाथाकांग्रे लाउग्रा अवी १ সরকার বাহাদুরের প্রাপ্ত হও য়া বিবেচনায় অত কালেক টরীর না-জীর মহাশয়ের নিকট প্রকাশ ক-করায় নাজীর মহাশয় গত ৮ জুন তারিখে রিপোর্টের দারা শ্রীযুক্ত

কালেক্টর সাহেব বাহাদুরের গুজুরে জানাইলে সাহেব্বাহাদ্র বিশেষ তদ্ত জনত মোং কিনা ইদ্য য় পাঠাইলে তথাকার নাজীর যৈ अप्लीय विलाए पिसाएम, अश কোন মতে চুড়ান্ত ও বিশ্বাসযোগ্য श्रेष्ठं भावनो । कनना छिनिध-ধান সদ্র আদীনের বিচারিত ফয়-সালার খোকস নকলের বিষয় উ-ল্লেখ করেণ, তাহা কোনমতে প্রাহ্য যোগ্য নহে। যদি যথার্থ ফ য় সালা হই ত তবেও ফয়সালার সহি মোহরের নকল দর্শনি উচি-उ छिल । ७ प्रभमल प्रथलीकात থাকিউও হ'জুরে নাম পত্তন अत्रा कतिते। अञ्चत्र श्राचित्र उपादकि तिलाएँ निष्पे उशासम

কলু টোলা নিবাসী আগর মহন্মদ হোসেন সেরাজিকে অথবা তাহার মোকার মহন্মদ বাহের কাজিও গোমস্তা বাসু বিস্বাসকে হঙ্কুরে তলব দিয়া গোহাদের নিকট হই তেও আমান নিকট হইকেওমা-ণাদি গ্রহণে বিচার করিতে আ-

> মহামহিম শ্রীগুড় করেলক্-টর সাহেব জেলা হলোর নরা বড়েম্বু

प्त्थाल शिम्बर्श रंगिनी मार मुण्मी পहण प्राप्त सूर्व नित्य-न अहे बिक माकित्वह नेनिवर्म-नीत प्रक्र स्थशाश जारा क सुब्ह जकात मणि किथकां हो- আছে, তাহা তদন্ত জন্য হজুরে নাজীরের প্রতি আদেশহওয়ায়
নাজির মহাশয় যে তদার কের রিলোট করিয়াছেন তৎপ্রতি আপত্যা নিচের দফায় লিখিয়া বি
চার প্রাথিত। ইতি

১। উক্ত মৃত ব্যক্তির সম্পর্ড मस्य याश आमारक उद्देल कतिशा मिशा एन, ये उदेलत श्रेठि भत्मह थाकात विषय श्रीय तिस्मार्ट य निर्मि করিয়ার্ছেন, তাহা অন্যায় ও মপ:স-লের অবস্থার ও শীয় ক্লত জবানবন্দী র বিপরিত কারণ উক্ত মৃত ব্যক্তিয়ে আমার নামে যে সকল বস্তু উইল ক রিয়াছে, তাছা মৃপ: সন তদ্র ২ সক न माकित बोर्डा अभाग दरेगाए अ रः, जेक जेईन त्थातके जन्म

শ্রীযুক্ত জজ দাহেবের হজুরে দর-थां कर्ता रहेशात्ह जाराह्य नाहि। র মহাশয় এক ব্যক্তির মৃত্যু মা-মার আমলাণণের বাসায় হত্তয়া য় যে সন্দেহ বিবেচনা করিয়াছে ন, তাহা অন্যায় কারণ এবাটী আমার মাতুল' ও গোপাল সিংহের দত্তা অন্দর বাটীও তাহাও রাদীর বাটীর সংলগ্ন। তাহাতে এ হানে মু ত্রু হওয়ায় কোন সন্দেহ জনিত পারেনা । একারণ প্রার্থিত মে छ পরোক্ত বিষয় প্রবণে নাজীর মহাশ-য়ের আনুমানিক রিপোর্টের প্রতি ৰিহিত আজ্ঞা প্ৰকাশ করেণ।ইতি সন ১২৭৩ তারিখ ২৩ পৌষ

নং৮-২ মহিমার্ণরেম্ব

নাবালগ প্রীযুত কুমার প্রমথনাথ রায় বাহাদুরের সেবিত শ্রীশ্রীরুষণ চন্দ্র বিগ্রহ ঠাকুরের দেবতা মহালের নগর কান্দা প্রামের তার্পল টাকার এক জিমা এললাম সিকদারের নামে ও দিতীয় মাল মোতালকের এক জ্মাত পিকদারের নামে ১৬৮৫ টাকার ভ্যো বেক্সের কাশতে লে পা যহিত। তাহাতে নানালকের অ-ধিকার বুতৃহত াকের প্রভিন জো-न्दी नुत्रियं पाल त्या जानावका फ भा २० १८ है। कात ई उत्तरी मृत मा-द्द्र तत भाउना दाकी योजनाइ जन न्य निलारम जन ३२% जादन नजाईल মহকুমার খরিদ করিয়া ঐ ঔপলক্ষ

দেবত্র মহালের ৬1%৮ টাকার জ মা মোতালকের পুরুরিণী ওবাগাত अ अभी आपि गान **भाजान** कर के 201/Q टीका जमात अभिलि म খল করিত। তাহার খাজানা কোন প্রকাপ পাওয়া বাইতনা । **এসলাম** সীকদার ফোও হওয়ায় অধীনপ্র গ্রামের প্রজ্ব লোদরত উল্লাপ কে ताक्षीं अवहीं अभी स्त्रामं मात প্রজোগণের দারা ঐ জন্মী জনা 'गारायां व विशा भारतक जना आर्र শিকার লে ১১॥০ টাকা জমায় প त्कांप्रकु उंद्वा मिला क्व प्रदर्शनी मिनत विली कराय थ बात्य एक त्यो लये एउरक्र मध्यक्तिनी आपन थ-त्रीए। क्यांत्र क भीता खेल्लास्य भी र्यक्रिकेशी गण्डक् रहत भ १ मा उहंत -

পাতে ৩০০ টাকার দাবীতে প্রজাকে एक्त वात कतिवात निमिष्ठ देनमन कफ कार्ट नालीम कतियां विकउ-রফা ডিক্রী সিদ্ধ করিয়াছে। অত-এৰ প্ৰজার ছারা ও হক্ষম রদ জন্য ছানী করা আবশ্যক নতুবা প্রজাম জকুর মৌলবীর ফেরেপে জের वात रहेशा ज्या एफिश पितन ও অন্য কেহ জ্মা নালইলে না-বালণের দেবল্র মহালের জমাপ্র र्स मठ प्रश्नप किं इहेरिक, वमल्ड धार्यना त्य डे लाखांक वि বরণ প্রণিধান করিয়া যথা বিহীত प्राप्तन अमातत पाछा रहेटल उपनुक्रभ अथीन कवित्रक। देश नित्तप्त कतिलाम। इंछि जन >२११ । जित्रिय ५ काल्यन

श्क्र पर्रेल

যে সরবরাহকার, প্রজা যদি সাহার্য চাহে, তবে করিতে পারে
। এমত ছফ রাখিতে হইবেক,
যে এ মোকর্দ্মায় নাবাল শের
সরকার হইতে কিছু শর চা
নাপায়। ইতি ১৮-৬৬।

न १५७

১১ বং মোকজেস সন ১৮ ৬৬)

> মহামতিল জেলাবর্জ মানের প্রীযুত প্রধান সদর আমিন বর, বরেবু

भा । वदत्र

२०- २७ जात्मह १: २१ शोश तह त्याव क्योह था । १३ दि गंधा के कांनि वामा अपने कि १ मन्द्र कांगिक श्री कांनि का कांनि १ मन्द्र कांगिक श्री कांनि का कांगिक श्रीम कत्र भाष्ये कि कह कि शिक्ष कांगिक जाकि गंभिक श्रीक शिक्ष का कि सिल्मा के खाला श्रीक गंभिक श्रीक कि सिल्मा के खाला श्रीक श्रीक कि विकास के सिल्मा के खाला श्रीक श्रीक कि सिल्मा के सिल्म के सिल्म

তর্ফ বাদী

শোপীনাথ দাস

বিনদ বেহারী বাগদী

मः पृष्टे ज्या भाष

বৈঠক প্রীয়ৃত জেমছ রেনি
সাহেব প্রধান সদর আমিন
জেলা প্র্কাংশ বর্দ্ধ মান
সন্তদ্ধতাই জুলাই
হকুমহইন

যে সাক্ষী গণের জোবানবন্দী লওয়া জায় ইতি नः ४ ४

3945 8834. भशानियं प दक्षरव ' श्रुप्तिना " ধর্মান ভাষ্ত কখান সদর र्रितः आदश्य रास रास्यु लिथितः माजा उभावतं तरागपी पक রার ক্রিড়েছি যে ১৮৬৬ **সালের** ৭২ন দেও গানি মেক দ্মায় যা-काल हिनचर्ती भिन्ने वालीनि मन्न-तो मिनि धकुरि छोत्नामीपाए धिरिकारीत प्राप्तिक निषक्त ত সাহ্যি গণের নালিও ইকাছার जाती वत्रभागय उठन पिन শ্যাদা মায় ইস্তাহার গ্রোমে আ-ইলে আমি পাদার সঙ্গে গামী গর্মের বাতী পীয়া তাহাদেরতলা

मं करिनाम किन्त ना मामी प

নের না ভাহাদের পরিবারের কে ন বয় প্রাক্ত পুরুষের দাক্ষাণ্ড পাওয়া গোল যুত্তাং প্রাদা্ত্রা-মের প্রকাপ্ত স্থলে ইন্ডাহার ল-টকাইয়া দিলাম ইতি সন্তর্ ৭৩ | ২৭ অক্টিন

হারাধ্য কাশ্দী ঘাজী প্রাম বাগদী মাজী সাংখ্যাম গুদ্ধ প্র

> নং৮৫ ৩১ আগফ নাম্মিল হয় হতি

১১ নং মেভিনেস সম ১৮ ৬৬।—— মহা মহিম জেলা পূর্কাংশ বর্জ মানের ত্রীযুত প্রেখান সদর আমিন বরাবরেষু

লিখিতং জ্রী গীরিশ্যন্দ্র সরকার कच्छा ७काले नामा भय मिपः कार्य क्षारा पिशसंति पात्री वापी খামি প্রস্তুতির বিরুদ্ধে হজুর यामालक नालिय कताय आंगोत পক্ষে বাবু রাখান দাস সরকার মুনসী জোহাদ রহিম বাবুপরাণ চल्प नन्ही वार् वामधन मुश्रु रक्ष ও ব্রজনাথ চৌধুরি কে আপন পক্ষে মোকদ্মায় বর্ণনা ও,দ্বাব দিবার নিমিত্তে উকীল বাহাল ক রিয়া একরার করিতেছি যে উ-क उकील गन धात्रात भएक

त्य त्कांन ५ जाश्रक्तित्वक । যে কোন কাগজ আপন ২ দ अ थ एउ । आभा इ नात्म माथिन क्रितिक ७ य कान म्सा ब ज् রত লইবেক তাহা আমার স্বীয় ক্ষতের ন্যায়' বিবেচনা করা হ रहेरवक ५ उन्रिक्ट आमि ५ हे डेकांलउ नामा निथिया पिलां म इंडि अन १५७७ ।१५ **जर**न **डेमा**जी

निष्युपिताम मतकात नाः, जाङ काना মাহমাবর ३५-०० मात्नव ३३नः भाभत्व स्मिकष्मा यंश्व हिनेश्व हिनोमी দর্থান্ত কারিণী ও মঙ্গলা দাসী প্রতিপক্ষ আছে সেইনোকদ্যায় প্রতিপক্ষের সোজার হরি চক্র त्रांश्त अठि भाकत् भाक निद्रा त निश्वि जाकी ननार दिन সমনে হাজির করিয়তে भारि **अरे बिला** टिंब बाता लाश । मे गर्के जेलन्डिंड क्रिडिंग्हे धर्म

বৈঠক শ্রীয়ত জেমছ রেলি

সাহেব প্রধাণ সদর সামিন

জেলা প্রকাংশ বর্জ মান

সন ১৮ ৬৬। ৬ আগঘ্ট

গ্রুম হইল যে

মাকীগণের জ্বান ব্দী লওয়া জায়।

लिथिङ शिमका पिश्ववि प्रिमी मार छाड़ काना कम्म प्रकाल नामा भय मिमर कार्य क्षार्थ आमात बामीत प्रभा भारेवात निमित्य साक्षिम मा कृ क्रव्यार्थ वन मालि म् भू-एक ७ मूननी लार क्रव्रश्यान-

क उकील नियुक्त कतियां अकतात क রি তেছি যে উক্ত উকীল গণ আমা র পক্ষে যে কোন এজহার করিবেক ও যে কোন কাগজ আপন ২ দস্ত খ-তে আমারনামে দাখিল করিবেক ও যে কোন দক্তাবেজ ও কাগজ আদালত হইতে ফ্রেরত লইরেক তাহা আমার স্থীয় ক্তের ন্যায় বিবে চনা করা হই বেক এতদার্থে আমি **७२ उकालं नामा निथिया** पिला-म रेंछि जन २५ ७७।७ • जुन इनामी গ্রীমহেষ বেহারা ত্রীকার্ত্তিক বৈরাগ্য মোং বৰ্জমান

मर्म्स महामहिम जिल्ला श्वर्कारण वर्क्ष मात्नद्र श्रथान नम्द्र आमीन बद्रावत्वयू

লিখিতং গ্রীপ্রতাপ চৌকীদার ইহার দারা একরার করি তেছি যে পাপরের মোকদ্দমায় যাহাত্ত কাইতি চৌকির সামীল তোড়কো-ना निवाजी पिशस्त्रित पांजी प्रतथान कारिनी थे माकी त्रत प्रम्मना पानी ও গিরিশ্চন্দ্র সরকার প্রতিবাদী আছে ৩১নং মাতাদীন প্যাদা ৩ क्जि नमन लहेश वामाप्तक्था-মে আইনে আমি পাদার হামরা হ গীয়ান্থীলাম বিপক্ষের ও তাহাদের কারপরদাজ ও তাহাদের সহিত

すっしゃ

১১**ন**ং মোফ নেস

अन् ३५ ७७।

জেলাপুর্বাংশ বর্ত্বমানের ত্রীযুত প্রধান সদ্র আমীন আদালত

চৌকী কাইতির সামীল তাড় কোনা সাং নিবাসী দিগদ্মর দাসী দ্রপাস্ত কারিণী বিপক্ষ মঙ্গদা দ্বি ও গিরিন্ডক্র সরকার সাং ভোড়কোনা চৌকী কাইতি मावि ३३३०-

बनाम मञ्जला माजी गीतिन्छ मत्रका র সাং তোড় কোনা চৌকী' কাই তি य दश्यक निविष्का उंक मा-वि পाई वांत्रे निमिस्य द्यामा प्लत ना মে এই মোকদশাউপস্থিত করিয়াছে আর যুনানির দীন আগত সন১৮ ৩৬। ১৭ জেলাই মোং সন১২,৭৩,1 ২ শ্রাৰণ মঙ্গলবার তারিখেধার্য্য मोह अञ्चर परे जमन दशमात হাওয়ালা করিয়া আদেষ করাজায যে শুমি উক্ত ধার্য দিবসে অত্যাদা-লত্ত হাজীর হইয়া আপন মো-कष्मात अधित कति त न ए नि দ্বারিত নিয়ম গতে মাফীক আই न आग्नरन आजित्वक देखिनन अ क्रां अजारे

बर् ३०

প্রবল প্রতাপেয়ু

ত্কুমনামা বাহক প্যাদার জ্বানি প্রকাশ পাইতেছে যে সে মপংস-লে যাইয়া প্রতিপক্ষের তাহাদের মোক্তারের কার পর দাজের ১ থকা ল্ল বর্তি সাবালগ পুরুষ পরিবার্ র অনুসন্ধান করিয়াছিল কিন্তু কা-হার দেখা নাপাইয়া সমনের ন-কলপ্রত্যেক প্রতি পক্ষের সদর দ্রজায় লটকাইয়া দিয়াও রূপ জ্যারর একরার চৌকীদারের নিকট হইতে লইয়া আসিয়াছে ইতি मन २५-७७। १२ जुलारे

4692

३३ वर व्योक स्त्रज সরাফাত পানা ত্রীমুনপী কোদর ভল্লা নাজীর আদাল-छ एम अयो कि एक लो श्वर्का न বৰ্দ্বমন বাফীয় প্ৰাসন্দা দিগম্বরী দাসী নিরে দিকা मञ्जलो पोजी पिशत विशेष शक যে হেত্তক অগ্রামাকদ্দমা मन ১৮ ७७। २१ जुलाई इज़ाउ বিচারের দীন অবধারিত হইয়াছে অত্তর্থ দ্বিতীয় পক্ষর নামিও আসলও নকল সমন ও কেতা তোমার হাওয়ালা করিয়া লৈখা-জাম যে ভামি উক্ত সমন রিতমত দিতীয় পক্ষর উপর জারি করি

মা তাহার কৈফিয়ত গুজুরে দাখিল করহ ইহাতে ভাকীদ জানিবা হতি সম ১৮৬৬৩ জুলাই

নং ১২ দাখিল ১৮ জুলাই ১১ নং মোফ-নেস সন ১৮ ৬৬।

মহা মহিম জেলা প্রকিশ বর্দ্ধ মানের প্রীয়ত প্রধান সদর আমীন বরা বরেষু লিখিতং শ্রীমঙ্গলা দাস্যান কম্ম ওকালত নামা পশ্র মিদং কার্যনঞ্চাণে দিগন্বরি দাসী বাদী নি আমি প্রতৃতির বিরুদ্ধে প্রস্কুর আদালতে নালিদ করায় খা-মার পক্ষে বাবু রাথাল দাস স

तकात मुननी एक श्रम त्रश्मि वांद्र পরাণ हेन्द्र नमी वांवू तांश्र धन प्र-थुज्छा अ अजनां ये छोस्ती णानन পरिक वर्गना ७ जवाव मीवात निमि ত্তে উকীল বাহাল করিয়া একরার করিতৈছি যে উক্ত উকীল গণ আমার পক্ষে যে কোন এজাহার করিবেক ও যে কোন কাগজ আ-পন ২ দক্ত খতে আমার নামে দাখি-ল করিবৈক ও যে কোন দস্তাবৈজ ওকাগজ আদালত হইতে ফেরত ল ইরেন তাহা আমার সীয় হুতের কা य् नितरं ना कता का देवक अना त्ये आपि वरे उकानउनामा निश्रिश मिनाम रेवि अम् ३७।३**५** जुलारे हेमामी: ৰীপুদ্রিম সরকার সাং ভাড় কোনা

DO.

প্ৰবল প্ৰতাপেষ্

১৮৬৬ সালের ৭২নং মোকদ্মার শুনানীর দিন অবধারিত পাকায় বদীর কারপরদাজ হার্দে বাদীর পক্ষের নিম্ন লিখিত সান্ধী
গণকে হাজির করিয়াছে এবং আমি তাহাদিগকে অহা রিপোর্ট সহিত
হজু রের সমুখে হাজির করিছে
ছি ইতি ১৮৬৬। ২৪ সেতম্বর
সান্ধীগণেরনাম
সাজিব

मध्रमूम्न कत अथत्र न की मध्रमूम्न क्षू

রামভারক সেন বেনীমাধৰ মলিক

ভাগৰত দে

86 १६

প্রবল্পতা পেয়ু

नित्रपन ७३ त्य १२ नः देए छ यानि शिकर्मभाग्र अछि वामी मंत्रनामात्रीत মানিত ইস্তাহার জারির প্রমাণর নি-চের লিখিত সাক্ষীগণকেপ্রতিবাদী নির তরফ মোক্তার হরিশ্চক্র সরকার হাজির আনায় সাক্ষীণণ হজুরে হাজির আশীয়া আপনং দাক্ষ্য আদায় কারণ হজুরে হা-জীর আছে অতএব নিম্নের লিখি-ত সাক্ষীগণকে অহা কৈ ফিয়তের দারা হজুরে হাজির করিতে ছি গ্রীয়ন্ত মানিক নিবেদ্ন ইতি ১৮-৩৩।-৮ সেতম্বৰ

अभगीन माकी

श्रीक्रामधनकर्षकात '३ जीहातार्थन मधन उ

१२नः एउग्रानि 100-96 রোবকারি আদালতে দেওয়ানি रिला श्वरिंगवर्भ भान বৈঠক প্রীয়ত বাবু গোপী-বাথবয় প্রেখান সদ্রামিন রায় বাহাদ্র भन २४-७७।७ ज्यानश्याति मिगयरी पात्री पञ्चला पात्री वामी প্রতিবাদী অদ্য এই ঘোকদ্মা উত্য় পঞ্জের উকিল গণের সাক্ষাও দ্রপেষ হই-न ए दश्यक ७३ त्राकर्म्मा पूर्ण-ख विहात ज्तर एक दीन शर्य करा আবশাক এমত হকুম হইল যে এই মোকদ্মার চূড়ান্ত বিচা

क्रिन था गठ २७ कान अंगित दीन था ये कहा का य वर जे छ ग भिष्कंत जे की ल गण आभान २ म-क्रिक त्नेत भिष्क श्रमाणां में में प्रम् श्रम्भ था कर्म श्रमाणां में भिष्म १

すぐるか.

১৮-৩৬ সালের ৭২নং মোকর্দমায় বাদীনি দিগম্বরি দাসীর
দর পাস্ত

नित्तप्त थहेरा आमि अय जह शक्रीं प्रिलेस शिल प्रिलेस किरिश्रीं मिनि श्रीं थहेरा प्रिलेस लश्रीं मिश्रिल भामिल इय थह थहे प्राकर्णभा थे प्रिलेस पृष्ठे विठात इय नित्रप्त हेंछि भागिति प्रिलेस्की गांगी भार खाड़ स्मानी

नः ३१

রোবকারি আদালতে দেওয়ানি द्याना श्वरिंग वर्षिमान दिरुक প্রীযুত জেমছ রেলি দাহেব প্রধান সদরামিন সন ১৮ ৩৬ দাল তারিথ ৩১ আগষ্ট पिशबतिपात्री वाषीनि ममलामानी नीः अर्कवामी गग অদ্য এই মোকর্দ্দমা উভয় পক্ষ্যের টকীল গণের সমক্ষায় উপস্থিত रहेशा প্रकाभ इहेल ए प्रजना पत्री मिगत প্রতিবাদীগণ আপনাদের তরফের বর্ণনা পতা দাঞ্চিলকরিয়া-ছে এমতে ইশু ধার্য করা আক্ত হইয়া নিমের লিখিত ইণ্ড ধার্য হই न। १ इस नानिनी मण्यकीम-কল বাদীনির স্বামীর তে জ্র্টছিল

कि नाज्य विनि जाशे भारेबोर अधीकाति किना हेि १। প্রতি बाদी गण वामी निक्षां छ-বিক বেদখল করিয়াছে কিনাইতি যে হেন্ড উক্ত ইন্ডা সকলের थपान उठ्यं भक्तत शाल ल-ওয়া আৰম্যক এমতে एकुम रहेन যে উত্যপক্ষের উকীল এক সন্থাহ মধ্যে উক্তইশু সকলের বিশয়ের প্রমাণ দেয় আর এই মোকর্দমা আগত ২৪ সেত্রর বিচার জন্য পেষ হয়

न के

শ্রীযুক্ত ধর্মাক্তারপ্রবলপ্রভাপের নিবেদ্ন

কলিঙ্গা ষ্টেসনের অন্তর্গত মলুয়াগ্রামের একার মোলা সদাই পরাণ মণ্ডল জমীর আলিগাঙ্গী প্রজাগণ মদ্য দিবা ১১ ঘনীর সময় অতিময় কাতরাবস্থায় অ-**धीर** तक छे उक रहे जात डे পশ্তিত হইয়া উহারা এবং আম মজকুরার ও পার্শ্ববর্তী আঘের প্রায় ৬০।৭০ ঘর প্রজা স্বপরিবারে सर् घति धाना ना शाका अयुक २७ मियम श्रेट **उभवामी औ**र्ष ইদ'সন তাদুশ রুষি, না হওয়ায় धानगिष कनन उउमक्ता मा-জ্মার কারণে মহাজন লোক উ

श्मिशक थानगमि कर्ज नादम्ख्याय ও আগ্রাঞ্জাবে উহারা সপরিবা-त्रि आर्ण नये श्वरांत् मखर अ-কাশ করিলেক। ধর্মাবতার ইম-जन जापून शानगापि कजन नी জিমিবায় অনেক স্থানে ঐরপ घरेना मः घरेन इउसा अउ হওয়া যাইতেছে, মহাজন লোক যাহারা চাসীপ্রজ্পপ্রভূতি रक थानगि कर्ज मिया २ रक, তাহারাও ফসল অজনা হও য়াতে তাহা কর্জু দেওনে প-ताजाभ रहेशोरह, व अवन्यय देशंद्रकान मद्रभाग्न ना इदे एल 🛷 বিষ্যতে আহারা ভাবে প্রাণের शनि अ চুরি আদি ধেশী হওণের मछव विश्वास मूला है। त्य निर्वीकाम

M69

२ जुन मानिरु नित्तपम देखि भग्रेष ৬৫ সাল ২৫ আক্টাবর আজ্ঞাধীন শ্রীপ্রসরকুমার ঘোষ ইনিঞ্চেক্টর ডি: বসীর হাট न् ३३ १०१३२ नर १२ मः (५ ७ ग्रो नि नन् ३५ ७७। एक ला श्रुकारिन **रक्**षात्त्र अथान अप्रांत्रिनी आपानएउत না জির প্রতি আগে मिगश्रे विमानी प्रमनामानि पिगत अठि वा मी वानीनि যে হেন্তক উক্ত মোকদ্দমীর সাকী 800

गग नमनं जाति द्रुश्या ज एइ उ হাজির হয়শাই ও এ মোকদমার अनानित पीन भागापि २० नवश्वत जातित्यं भाग इरेग़ार अञ्जव নিচৈর লিখিত সাকী গণের নামিয় ৬ কেতা ইস্তাহার ভোমা-র হাওলা করিয়া তোমাকে লেখা জায় যে এ পরওনা সাক্ষীগণের উপর জারি করিয়া আপন রিটার-न मिथिन कंत्रिय हे जिनन ३৮ ৬ ৬ | ২ ৪ সেতে মুর তপসীল গর হাজীর সাক্ষী তর্ফ প্রতিবাদী রামধন চট্টো পাখ্যায় সাংক্রেড়কোনা जीवन हत्ती शाधाय ना एठोकी थे হরিশ্চন্দ্র মথোপাখায় ने नान हट्य छु। हार्य

অন্বিকাটরণ বোষাল তা নিতাইচরণ সরকার ক

> নং **১০০** ধর্মাব্যারেষু

নিবেদন এই ইস্তাহার বাহক প্যাদার বাচনিক এজাহারে প্রকাশ যে সে সপস্থলে গীয়া সেওঁ য়ায় ই-শ্বর চন্দ্র মুখোপাধ্যয় থৈ ব্যক্তি ম রিয়াছে ও দিননাথ দঁওঁ বেনামে সঞ্চর পুর গ্রামে লোকনাই তংসে ওয়ায় বাকীগণের সদ্র দ্রজায় ঐইস্তাহার লটকাইয়া দিয়া আ-শীয়াছে ও প্যাদা মজকুর ঐ হুকু ম নামা রীত্রমত জারী হওয়ার বিদ য়ে আম্য চৌকীদারের রসীদ আনিয়া ছে ঐ রসীদ ও জারী নাহওয়া ইক্রা

शत थरे ति लाएक शत र ब्रह्म श्रूपे कात्रण एत लागे कति छि रेजि जन ३৮ ७७।२७ नवसन

বৈঠক শ্রীযুত জেমত বেলি
সাহেব প্রধান সদর আমিন
জেলা প্রকংশ বদ্ধমান সন১৮
তেলা প্রকংশ বদ্ধমান সন১৮
তেলা প্রকংশ বদ্ধমান সন১৮
তেলা প্রকংশ বদ্ধমান সন১৮
ত্ব্মহল
ত্ব্মহল
ত্ব্মহল
ত্বিত প্রক্রম প্রদান কারণ
শ্রীল শ্রীযুত এডিসনল প্রধান সদর
কামিন্তর সমিলো পাঠান জায়
ভিত্তি

